संस्करण : नई दिल्ली, पानीपत (हरियाणा), चंडीगढ़, लखनऊ, भोपाल (मध्य प्रदेश), हल्द्वानी, नैनीताल, देहरादून (उत्तराखंड) से एक साथ प्रकाशित

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें...

पब्लिक एशिया

@publicasia1989 @publicasiaofficial @publicasia

वर्ष : 36 | अंक : 2 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 22 नवंबर, 2024 | पृष्ठ : 12

मूल्य ₹ 3.00

RNI No-49329/89
website: www.publicasia.in
email:- publicasia1989@gmail.com

बच्चों का पुनर्वास योगी सरकार की प्राथमिकता

दत्तक ग्रहण जागरूकता माह-2024 के तहत लखनऊ में आयोजित हुआ राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव

» केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और प्रदेश की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य रहीं मौजूद

उत्तर प्रदेश महिला एवं बाल विकास विभाग के संयोजन में केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित हुआ कॉन्क्लेव

पब्लिक एशिया ब्यूरो

लखनऊ » योगी सरकार द्वारा बड़े बच्चों के पुनर्वास और उन्हें नई दिशा देने के उद्देश्य से %दत्तक ग्रहण जागरूकता माह-2024% के अंतर्गत एक विशेष राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स ऑडिटोरियम में गुरुवार को आयोजित इस कॉन्क्लेव में भारत सरकार की ओर से महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहीं। वहीं प्रदेश सरकार की ओर से महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य ने योगी सरकार द्वारा बच्चों के पुनर्वास को लेकर किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का आयोजन महिला एंव बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया गया।

देखभाल और पालन-पोषण की भावना द्वारा बड़े बच्चों का पुनर्वास

इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर सहित उत्तर प्रदेश सरकार की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता चौहान ने 'देखभाल और पालन-पोषण की भावना द्वारा बड़े बच्चों का पुनर्वास' विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर लोगों को ऐसे बच्चों को गोद लेने और फोस्टर केयर (पालन-पोषण) की कानूनी प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना रहा, जो या तो निराश्रित हों या करीबी परिवार के ही अनाथ सदस्य हों। साथ ही, समाज में ऐसे बच्चों के पुनर्वास के लिए अपनापन और संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करने पर भी वक्ताओं ने विशेष जोर दिया।

बाल संरक्षण योगी सरकार की प्राथमिकता : बेबी रानी मौर्या ने अपने वक्तव्य के दौरान प्रतिभागियों को बताया कि बाल संरक्षण उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के लिए प्राथमिकता का विषय रहा है। प्रदेश सरकार बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और कल्याण में अग्रणी भूमिका निभा रही है। महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने कहा कि बच्चा दत्तकग्रहण के माध्यम से एक परिचित वातावरण में रहे और भाषाई या सामाजिक-सांस्कृतिक स्तर पर बड़ी चुनौतियाँ ना पेश करे, यह आवश्यक है।

कानूनी दत्तक-ग्रहण की सभी प्रक्रियाओं पर हुई परिचर्चा

कान्क्लेव के दौरान सावित्री ठाकुर ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की सहायता से राजधानी लखनऊ में हमारे हितधारक और माता-पिता एकत्रित हुए हैं। यहां हम दत्तक परिवारों से चर्चा कर बच्चों को गोद लेने के उनके अनुभवों के बारे में जान रहे हैं, वहीं हम अपने हितधारकों के साथ कानूनी दत्तक-ग्रहण की सभी प्रक्रियाओं पर परिचर्चा कर रहे हैं। उन्होंनें मीडिया को सम्बोधित करते हुये कहा कि इस बार हमारे पूरे अभियान का थीम 'फॉस्टर केयर और फॉस्टर अडॉप्शन के जरिए बड़ी उम्र के बच्चों का पुनर्वास' है। 6 साल से अधिक उम्र के बच्चे जिनका अडॉप्शन आसानी से नहीं हो रहा, उनके लिए हमारे सिस्टम में फॉस्टर केयर का एक विकल्प मौजूद है। इस विकल्प के ज़रिए 'नो विज़िटेशन' और 'अनफ़िट गार्डियन्स/पेरेंट्स' की श्रेणी के अंतर्गत आने वाले बच्चों को अस्थायी पारिवारिक देखरेख प्रदान की जाती है।

गोद लेने वाले दंपत्तियों ने साझा किये अनुभव, बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने मोह मन : इस अवसर पर केयरिंग पोर्टल के जरिए बच्चों को गोद लेने वाले दंपत्ति गुरप्रीत सिंह और नवनीत ग्रेवाल, मो आरिफ खान और दीप्ति सिंह, वीरेन्द्र और शर्मिला पाल तथा सिंगल पैरेंट डॉ रचना भारती को सम्मानित किया गया। सभी ने अपने अनुभवों को साझा किया। इसी प्रकार फॉस्टर केयर से बच्चा गोद लेने वाली डॉ शहनवाज ने अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान 'किलकारियां' शीर्षक से प्रेरक कहानियों का प्रस्तुतिकरण किया गया। वहीं बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सबका मन मोह लिया। इसमें नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा 'राधा तेरी चुनरी... गीत, किशोरियों द्वारा रानी झांसी के जीवन को प्रस्तुत करते हुए समूह नृत्य का विशेष आयोजन किया गया। वहीं बच्चों द्वारा बनाए गये उत्पादों की प्रदर्शनी को भी लोगों ने खूब सराहा।

बता दें कि केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा हर साल नवंबर माह को %राष्ट्रीय दत्तक ग्रहण जागरूकता माह% के रूप में मनाया जाता है।

इस वर्ष, इस अभियान का विशेष आयोजन उत्तर प्रदेश के लखनऊ में किया गया है।कार्यक्रम में भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, उत्तर प्रदेश सरकार की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य, राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, राज्य महिला आयोग की आध्यक्ष बबिता चौहान, उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव अनिल मलिक, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी, निदेशक संदीप कौर, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव प्रीती पन्त समेत प्रदेश में गठित बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष व सदस्य, चिकित्सा विभाग के पदाधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के पदाधिकारी, यूनिसेफ, चाइल्ड हेल्प लाइन, जिला बाल संरक्षण इकाई, देखरेख संस्थाओं तथा विशेषिकृत दत्तक ग्रहण अभिकरणों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मौसम

दिल्ली/एनसीआर

अधिकतम ता.	न्यूनतम ता.
272.0°C	14.0°C

संक्षिप्त समाचार

आप ने दिल्ली विधानसभा के लिए 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली » आम आदमी पार्टी(आप) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। आप की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक में आज उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की गयी। पहली सूची में उम्मीदवारों में छतरपुर से ब्रह्मा सिंह तंवर, किराड़ी से अनिल झा, विश्वास नगर से दीपक सिंघला, रोहतास नगर से सरिता सिंह, लक्ष्मी नगर से बीबी त्यागी, बदरपुर से राम सिंह नेताजी, सीलमपुर से जुबैर चौधरी, सीमापुरी से वीर सिंह धींगान, घोंडा से गौरव शर्मा, करावल नगर से मनोज त्यागी, मटियाला से सुमेश शौकीन शामिल हैं। आप ने पहली सूची में कांग्रेस और भाजपा छोड़कर आए नामों को प्राथमिकता दी है जबकि 11 में से छह सीटों पर दूसरे दलों से आए प्रत्याशी घोषित किए हैं। अनिल झा, बीबी त्यागी और ब्रह्म सिंह तंवर कुछ दिनों पहले ही भाजपा से आप में शामिल हुए हैं।

ईवीएम हैक मामले में उदयभान की हाईकोर्ट में याचिका

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा विधानसभा चुनाव में बहुमत का आंकड़ा हासिल करने में नाकाम रही कांग्रेस लगातार ईवीएम हैक करने का आरोप लगा रही है और अब इस दलील के साथ पार्टी ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने दावा कर रहे है कि 14 विधानसभा सीटों के चुनाव में ई वी एम हैक की गई है, जिसके लिए पार्टी के पास पर्याप्त सबूत हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने जिन 14 सीटों पर ईवीएम हैकिंग का दावा किया है, उनमें 4 सीटें ऐसी हैं, जिन पर जीत-हार का अंतर 3000 से कम है।

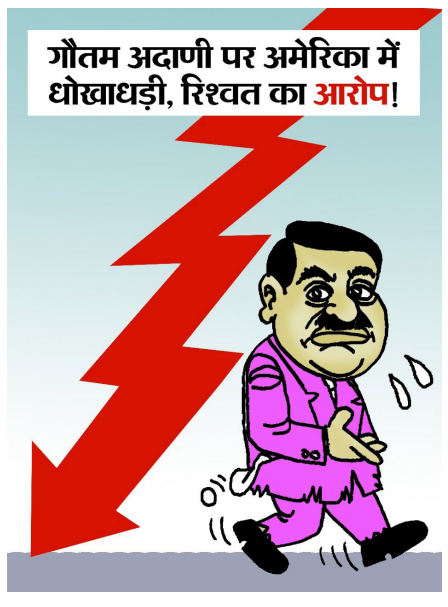

गौतम अडानी, सहयोगियों पर रिश्वतखोरी के आरोप में अमेरिका में मुकदमा

एजेंसी

नई दिल्ली » अडानी समूह के प्रमुख गौतम अडानी और उनके कुछ वरिष्ठ अधिकारियों पर अमेरिकी निवेशकों और वैश्विक वित्तीय संस्थानों से ' झूठे और भ्रामक' तथ्यों के आधार पर धन जुटाने की अरबों डॉलर की योजना में उनकी कथित भूमिका को लेकर अमेरिका की एक अदालत में आरोप-पत्र दाखिल किए गए हैं।अमेरिका के संघीय अभियोजन कार्यालय के न्यूयार्क के पूर्वी जिले के संबंधित अभियोजक द्वारा ब्रुकलिन की एक संघीय अदालत में कथित रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी की के पांच बिंदुओं को लेकर आपराधिक धाराओं में अभियोग-पत्र पढ़े गए।

वार्ता ने इन कथित आरोपों पर अडानी समूह से प्रतिक्रिया माँगने के लिए एक प्रश्न भेजा है और उसकी ओर से प्रतिक्रिया का इंतज़ार है। इस बीच, गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में बीएसई पर 20 प्रतिशत तक की गिरावट आई।अडानी समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर बीएसई पर 20 प्रतिशत गिरकर गुरुवार को पूर्वाह्न मे 2256.20 रुपये प्रति शेयर तक आ गया था।ब्रुकलिन की अदालत में दाखिल आरोपत्र के अनुसार 2020 और 2024 के बीच, प्रतिवादियों ने भारत में सरकार के साथ आकर्षक सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंध प्राप्त करने के लिए सरकारी अधिकारियों को 25 करोड़ डालर से अधिक की रिश्वत देने को तैयार हुई थी। कंपनी को इससे लगभग 20 साल की अवधि में कर के बाद दो अरब डालर से अधिक के लाभ होने का अनुमान था ।अडानी समूह के खिलाफ दाखिल आरोपों में कहा गया है कि इस भारतीय कंपनी ने रिश्वत की अपनी योजना के प्रति अमेरिकी निवेशकों को अंधेरे में रख कर, बैंकों और निवेशकों से झूठ बोल कर अरबों डॉलर जुटाए जो अमेरिका के कानूनों का उल्लंघन है। न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी कार्यालय की ओर से जारी मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है, ' कई मौकों पर, गौतम एस. अडानी ने रिश्वत योजना को आगे बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत रूप से एक भारतीय सरकारी अधिकारी से मुलाकात की और प्रतिवादियों ने इसके निष्पादन के पहलुओं पर चर्चा करने के लिए एक-दूसरे के साथ व्यक्तिगत बैठकें कीं। प्रतिवादियों ने रिश्वत योजना को आगे बढ़ाने के अपने प्रयासों पर अक्सर चर्चा की, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक मैसेजिंग एप्लिकेशन के माध्यम से भी शामिल था।'न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अटॉर्नी, ब्रियोन पीस ने कहा, ' जैसा कि आरोप लगाया गया है, प्रतिवादियों ने अरबों डॉलर के अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने की एक विस्तृत योजना बनाई और गौतम एस. अडानी, सागर आर. अडानी और विनीत एस. जैन ने रिश्वतखोरी की योजना के बारे में झूठ बोला क्योंकि वे अमेरिकी और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों से पूंजी जुटाने की कोशिश कर रहे थे।'

मोदी-अडानी एक ही हैं-राहुल

नई दिल्ली » कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अडानी को हर जगह भ्रष्टाचार में शामिल बताते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अडानी एक ही हैं इसलिए उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है। श्री गांधी ने यहां पार्टी मुख्यालय में गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अडानी के भ्रष्टाचार को लेकर अमेरिकी अभियोजन एजेंसी ने उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। अडानी के भ्रष्टाचार के खिलाफ अमेरिका में कदम उठाए जा रहे हैं लेकिन भारत में उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होती है। उन्होंने प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड-सेबी की अध्यक्ष माधवी बुच का भी उल्लेख किया और कहा कि वह भी अडानी से जुड़ी हैं और उनके शेयरों के भाव बढ़ाने में मदद करती हैं इसलिए तमाम आरोपों के बावजूद उनको हटाया नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा कि अडानी की कार्रवाई नहीं होने से छोटे निवेशकों को बहुत खतरा है।

अमेरिकी न्याय विभाग और सेक द्वारा अडानी ग्रीन कंपनी पर लगाये निराधार आरोप : अडानी समूह

नई दिल्ली » अडानी समूह ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका के न्याय विभाग और प्रतिभूति बाजार विनियामक (सेक) द्वारा अडानी ग्रीन कंपनी के निदेशकों के खिलाफ लगाये गये आरोप निराधार है और इनका खंडन किया जाता है।अडानी समूह ने आज यहां जारी बयान में कहा, 'अदालत में लगाये गये आरोप सिर्फ आरोप हैं और प्रतिवादियों को तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक की दोष साबित नहीं हो जाते।' हम कानून का हर संभव सहारा लेंगे। उन्होंने कहा कि अडानी समूह अपने ऑपरेशन्स में गवर्नेंस, ट्रांसपेरेंसी और रेगुलेटरी कम्पलायंस के उच्चतम मानकों को बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने सभी साझेदारों, कर्मचारियों और हितधारकों को यह पूरा भरोसा दिलाते हैं कि हम कानून का पालन करने वाले समूह है और नियमों का पूर्णरूप तथा दृढ़ता से पालन करते हैं।

मोदी की विश्वसनीयता बढ़ती ही जा रही है : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली » भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उद्योगपति गौतम अडाणी को लेकर कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर लगाये गये आरोपों को खारिज कर दिया और कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कि मां, बेटा और उनकी पार्टी 22 साल से श्री मोदी की विश्वसनीयता समाप्त करने की चेष्टा कर रहे हैं लेकिन जनता की नज़र में मोदी की विश्वसनीयता बढ़ती ही जा रही है।

भाजपा के प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाये गये आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि अमेरिका में जिस मुकदमे की बात हो रही है, उसमें कानूनी प्रावधानों के उल्लंघन आदि के आरोपों पर उद्योग समूह जवाब देगा, लेकिन जो आरोप प्रधानमंत्री और सरकार पर लगाये हैं, उनको लेकर कई सवाल खड़े हो गये हैं। उन्होंने श्री गांधी और कांग्रेस को इस मामले को अदालत में ले जाने की चुनौती दी। उन्होंने श्री गांधी से सवाल किया कि अमेरिका में जिस मुकदमे का वह जिक्र कर रहे हैं, उसमें चार राज्यों -तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में उनकी पार्टी की सरकारों ने जो अडाणी समूह से निवेश लिया है, क्या उसमें भी घोटाला हुआ है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जिन चार राज्यों की बात हो रही है, उनमें कांग्रेस एवं सहयोगी दलों की सरकारें हैं। श्री गांधी कह रहे हैं कि कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री अडाणी समूह से समझौता करके निवेश ले रहे हैं, पर अजीब बात है कि पैसा प्रधानमंत्री श्री मोदी के पास जा रहा है। वह यह भी कह रहे हैं कि श्री मोदी की विश्वसनीयता समाप्त हो गयी है। उन्होंने कहा, 'राहुल जी ने आज बार बार कहा कि मोदी जी की विश्वसनीयता समाप्त हो चुकी है। मोदी जी अडानी के पीछे खड़े हैं, इसलिए उनकी विश्वसनीयता वैश्विक स्तर पर समाप्त हो चुकी है। राहुल जी, मोदी जी की विश्वसनीयता समाप्त करने की चेष्टा और कोशिश कोई आप पहली बार नहीं कर रहे हैं। 2002 से मोदी जी की विश्वसनीयता को समाप्त करने की कोशिश आप, आपकी माताश्री और आपकी पार्टी लगातार कर रही है। कभी उन्हें मौत के सौदागर कहा गया तो कभी चौकीदार चोर है कहा गया। ऐसे करके सौ से अधिक गालियों से उन्हें नवाज़ा गया।'

डॉ. पात्रा ने कहा, 'हमारे देश से हजारों मील दूर दूसरे देश में आज सर्वोच्च नागरिक सम्मान उन्हें (मोदी जी को) दिया जा रहा है। ये है मोदी जी की विश्वसनीयता... न मौत के सौदागर से मोदी जी की विश्वसनीयता पर डेंट पड़ा और न ही चौकीदार चोर है कहने से! क्योंकि देश की जनता जानती है कि कौन विश्वसनीय है।' उन्होंने कहा कि जनता को पता है कि श्री गांधी का 'स्ट्रक्चर' क्या है। इल्हान उमर और जॉर्ज सोरोस के स्ट्रक्चर से उनका क्या संबंध है और उनकी नीयत क्या है।

राजनीतिक उद्देश्यों के लिए होता आ रहा वीटो का इस्तेमाल : भारत

(रिपोर्ट. शाश्वत तिवारी)

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में वीटो पावर पर भारत की स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि जब तक वीटो मौजूद है, तब तक सभी स्थायी सदस्यों द्वारा निष्पक्षता और न्याय के मामले में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इस दौरान हरीश ने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए वीटो के इस्तेमाल की कड़ी आलोचना भी की।

न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने एक बयान में हरीश के हवाले से कहा वीटो का इस्तेमाल केवल पांच सदस्य देशों के लिए उपलब्ध एक प्रावधान रहा है, हालांकि यह संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों की संप्रभु समानता की अवधारणा के विरुद्ध है। पिछले 8 दशकों के दौरान, यूएनएससी के सभी 5 स्थायी सदस्यों ने अपने-अपने राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए वीटो का इस्तेमाल किया है।

भारतीय राजदूत ने कहा इस अवधि में लगभग 200 बार वीटो का प्रयोग किया गया। आज, संशोधित यूएन सुरक्षा परिषद में वीटो के इस्तेमाल के लिए कई विकल्प हैं और भारत अन्य देशों के साथ मिलकर इस पर काम करने को तैयार है।

यूएनएससी प्रणाली में सुधार के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का आह्वान करते हुए हरीश ने आगे कहा हम दृढ़ता से आग्रह करते हैं कि वीटो के सवाल सहित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार के सभी पांच पहलुओं को आईजीएन प्रक्रिया में स्पष्ट रूप से परिभाषित समयसीमा के माध्यम से व्यापक तरीके से संबोधित किया जाना चाहिए।

नायब सैनी से द. कोरिया के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कोरियाई शहर के लिए जमीन की पहचान करने की संभावनाएं तलाश सकती है सरकार- मुख्यमंत्री

पब्लिक एशिया ब्यूरो

नई दिल्ली » हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से आज गुरुग्राम में कोरिया हेराल्ड और देवू कॉरपोरेशन के अध्यक्ष तथा कोरिया हाउसिंग बिल्डर्स एसोसिएशन के चेयरमैन श्री जंग वोन जू की अगुवाई में आए प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस मौके पर इंटरएक्टिव सेशन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में कोरियाई व्यवसायों को बढ़ने में सहायता देने के साथ साथ सरकार की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के निकटवर्ती क्षेत्र में वर्तमान सरकार उपयुक्त भूमि चिन्हित करने में सहयोग करेगी, जिससे कोरियाई व्यवसायों को बढ़ने में सहायता मिलेगी।

इस मौके पर विदेश सहयोग विभाग के मंत्री राव नरबीर सिंह और सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा भी उपस्थित रहे। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा ने सहयोग के लिए फोकस क्षेत्र जैसे कि ऑटो टेक्सटाइल्स, खाद्य प्रसंस्करण, रियल एस्टेट पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि सिटी टू सिटी प्रोजेक्ट के लिए दक्षिण कोरिया के साथियों का हरियाणा में स्वागत है। शहर-दर-शहर सहयोग के माध्यम से सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने से पारस्परिक लाभ होगा। उन्होंने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया की संस्कृति में बहुत सारी समानताएं हैं। सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से दोनों देश एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। दक्षिण कोरिया और हरियाणा एक दूसरे के लिए बने हैं। हमारा लक्ष्य है कि हरियाणा के विदेश सहयोग विभाग के साथ मिलकर हम हरियाणा को अंतरराष्ट्रीय जगत पर एक नई पहचान दिलाएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में तीसरी बार बनी सरकार-मुख्यमंत्री : श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में लगातार तीसरी बार सरकार बनी है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन देते हुए कहा कि हरियाणा में बिजनेस के तौर पर स्वागत करते हैं और हरियाणा सरकार द्वारा कोरिया को पूरा सहयोग दिया जाएगा, किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी।

स्टारलेक सिटी प्रोजेक्ट को हरियाणा में भी लाना चाहते है - श्री जंग वोन जू : इससे पहले, कोरियन प्रतिनिधिमंडल और कोरिया हेराल्ड और देवू कॉरपोरेशन के अध्यक्ष तथा कोरिया हाउसिंग बिल्डर्स एसोसिएशन के चेयरमैन श्री जंग वोन जू ने कहा कि वे और उनका प्रतिनिधिमंडल हरियाणा सरकार और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह का आभार व्यक्त करते है, जिन्होंने उन्हें आज यहां पर बुलाकर सम्मान देने का काम किया है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी गुरुग्राम में दक्षिण कोरियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए। साथ में हैं उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह और सहकारिता मंत्री श्री अरविन्द कुमार शर्मा। (21.11.2024)

हरियाणा गीता, कर्म की भूमि और भगवान श्रीकृष्ण की धरा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा गीता की भूमि है। कर्म की भूमि है और भगवान श्रीकृष्ण की धरा है और वे इस पावन धरा पर कोरियन प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष हरियाणा में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव मनाया जाता है, जिसमें एक देश पार्टनर देश होता है तथा इस बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में तंजानिया देश को पार्टनर कंट्री के रूप में जोड़ा है। उन्होंने कोरियन प्रतिनिधिमंडल से आग्रह करते हुए कहा कि दक्षिणी कोरिया के साथ हमारा बहुत पुराना नाता है और हम चाहते हैं कि अगली बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में कोरिया भी हमारा पार्टनर देश बने।

लेख

जेईई मेन के लिए ड्रॉप ईयर लेना जोखिम भरा हो सकता है? लाभ और चुनौतियाँ

जेईई के 15% अभ्यर्थी ड्रॉप ईयर लेते हैं आईआईटी में प्रवेश करने वाले 40-45% छात्र ड्रॉपर होते हैं जोखिमों में तनाव और खोया हुआ शैक्षणिक वर्ष शामिल है हर साल, बड़ी संख्या में छात्र संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन की तैयारी के लिए ड्रॉप लेने पर विचार करते हैं, जिसका लक्ष्य अपने प्रदर्शन में सुधार करना और शीर्ष स्तरीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में सुरक्षित प्रवेश करना है। जेईई के लगभग 15 प्रतिशत अभ्यर्थी ड्रॉपर हैं, और जो लोग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में प्रवेश पाते हैं, उनमें से अनुमानित 40-45 प्रतिशत ऐसे छात्र हैं जिन्होंने तैयारी के लिए एक अतिरिक्त वर्ष लिया। हालाँकि, इस वर्ष गिरावट का निर्णय अपनी चुनौतियों और निहितार्थों से रहित नहीं है। छात्रों को ड्रॉप ईयर क्यों लगता है? एक वर्ष में ड्रॉप लेने की प्रेरणाएँ छात्रों के बीच व्यापक रूप से भिन्न होती हैं। कुछ सामान्य कारणों में शामिल हैं। वांछित रैंक या कॉलेज नहीं मिलना - कई छात्रों को लगता है कि वे एक और केंद्रित प्रयास के साथ बेहतर रैंक हासिल कर सकते हैं या अपने सपनों के इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पा सकते हैं। पर्याप्त तैयारी का अभाव - खराब समय प्रबंधन, अधूरा पाठ्यक्रम, या अवधारणाओं की कमजोर समझ अक्सर छात्रों को दूसरे मौके की तलाश में ले जाती है। बोर्ड परीक्षा और जेईई की तैयारी को संतुलित करना - बोर्ड परीक्षा और जेईई की तैयारी का दोहरा दबाव भारी पड़ सकता है, जिससे कुछ छात्र जेईई के लिए तैयार नहीं रह पाते हैं। पहला प्रयास सफल नहीं रहा - जो छात्र अपने पहले प्रयास में उत्तीर्ण नहीं हो सके, वे अक्सर ड्रॉप ईयर को सफल होने के दूसरे अवसर के रूप में देखते हैं। बेहतर कोचिंग या परामर्श कुछ उम्मीदवारों को लगता है कि उनकी प्रारंभिक तैयारी में उचित मार्गदर्शन और संसाधनों का अभाव था, जिससे उन्हें अधिक संरचित कोचिंग का विकल्प चुनने के लिए प्रेरित किया गया। अन्य प्रेरणाओं में प्रारंभिक तैयारी के दौरान आत्मविश्वास, स्वास्थ्य या व्यक्तिगत मुद्दे और कंप्यूटर विज्ञान या इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी विशिष्ट इंजीनियरिंग शाखा को सुरक्षित करने की आकांक्षा शामिल है। ड्रॉप ईयर लेने के फायदे एक ड्रॉप वर्ष छात्रों को पूरी तरह से जेईई की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है, कमजोर क्षेत्रों को संबोधित करने, जटिल अवधारणाओं में महारत हासिल करने और मॉक परीक्षाओं के माध्यम से रणनीतियों को परिष्कृत करने के लिए अतिरिक्त समय प्रदान करता है। 'एक गिरावट वाले वर्ष के दौरान तैयारी में आपके द्वारा किया गया निवेश तेजी से रिटर्न दे सकता है, खासकर शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेजों से स्नातक होने के बाद उपलब्ध प्लेसमेंट पैकेज और करियर के अवसरों के साथ,' मुफ़्त यूट्यूब सामग्री और संरचित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों सहित किफायती और उच्च गुणवत्ता वाले संसाधनों की उपलब्धता ने ड्रॉपर्स के लिए वित्तीय बोझ को कम कर दिया है, जिससे सभी के लिए केंद्रित तैयारी सुलभ हो गई है। चुनौतियाँ और कमियाँ जबकि एक ड्रॉप वर्ष के लाभ आकर्षक हैं, छात्रों को इसकी चुनौतियों पर भी विचार करना चाहिए। बढ़ा हुआ दबाव और तनाव - दूसरे प्रयास में बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद चिंता को बढ़ा सकती है। एक शैक्षणिक वर्ष का नुकसान - एक वर्ष छोड़ने से कॉलेज स्नातक और कार्यबल में प्रवेश में देरी होती है, जिससे छात्र अपने साथियों से पीछे रह जाते हैं। परिणामों की अनिश्चितता - एक गिरावट वाले वर्ष के बाद सफलता की गारंटी नहीं है, जिससे निराशा हो सकती है। बर्नआउट का जोखिम - एक ही सामग्री को दूसरे वर्ष तक दोहराने से थकान और प्रेरणा कम हो सकती है।

छूटे अवसर - कुछ छात्र अपने पहले प्रयास में अच्छे कॉलेज प्रस्तावों को नज़रअंदाज कर सकते हैं, जो बाद में उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। जेईई का प्रतिस्पर्धी परिदृश्य भी हर साल विकसित होता है, जिसमें परीक्षा पैटर्न, कटऑफ और प्रतिस्पर्धा के स्तर में बदलाव से अनिश्चितता बढ़ती है। एक बूंद वर्ष का मनोवैज्ञानिक प्रभाव एक वर्ष में गिरावट एक छात्र पर काफी प्रभाव डाल सकती हैमानसिक स्वास्थ्य. शुरुआत में अति आत्मविश्वास - कई ड्रॉपर शुरू में ही आत्मसंतुष्ट महसूस करते हैं, यह मानते हुए कि वे पहले से ही अवधारणाओं से परिचित हैं। जैसे-जैसे तेज़ गति वाला पाठ्यक्रम आगे बढ़ता है, इससे काम का बोझ बढ़ सकता है। अधीरता - छात्र अक्सर अपने ड्रॉप ईयर की शुरुआत अत्यधिक उत्साह के साथ करते हैं, अध्ययन के लिए लंबे समय तक समर्पित करते हैं। समय के साथ, यह तीव्रता जलन और हताशा का कारण बन सकती है। इन चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए, विजय गर्ग एक संतुलित दिनचर्या बनाए रखने की सलाह देते हैं जिसमें निर्धारित अध्ययन, शारीरिक गतिविधि और नियमित ब्रेक शामिल हैं। ड्रॉपर्स के लिए व्यायाम सलाह सफल ड्रॉप-ईयर छात्र केवल सैद्धांतिक अध्ययन के बजाय समस्या-समाधान को प्राथमिकता देते हैं। 'अपनी प्रगति को पढ़ाई के घंटों से नहीं बल्कि प्रतिदिन हल किए गए प्रश्नों की संख्या से मापें।' जेईई एडवांस्ड के लिए अब उपलब्ध तीन प्रयासों के साथ, छात्र पिछले वर्षों के प्रश्नों में महारत हासिल करने और अपनी गति को निखारने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मिश्रा सुझाव देते हैं कि उम्मीदवार अपनी समस्या-समाधान कौशल में सुधार करने की प्रतिबद्धता के साथ अपनी तैयारी करते हैं, जो सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। सामाजिक जीवन का प्रभाव ड्रॉप ईयर के दौरान जेईई की तैयारी के लिए अक्सर खुद को सामाजिक विकर्षणों से अलग करने की आवश्यकता होती है।

विजय गर्ग, सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, शैक्षिक स्तंभकार

कातिल सड़कों पर तबाह होता जीवन एक गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

जरूरत है सड़कों के किनारे अतिक्रमण को दूर करने की, आवारा पशुओं के प्रवेश एवं बेघड़क घुमने को भी रोकने की। ये दोनों ही स्थितियां सड़क हादसों का कारण बनती है। यह भी समझने की जरूरत है कि सड़क किनारे बसे गांवों से होने वाला हर तरह का बेरोक-टोक आवागमन भी जोखिम बढ़ाने का काम करता है। इस स्थिति से हर कोई परिचित है, लेकिन ऐसे उपाय नहीं किए जा रहे, जिससे कम से कम राजमार्ग तो अतिक्रमण और बेतरतीब यातायात से बचे रहें। इसमें संदेह है कि उलटी दिशा में वाहन चलाने, लेन की परवाह न करने और मनचाहे तरीके से ओवरटेक करने जैसी समस्याओं का समाधान केवल सड़क जागरूकता अभियान चलाकर किया जा सकता है।

अलीगढ़ में सड़क हादसा, यमुना एक्सप्रेसवे पर बस-ट्रक भिड़ी, 5 की मौत, 15 से अधिक घायल। राजस्थान में पाली-जोधपुर हाइवे पर मरीज को एक एम्बुलेंस से दूसरे में शिफ्ट करते समय डम्पर ने मारी टक्कत, चार की मौत। दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के दो मेडिकल छात्रों की मौत। लखनऊ में दो अलग-अलग सड़क हादसों में वृद्धा समेत दो की मौत। उत्तराखंड के देहरादून में 12 नवंबर को हुए सड़क हादसे में 6 छात्रों की मौत। ऐसे अनेक सड़क हादसे पिछले दो-तीन दिन में हुए है। वाकई भारत की सड़कों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। ये कातिल सड़क हादसे गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। देश की इन कातिल एवं खूनी सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। कमोबेश सारे देश में ऐसी घटनाएं सुनने में आती हैं जिनमें रोज सैकड़ों लोगों की जीवन लीला समाप्त हो जाती है।

भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों और चोटों के प्रमुख कारणों में से एक रही हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत की जीडीपी का करीब तीन से पांच फीसदी हिस्सा सड़क हादसों में लगा है। न केवल भारत बल्कि विश्व में सड़क यातायात में मौत या जख्मी होना कुछ बहुत बड़ी परेशानियों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष 13 लाख से अधिक लोग सड़क हादसों के शिकार व्यक्ति की मौत हो जाती है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें भारत में होती है।

परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं। परिवहन क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार है लिहाजा बसों का ढंग से मेनटेनेंस भी नहीं होता। इनमें बैठने वालों की जिंदगी दांव पर लगी होती है। देश भर में बसों के रख-रखाव, उनके परिचालन, ड्राइवरों की योग्यता और अन्य मामलों में एक-समान मानक लागू करने की जरूरत है, तभी देश के नागरिक एक राज्य से दूसरे राज्य में निश्चिंत

होकर यात्रा कर सकेंगे। तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने वाले लोग सड़क के किनारे लगे बोर्ड पर लिखे वाक्य 'दुर्घटना से देर भली' पढ़ते जरूर हैं, किन्तु देर उन्हें मान्य नहीं है, दुर्घटना भले ही हो जाए। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका 'द लांसेट' में इस मसले पर केंद्रित एक अध्ययन में बताया गया है कि भारत में सड़क सुरक्षा के उपायों में सुधार लाकर हर साल तीस हजार से ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। अध्ययन के मुताबिक, खुनी सड़कों एवं त्रासद दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं- वाहनों की बेलगाम या तेज रफ्तार, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट नहीं पहनना और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना शामिल हैं।

भले ही हर सड़क दुर्घटना को केन्द्र एवं राज्य सरकारें दुर्भाग्यपूर्ण बताती है, उस पर दुख व्यक्त करती है, मुआवजे का ऐलान भी करती है लेकिन बड़ा प्रश्न है कि दुर्घटनाएं रोकने के गंभीर एवं प्रभावी उपाय अब तक क्यों नहीं किए जा सके हैं? जो भी हो, सवाल यह भी है कि इस तरह की तेज रफ्तार सड़कों पर लोगों की जिंदगी कब तक इतनी सस्ती बनी रहेगी? सचाई यह भी है कि पूरे देश में सड़क परिवहन भारी अराजकता का शिकार है। सबसे भ्रष्ट विभागों में परिवहन विभाग शुमार है। भारत में साल 2022 में सड़क हादसों में 1,68,491 लोगों की मौत हुई थी. वहीं, साल 2023 में सड़क हादसों में करीब 1,73,000 लोगों की मौत हुई. यानी, साल 2023 में हर दिन औसतन 474 लोगों की मौत हुई। परिवहन मंत्रालय की ऐसी जानकारी चौंकाती भी है एवं शर्मसार भी करती है। इन त्रासद आंकड़ों ने एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर दिया कि आधुनिक और बेहतरीन सुविधा की सड़के केवल रफ्तार एवं सुविधा के लिहाज से जरूरी हैं या फिर उन पर सफर का सुरक्षित होना पहले सुनिश्चित किया जाना चाहिए। वर्ष 2012 में करीब 16 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थी जो पिछले एक दशक में दुगुनी हो गई हैं। लेकिन उस अनुपात में सड़कें नहीं बढ़ीं। जहां वर्ष 2012 में देश में भारतीय सड़कों की लंबाई 48.6 लाख किलोमीटर थी, तो वर्ष 2019 में यह 63.3 लाख किलोमीटर तक जा पहुंची थी। खूनी सड़कों में सबसे शीर्ष पर है यमुना एक्सप्रेस-वे। इस पर होने वाले जानलेवा सड़क हादसे कब थमेंगे? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि इस पर होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें मरने एवं घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यही नहीं, देश की अन्य सड़के इसी तरह इंसानों को निगल रही है, मौत का ग्रास बना रही है। इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत यही बताती है कि अपने देश की सड़कें कितनी अधिक जोखिम भरी हो गई हैं।

बड़ा प्रश्न है कि फिर मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं? सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय लोगों के सहयोग से वर्ष 2025 तक सड़क हादसों में 50 प्रतिशत की कमी लाना चाहता है, लेकिन यह काम तभी संभव है जब मार्ग दुर्घटनाओं के मूल कारणों का निवारण करने के लिए ठोस कदम भी उठाए जाएंगे। कुशल ड्राइवरों की कमी को देखते हुए ग्रामीण एवं पिछड़े इलाकों में ड्राइवर ट्रेनिंग स्कूल खोलने की तैयारी सही दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ करना होगा। हमारी ट्रेफिक पुलिस एवं उनकी जिम्मेदारियों से जुड़ी एक बड़ी विडम्बना है कि कोई भी ट्रेफिक पुलिस अधिकारी चालान काटने का काम तो बड़ा लगन एवं तन्मयता से करता है, उससे भी अधिक रिश्वत लेने का काम पूरी जिम्मेदारी से करता है, प्रधानमंत्रीजी के तमाम भ्रष्टाचार एवं रिश्वत विरोधी बयानों एवं संकल्पों के यह विभाग धडल्ले से रिश्वत वसूली करता है, लेकिन किसी भी अधिकारी ने यातायात के नियमों का उल्लघंन करने वालों को कोई प्रशिक्षण या सीख दी हो, नजर नहीं आता। यह स्थिति दुर्घटनाओं के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है।

जरूरत है सड़कों के किनारे अतिक्रमण को दूर करने की, आवारा पशुओं के प्रवेश एवं बेघड़क घुमने को भी रोकने की। ये दोनों ही स्थितियां सड़क हादसों का कारण बनती है। यह भी समझने की जरूरत है कि सड़क किनारे बसे गांवों से होने वाला हर तरह का बेरोक-टोक आवागमन भी जोखिम बढ़ाने का काम करता है। इस स्थिति से हर कोई परिचित है, लेकिन ऐसे उपाय नहीं किए जा रहे, जिससे कम से कम राजमार्ग तो अतिक्रमण और बेतरतीब यातायात से बचे रहें। इसमें संदेह है कि उलटी दिशा में वाहन चलाने, लेन की परवाह न करने और मनचाहे तरीके से ओवरटेक करने जैसी समस्याओं का समाधान केवल सड़क जागरूकता अभियान चलाकर किया जा सकता है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि सड़कों पर बेलगाम गाड़ी चलाना कुछ लोगों के लिए मौज-मस्ती एवं फैशन का मामला होता है लेकिन यह कैसी मौज-मस्ती या फैशन है जो कई जिन्दगियां तबाह कर देती है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है?

"नारी और उसका अस्तित्व"

स्वाती वर्मा

नारी के अस्तित्व का मनुष्य के जीवन में बहुत महत्व है. नारी को जीवन का स्त्रोत माना जाता है. नारी ही बच्चे को जन्म देती है और उसे पालती-पोसती है। नारी ही परिवार की नींव होती है। नारी ही घर को आरामदायक और सुंदर बनाती है। नारी ही बच्चों को प्यार और शिक्षा देती है. नारी ही परिवार और समाज को एकजुट करती है।

इन सबके बावजूद आज भी नारी की अपनी कोई अलग पहचान नहीं है। नारी का अस्तित्व उतना ही है जिस मात्रा में वह पुरुष से संबंधित होती है। उसकी अपनी कोई आत्मा नहीं है। रिश्तों में बांधकर ही उसे देखा जाता है।

आज की महिलाएं छोटे-से-छोटे काम के लिए किसी पर निर्भर नहीं हैं। मोबाइल फोन और साइकिल-स्कूटी की रफ्तार ने आधी-आबादी के जीवन में एक हद तक उसकी स्वतंत्रता को गतिशीलता दी है परंतु देश-दुनिया, राज्य, समाज और परिवार में आज भी वो अपने लिए समानता की ज़मीन तलाश कर अपने अस्तित्व को सम्मानजनक बना रही है। किसी भी समाज में स्त्री की भूमिका हमेशा से ही महत्वपूर्ण रही है, वो हर रोज़ किसी-ना-किसी क्षेत्र में सफलता की नई कहानी रच रही हैं परंतु देश-दुनिया की सबसे छोटी इकाई पहले परिवार में और फिर समाज में उनके लिए आज भी हालात सुकून भरे नहीं है। महिलाएं अपने जीवन में जुड़े हर व्यक्ति से वह समानता वाला सम्मान चाहती हैं, जो जाने-अनजाने में उसको कमतर होने का एहसास करा देते हैं। 'महिलाएं कमज़ोर होती हैं, लड़की है ना, लोग क्या कहेगें, चुपकर ज़ोर से मत हंस, लड़कियों का ज़्यादा बोलना सही नहीं' जैसी कई बातें समाज के सामाजिक ढांचे की परिकल्पना में उनके अस्तित्व को चुनौती देती रहती हैं जिससे मुक्ति पाना परिवार और समाज की सोच बदले बिना बिलकुल संभव है ही नहीं। 'महिलाएं कमज़ोर होती हैं' यह वाक्य महिलाओं को कमज़ोर समझकर हर महिला के आत्मविश्वास, उसके अंदर सशक्त होने वाली हर चीज़ की मिट्टी-पलीद कर देता है, साथ-ही-साथ महिलाओं में मौजूद नैसर्गिक गुण भावुकता, जीवंतता और संवेदनशीलता जैसे मानवीय मूल्यों को पीछे ढ़केल देता है जबकि यही मानवीय मूल्य किसी भी महिला को समाज में माँ, बहन, पत्नी, दोस्त या अन्य संबोधन से कमज़ोर नहीं बल्कि एक बेहतर नागरिक बनाते हैं।कई परतों में दबी हुई उसकी स्वतंत्रता ना ही बाज़ार में बिकने वाली फेयरनेस क्रीम के उपयोग से मिलती है, ना ही अपने पसंद का कोई परिधान या आभूषण पहनकर। उसके लिए अपने साथ रह रहे लोगों में फ्रिक और स्वयं के लिए एक दबाव मुक्त जीवन ही, उसकी जीवंतता है, जिसके लिए वह आज भी सीमित है।

बलात्कार, तेजाब फेकें जाने, सबक सिखाने वाली सोच ही नहीं, घर के अंदर और घर के बाहर छोटी बच्ची से लेकर हर उम्र की महिलाएं एक अनजाने डर से मुक्त नहीं हैं जबकि प्रथम दृष्टया वह इसके लिए ज़िम्मेदार भी नहीं हैं फिर भी सामाजिक सोच और मान्यताएं उसको ही दोषी मानती हैं जबकि इसकी जगह परिवार, समाज और परिजनों को महिलाओं के पक्ष में खड़ा होना चाहिए और दोषियों के मन में डर का खौफ होना चाहिए।

महिलाएं जब तक स्वयं को एक महिला होने से पहले मनुष्य नहीं मानेगी, तब तक उसकी स्वतंत्रता और समानता दोनों की बाधा वह स्वयं ही बनती रहेगी। महिला के रूप में उसका अस्तित्व बहू, बेटी, माँ, भाभी, चाची, मौसी जैसी सामाजिक मान्यताओं में कैद है और उसकी पहचान स्वयं के स्वतंत्र अस्तित्व की तलाश में है। हमारे घर-आंगन-समाज में जब-जब महिलाएं आग में तपकर कुंदन की तरह निखरकर सामने आती हैं, उनकी तुलना या तो पुरुषों के साथ की जाती है या जैविक आधार पर उसकी यथास्थिति निश्चित कर उसकी उपलब्धि को दायरे में सीमाबद्ध करने की कोशिश होती है। नारी एक मजबूत और साहसी व्यक्ति होती है. वह हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहती है. वह अपने परिवार और समाज के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करती है। नारी एक प्रेरणास्त्रोत होती है. वह दूसरों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है. नारी एक शक्तिशाली व्यक्ति होती है. वह दुनिया में बदलाव ला सकती है।

नारी का जीवन कठिन होता है. उसे कई तरह के भेदभावों का सामना करना पड़ता है. लेकिन, वह हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहती है. वह अपने अधिकारों के लिए लड़ती है। वह एक बेहतर भविष्य के लिए काम करती है। नारी का जीवन बहुमूल्य होता है. वह एक अनमोल उपहार है. वह दुनिया को खूबसूरत बनाती है. वह दुनिया को एक बेहतर जगह बनाती है।

नारी का अस्तित्व मनुष्य के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण है. नारी को सम्मान और सम्मान दिया जाना चाहिए. उसे हर तरह के भेदभाव से मुक्त होना चाहिए. उसे अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए. नारी को खुद एक बेहतर भविष्य के लिए काम करना चाहिए।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

एग्जिट पोल मतदान एजेंसियों और मीडिया संगठनों द्वारा किए जाते हैं और आम तौर पर मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद नतीजे जारी किए जाते हैं। एग्जिट पोल जनता की राय का एक सिर्फ आकलन देते हैं और चुनाव के परिणाम के बारे में शुरुआती संकेत दे सकते हैं,लेकिन वे हमेशासटीक नहीं होते हैं। महाराष्ट्र की जंग में एक तरफ महाविकास अघाड़ी गठबंधन है वहीं, उनके सामने महायुति की चुनौती है। बीजेपी के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रहा है।

महाराष्ट्र झारखंड चुनावी रिजल्ट पर सबकी नज़रें, एक्जिस्ट पोल से सभी दल सहमें

पूरी दुनियाँ की नज़रें 23 नवंबर 2024 को आने वाले भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई वाले महाराष्ट्र व आदिवासी बहुल इलाके झारखंड में 20 नवंबर 2024 को हुए विधानसभा चुनाव का परिणामपर लगी हुई है जिसके एक्जिस्ट पोल का आंकलन मीडिया के हर प्लेटफार्म पर 20 नवंबर 2024 शाम 6 के बाद से शुरू होगए है। हर राजनीतिक दल व उम्मीदवार की सांसें अटकी हुई है,हालांकि हर पार्टी व उम्मीदवार अपनी जीत का दम भर रहे हैं, परंतु एक्जिस्ट पोल दोनों पक्षों में अति भारी टक्कर होने के आंकड़े दे रहे हैं, जिसमें मात्र 10 सीटों का अंतर बताया जा रहा है, जिसमें बाज़ी किधर भी पलट सकती है इसका एक कारण शहरी क्षेत्र में मतदान का कम प्रतिशत होना भी है, जैसे मुंबई पुणे व नागपुर जैसे शहरी इलाकों में 50-55 प्रतिशत मतदान होना, मतदाताओं की उदासीनता को व्यक्त करते हैं,जिससे स्वाभाविक रूप से महायुती को फर्क पड़ने की संभावना जताई जा रही है, हालांकि महायुति व महाविकास आघाडी दोनों को मिलने वाली सीटों का अंतर बहुत कम बताया जा रहा है,परंतु मेरा व्यक्तिगत रूप से आँकलन व पिछले एक माह से महाराष्ट्र वह झारखंड के चुनावों पर नज़र रख रहा हूं,तो मेरा अनुमान है महाराष्ट्र में महायुती व झारखंड में सोरेन सरकार की वापसी होने की संभावना दिखाई दे रही है, हालांकि हकीकत से पर्दा 23 नवंबर 2024 को ही उठेगा, यह मेरा निजी आकलन है।चूँकि अब मतदाताओं ने उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला मशीनों में कैद कर दिया है, जिसका पता हमें 23 नवंबर 2024 को ही पहले पड़ेगा इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,महाराष्ट्र झारखंड चुनावी रिजल्ट पर सबकी नज़रें 23 नवंबर 2024 पर टिकी, एक्जिस्ट पोल से सभी दल सहमें।

साथियों बात अगर हम 23 नवंबर 2024 को आने वाले चुनावी परिणामों की करें तो,महाराष्ट्र और झारखंड में उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है। महाराष्ट्र में जहां 288 सीटों पर एक चरण में मतदान हुआ है,वहीं झारखंड में 81 सीटों पर राजनीतिक दलों की साख दांव पर लगी है, दोनों ही प्रदेशों में किसे बहुमत मिलने की संभावना है,ये भी अब अनुमानतः साफ हो चुका है, ज्यादर एग्जिट पोल में दोनों ही प्रदेशों में वर्तमान सरकार ही बनती नजर आ रहीहै।एग्जिट पोलमतदाताओं के मतदान के तुरंत बाद किए जाने वाले सर्वेक्षण होते हैं, जिनका उद्देश्य आधिकारिक परिणाम घोषित होने से पहले चुनाव के परिणाम की भविष्यवाणी करना होता है। ये पोल आम तौर पर मतदाताओं से पूछते हैं कि उन्होंने किस पार्टी या उम्मीदवार को वोट दिया और कभी-कभी उनके चुनाव के कारण भी पूछे जाते हैं।

एग्जिट पोल मतदान एजेंसियों और मीडिया संगठनों द्वारा किए जाते हैं और आम तौर पर मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद नतीजे जारी किए जाते हैं। एग्जिट पोल जनता की राय का एक सिर्फ आकलन देते हैं और चुनाव के परिणाम के बारे में शुरुआती संकेत दे सकते हैं,लेकिन वे हमेशासटीक नहीं होते हैं। महाराष्ट्र की जंग में एक तरफ महाविकास अघाड़ी गठबंधन है वहीं, उनके सामने महायुति की चुनौती है। बीजेपी के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रहा है। एकनाथ शिंदे मौजूदा वक्त में महाराष्ट्र के सीएम हैं, वहीं विपक्षी गठबंधन की बात की जाए तो कांग्रेस के साथ शिवसेना उद्धव गुट और एनसीपी शरद गुट मैदान में हैं।अब 23 नवंबर को नतीजों की घोषणा की जाएगी जिस पर पूरी दुनियाँ की नजरें एकटक टिकी है।

साथियों बात अगर हम महाराष्ट्र में चुनाव लड़ने वाले दो गठबंधनों की करें तो, महाराष्ट्र एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ चुके हैं. प्रदेश की 288 सीटों के लिए लाखों की तादाद में वोटर्स ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया है,इस बार का असेंबली इलेक्शन मुख्य रूप से दो गठबंधन के बीच है, सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महाविकस अघाड़ी के प्रत्याशियों के बीच मुख्य रूप से मुकाबला है।महायुति की अगुआई जहां बीजेपी कर रही है, वहीं विपक्षी एमवीए में कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव गुट) शामिल हैं।महायुति में बीजेपी के साथ ही एनसीपी (अजित पवार गुट) औरशिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) घटल दल हैं। ज्यादातर सर्वे एजेंसियों ने महायुति की सत्ता में वापसी दिखाया है, जबकि कुछ ने विपक्षी एमवीए के हिस्से में ज्यादा सीटें जाने का अनुमान जताया है। पोल ऑफ पोल्स में बीजेपी की अगुआई वाली महायुति गठबंधन की सत्ता में वापसी की संभावना जताई गई है।महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए कुल 4,136 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें से लगभग आधे यानी 2,08 6 उम्मीदवार स्वतंत्र हैं। मुख्य पार्टियों में, बीजेपी 149 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) 81 सीटों पर और अजित पवार की नवल-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी 59 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। विपक्षी दलों में कांग्रेस 101 उम्मीदवारों को मैदान में उतारी है, शिवसेना 95 सीटों पर और शरद पवार की पार्टी 86 उम्मीदवारों के साथ चुनावी मैदान में है।छोटे दलों की भी अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति है। बहुजन समाज पार्टी 237 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल-मुसलमीन 17 सीटों पर अपनी किस्मत आजमा रही है।पीएम के लिए महाराष्ट्र में जीत एनडीए की स्थिति को मजबूत करेगी। लोकसभा में इस साल कम सीटों के बाद यह चुनाव बीजेपी के लिए अति महत्वपूर्ण है।

साथियों बात अगर हम महाराष्ट्र में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान परसेंट में भारी अंतर होने की करें तो,शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं की उदासीनता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। मुंबई, नागपुर और पुणे जैसे बड़े शहरों में मतदाता कम संख्या में निकलते हैं। इसके कारण नतीजे कुछ ही मतदाताओं के हाथों में आ जाते हैं। महाराष्ट्र के चुनावों में यह सवाल बना हुआ है कि क्या मुंबई और पुणे जैसे शहरी केंद्र अपनी कम मतदान दर के इतिहास को चुनौती देंगे या वही पुराना पैटर्न फिर से दिखेगा? शहरी वोटर की उदासीनता यह मुद्दा 2019 विधानसभा चुनावों में भी देखने को मिला था। महाराष्ट्र के 64 शहरी निर्वाचन क्षेत्रों में से 62 पर राज्य के औसत से कम मतदान हुआ था। लोकसभा चुनावों में भी यह ट्रेंड बना रहा। मुंबई, जो राज्य की राजधानी और भारत की वित्तीय राजधानी है, लंबे समय से कम मतदान दर की समस्या से जूझ रही है। हालांकि, हालिया चुनावों में मुंबई में थोड़ा सुधार देखा गया है। विधानसभा चुनावों में यहां 50 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि पिछले विधानसभा और संसदीय चुनावों में महाराष्ट्र के शहरी क्षेत्रों में कम मतदान दर्ज किया गया था जिसके चलते शहरी क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदाताओं को जागरुक करने पर विशेष ध्यान दिया गया था। बहुमंजिला इमारतों और सोसाइटी में 1,185 से अधिक मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे और शहरी तथा युवा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए चुनाव से पहले चलाये गए अभियानों में फिल्मी हस्तियों को भी शामिल किया गया।

साथियों बढ़कर हम चुनाव आयोग द्वारा अति जनजागरण अभियान के बावजूद कम मतदान की करें तो मतदान बुधवार को संपन्न हो गया। शाम पांच बजे तक महाराष्ट्र में 58.22 प्रतिशत और झारखंड में 67.59 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं, झारखंड में 2019 में इन विधानसभा सीट पर 67.04 प्रतिशत मतदान हुआ था। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि महाराष्ट्र झारखंड चुनावी रिजल्ट पर सबकी नज़रें 23 नवंबर 2024 पर टिकी- एक्जिस्ट पोल से सभी दल सहमें।मतदाताओं की उम्मीद-अब चुने हुए प्रतिनिधि व सरकार के खरा उतरने का इंतजार शुरू।चुनाव आयोग को शहरी क्षेत्र में कम व ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक वोटिंग प्रतिशत मतदान की खाई को पाटनें ज़रूरी कदम उठाने की आवश्यकता है।

पब्लिक एशिया : पत्र पंजीकरण संख्या : 49329/1989, स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश वत्स ने पब्लिक एशिया E-33, सेक्टर-7 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित कराया व 302, ||| फ्लोर नेशनल आर्केट बिल्डिंग एल.एस.सी. गाजीपुर दिल्ली 96 से प्रकाशित किया है। संपादकीय कार्यालय : 302 ||| फ्लोर नेशनल आर्केट बिल्डिंग एल.एस.सी. गाजीपुर दिल्ली-96। मुख्य कार्यालय पब्लिक एशिया हाउस 686 जी, न्याय खंड-2, इन्द्रापुरम, गाजियाबाद (उ.प्र.), Mob. 9891945513, Web-www.publicasia.in, E-mail ID: publicasia1989@gmail.com

मुख्य समाचार

बूस्टर लाइन से गुजरेंगे फास्टैग लगे वाहन

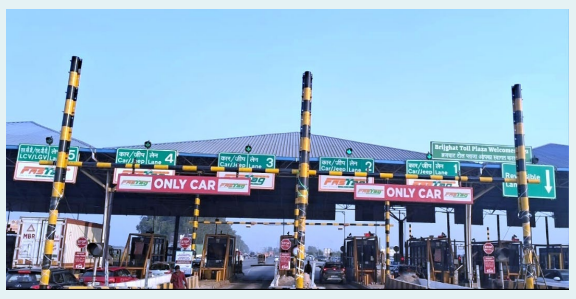

कुलदीप शर्मा, पब्लिक एशिया

गढ़मुक्तेश्वर » क्षेत्र के गांव अल्लाबख्शपुर स्थित टोल प्लाजा पर अब फास्टैग वाहनों के लिए दो बूस्टर लाइनों को चिह्नित कर लिया गया है।

बिना फास्टैग वाले वाहनों को दूसरी लाइनों से निकाला जाएगा। इसे लेकर टोल प्रबंधन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर गांव अल्लाबख्शपुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण ने टोल प्लाजा स्थापित किया हुआ है। यहां पर टोल से गुजरने वाले वाहनों को अक्सर फास्टैग लगा होने के बाद भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वाहन चालकों की परेशानी को लेकर शिकायत भी आती है। टोल प्लाजा के प्रबंधन ने प्लाजा पर दो लाइनों को बूस्टर लाइन घोषित किया है। वहीं टोल मेनेजर नन्द किशोर महाजन का कहना है कि यह व्यवस्था उन वाहनों के लिए की गई है जिनका एक्टिव फास्ट टैग लगा होगा यदि कोई बिना एक्टिव फास्ट ट्रैक का व्यक्ति वहां लाइन में आ जाएगा तो यह मार्ग अवरुद्ध हो जाएगा वही एक्टिव फास्ट ट्रैक वालों को लिए फाटक नहीं गिर पाएगा वह सीधे आगे निकल जाएगा

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नरेश तोमर के नेतृत्व में भाजपाइयों ने देखी साबरमती एक्सप्रेस

विमल स्वामी, पब्लिक एशिया

हापुड़ » शासन के निर्देशानुसार साबरमती देखने के उपरांत भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नरेश तोमर करने बताया कि यह वह सच इस पिक्चर में दिखाया गया है जो की छुपा कर उसे समय की तत्कालीन केंद्र सरकार ने, लेकिन जांच हुई जांच होने के उपरांत सब कुछ सामने आ गया है और हमारी जो वर्तमान में आने वाली पीढ़ियां इस सच को समझेंगे और जानेंगे कि साबरमती एक्सप्रेस में क्या हुआ था इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, विधायक विजयपाल आढती, विधायक हरेंद्र तेवतिया ,ब्लॉक प्रमुख निशांत सिसोदिया जिला राजीव सिरोही ,मोहन सिंह, पुनीत गोयल , शमेंद्र त्यागी, कुणाल चौधरी ,उपेंद्र राणा, जितेन्द्र पाल, कविता मादरे, अलका नीम, पायल गुप्ता, विक्रांत शर्मा, विश्व प्रकाश शर्मा, मनोज करनवाल सुनील वर्मा अजय भास्कर ,संजय त्यागी, पवन गर्ग ,जतिन साहनी ,कैलाश वर्मा ,अनिल त्यागी ,विनोद गुप्ता, अशोक बबली ,अमित शर्मा, अंशुल मित्तल प्रशांत त्यागी अनिरुद्ध कस्तला ,दीपक भाटी, हेमंत त्यागी व जिला मीडिया प्रभारी सुयश वशिष्ठ समेत अनेक कार्यकर्ता मोजूद रहे।

आज होगा रोजगार मेले का आयोजन

मनोज सिंहल, पब्लिक एशिया

बुलंदशहर » जिला सेवायोजन कार्यालय ने मीडिया को जानकारी दी कि जिला सेवायोजन कार्यालय एवं मॉडल कॅरियर सेण्टर, बुलन्दशहर के संयुक्त तत्वाधान में 22 नवंबर को सुबह साढ़े 10 बजे रोजगार मेला स्याना

» स्याना क्षेत्र के स्याना डिग्री कॉलेज घंसूरपुर पर होगा आयोजन

डिग्री कॉलेज, घनसूरपुर, स्याना, बुलन्दशहर में आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में लगभग 11 निजी नियोजकों/कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। कम्पनियों द्वारा तकनीकी एवं गैर तकनीकी लगभग 900 पदों हेतु हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, आईटीआई एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण बेरोजगार अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के माध्यम से चयनित किया जाएगा। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले बेरोजगार अभ्यर्थियों को सेवायोजन विभाग की वेबसाइट ह्ल्श्चद्रद्दड्डह्यड्डठ्ठद्दड्ड. ह्वश्च.द्दश्1.द्बठ्ठ पोर्टल पर अपनी योग्यतानुसार जॉबसीकर के रूप में ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य है।

बाइक सवार ने साइकिल सवार को मारी टक्कर, मुकदमा हुआ दर्ज

पब्लिक एशिया ब्यूरो

स्याना/बुलंदशहर » बाइक चालक ने बाइक को लापरवाही से चलाते हुए गांव जा रहे साइकिल सवार को टक्कर मार दी, जिससे साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। 17 नवंबर को हुई इस घटना के संबंध में स्याना पुलिस को तहरीर दी गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रेमचंद शर्मा ने बताया कि प्राप्त तहरीर पर कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसकी विवेचना उपनिरीक्षक अमित कुमार को सौंपी गई है। स्याना क्षेत्र के ग्राम चांदपुर पूठी निवासी जयचंद ने पुलिस को तहरीर दी कि विगत 17 नवंबर को उसके पिता ओमकार अपनी साईकिल से स्याना से अपने गांव आ रहे थे। ओमकार जब शाम 6 बजे मन्दिर के पास चांदपुर में पहुंचे तब एक मोटरसाईकिल का अज्ञात चालक मोटरसाईकिल को तेजी व लापरवाही से लहराते हुए चलाकर लाया और पीछे से ओमकार की साईकिल में जोरदार टक्कर मार दी। घटना के चलते ओमकार को गंभीर चोटें आई तथा इलाज हेतु उन्हें नवजीवन हस्पिटल मेरठ में भर्ती कराया गया। घायल ओमकार का अभी इलाज चल रहा है तथा हालत गंभीर है। जयचंद की तहरीर पर उपरोक्त मामला बीएनएस की धारा 281 तथा 125 (ड्ड) के तहत दर्ज किया गया है।

खुद को रिटायर्ड DG बताकर अफसरों पर जमाता था रौब, गिरफ्तार

विमल स्वामी, पब्लिक एशिया

गाजियाबाद » पुलिस ने एक ऐसे शख्स को उसके साथी के साथ गिरफ्तार किया है जो खुद को मणिपुर काडर का आईपीएस बताया करता था। वह जहां जाता वहां प्रोटोकॉल लेता और अपने काम निकलवा कर पैसे वसूलता था। आरोपी खुद को विदेश मंत्री का क्लासमेट भी बताया करता था।

सेंट स्टीफन कॉलेज में पढ़ा हुआ है अनिल कटयाल

अनिल कटयाल सेंट स्टीफन कॉलेज में पढ़ा हुआ है उसके बाद उसने यूपीएससी की परीक्षा दी थी जिसमें वह फेल हो गया था। उसके बाद अनिल पीएचडी करने के लिए अमेरिका की ड्डस्थ्र यूनिवर्सिटी गया था। अनिल कटियाल एक निजी टेलीकॉम कंपनी से वाइस प्रेसिडेंट कॉरपोरेट अफेयर्स के पास से रिटायर्ड हुआ और उसके बाद खुद को रिटायर्ड आईपीएस बढ़कर लोगों पर रौब झड़ने लगा था। पुलिस के मुताबिक बलविंदर साहनी और उसका बेटा सुमित साहनी 100 मिलियन यूएई डॉलर की धोखाधड़ी में यूएई में निरुद्ध है। उनकी सिफारिश के लिए अनिल ने खुद को विदेश मंत्री का बैचमेट बढ़कर उनसे अपॉइंटमेंट भी मांगा था। साथ ही राजदूत को भी मैसेज किया था। पुलिस के मुताबिक 69 इयर्स का होने के कारण पुलिस अभी ज्यादा पूछताछ अनिल कटियाल के साथ नहीं कर पाई है। लेकिन अनिल के मोबाइल से मिली चैट के मुताबिक अनिल ने दिल्ली और गुरुग्राम के आला अधिकारियों से भी खुद को सिविल सर्वेंट बता कर काम करवाये है।

अनिल कटियाल की शिकायत पर दो पुलिसकर्मी भी सस्पेंड

अनिल कटियाल का साथी विनोद कपूर दिल्ली कंस्ट्रक्शन कंपनी का मालिक है और इसने दिल्ली, पालम, सरसावा एयरपोर्ट और ग्वालियर एयरबेस जैसे महत्वपूर्ण जगह पर हैंगर रनवे कंपाउंड वॉल का निर्माण किया है। पुलिस के मुताबिक विनोद कपूर के खिलाफ थाना इंदिरापुरम में धोखाधड़ी का एक मुकदमा कायम है जिसकी सिफारिश के लिए अनिल कटियाल गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर और डीसीपी ट्रांस हिंडन से मिला था। इतना ही नहीं अनिल कटियाल की शिकायत पर दो पुलिसकर्मी भी सस्पेंड कर दिए गए थे हालांकि पुलिस अब दो सस्पेंसन को रेगुलर गलती बता रही है।

हापुड़ पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन का भाजपा नेताओ ने किया स्वागत

पब्लिक एशिया संवाददाता

हापुड़ » एडवोकेट मल्लिका खान के आवास पहुंचे पूर्व कैबिनेट मंत्री भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैय्यद शाहनवाज हुसैन का हापुड पहुंचने पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सोशल वेलफेयर सोसायटी उत्तर प्रदेश के चेयरमैन मो दानिश कुरेशी, उत्तर प्रदेश सफाई सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य मनोज बाल्मीकि ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साहब की तस्वीर स्टैचू, फूलों का गुलदस्ता आदि देकर अभिनंदन स्वागत किया

सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि झारखंड महाराष्ट्र मैं सरकार बनाने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश नौवो सीट भारतीय जनता पार्टी जीत रही है और मोदी जी के नेत्र में 2029 मे चोथी बार भी भाजपा की सरकार केंद्र में बनेगी।

सैयद शाहनावाज का स्वागत करने वालों में सोसाइटी के चेयरमेन व भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मो दानिश कुरेशी, आयोग के सदस्य मनोज वाल्मीकि, समाज सेविका एडवोकेट मल्लिका खान, खलील सलमानी, हाजी साजिद आजम, फैसल कुर-ैशी, मोहसिन मलिक, कारी शहजाद, मोहम्मद अहमद, राशिद अली, मोहम्मद अदनान, आदि सैकड़ो पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्तिक पूर्णिमा मेला गढ़मुक्तेश्वर सकुशल संपन्न होने के उपरांत, कराई गई सफाई : सीडीओ

हापुड़ (विमल स्वामी) जिलाअधिकारी श्रीमती प्रेरणा शर्मा के कुशल निर्देशन में गढ़ गंगा कार्तिक पूर्णिमा मेला 2024 को सकुशल संपन्न कराये जाने के पश्चात दिनांक 16 नवंबर 2024 से दिनांक 21 नवम्बर 2024 तक वृहद स्तर पर साफ सफाई अभियान चलाकर संपूर्ण मेले की सफाई करवाई गई । मेले स्थल पर साफ सफाई की व्यवस्था को देखने हेतु मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम द्वारा किया गया औचक निरीक्षण। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आरती मिश्रा एवं कार्यालय जिला पंचायत के अधिकारी/कर्मचारी तथा एडीओ पंचायत उपस्थित में रहे।

नगर पंचायत के दो कर्मचारियों ने नाबालिग लड़की से की अश्लीलता

जबरन दुष्कर्म करने के लिए घसीटने का दुस्साहस

पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने किया मामला दर्ज विवेचना जारी दोनों नामजद फरार

राजेन्द्र अग्रवाल, पब्लिक एशिया

औरंगाबाद बुलंदशहर » बेहद शर्मनाक और दुस्साहसिक घटना उस समय घटित हुई जब नगर पंचायत कार्यालय के सामने से गुजर रही एक नाबालिग गरीब कन्या को नगर पंचायत में कार्यरत दो संविदा कर्मियों ने जबरन रोक कर अश्लीलता करते हुए उसका हाथ पकड़ कर कार्यालय के पिछवाड़े जबरन ले जाने का प्रयास किया। लड़की ने विरोध करते हुए एक कामान्ध युवक को थप्पड़ जड़ दिए और शोर मचा दिया। आसपास से लोगों को आते देख दोनों आरोपी कर्मचारी बालिका को भुगत लेने और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। आरोप है कि पीड़िता ने चेयरमैन सहित अन्य लोगों को अपने साथ हुए दुर्व्यवहार से अवगत कराया लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हो सकी। पीड़िता की मां ने थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर देकर आरोपियों को नामजद करते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई। देर रात मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की है। नामजद आरोपी फरार हैं।

प्राप्त जानकारी अनुसार नगर पंचायत कार्यालय के नजदीक रहने वाली एक नाबालिग बालिका उम्र लगभग 16 वर्ष बुधवार सुबह नौ बजे नगर पंचायत कार्यालय के सामने से गुजर रही थी। ताक में बैठे दो युवकों ने बदनीयती से उसे जबरन रोक कर शारीरिक संबंध बनाने की गरज से पिछवाड़े ले जाने का प्रयास किया तो बौखलाई बालिका ने प्रतिरोध करते हुए एक कामान्ध युवक को थप्पड़ जड़ दिया। बालिका का शोर सुनकर मौके पर लोगों को आते देख दोनों युवक जान से मार डालने की धमकी देते हुए भाग खड़े हुए। रोती पीटती बालिका ने घर जाकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। बताया जाता है कि परिजनों ने नगर पंचायत के जिम्मेदारों को घटना की जानकारी देते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की गुहार लगाई लेकिन नतीजा सिफर रहा। पीड़िता की मां ने थाने पहुंचकर लिखित तहरीर देकर आरोपियों को नामजद करते हुए कार्रवाई करने की मांग की । थाने पर पूर्व चेयरमैन राजकुमार लोधी और चेयरमैन पिता के बीच घटना को लेकर कहासुनी भी हुई। मामला दो संप्रदायों के बीच होने के चलते आरोप प्रत्यारोप लगाये जाते रहे। देर रात मामला दर्ज कर लिया गया।

थाना प्रभारी नीतीश भारद्वाज ने बताया कि नामजद किए गए खालिद और हसन के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। विवेचना जारी है। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरोपी फरार हैं। अधिशासी अधिकारी सेवा राम राजभर ने मामले की जानकारी होने से ही साफ़ इंकार कर दिया।

हरियाणा का टप्पेबाज बुलंदशहर में गिरफ्तार

महिला से टप्पेबाजी कर हड़पे हुए 20 लाख रुपए बरामद

मनोज सिंहल, पब्लिक एशिया

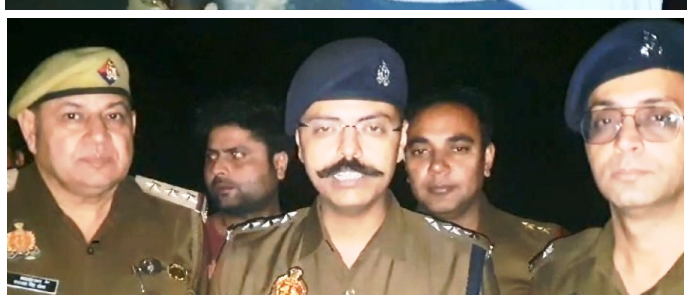

बुलंदशहर » खुर्जा के पुलिस क्षेत्राधिकारी भास्कर कुमार मिश्रा ने बताया कि विगत 17 नवंबर को एक महिला से टप्पेबाजी कर उसके 20 लाख रुपए चुरा ले जाने वाले शातिर बदमाश शिवकुमार को थाना खुर्जा नगर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद घायलावस्था में गिरफ्तार कर लिया। स्वयं पर 31 मुकदमे दर्ज बताने वाले टप्पेबाज शिव कुमार से पीड़ित महिला की 20 लाख रुपए की पूरी रकम बरामद की गई है। शिव कुमार के कब्जे से अवैध असलहा, कारतूस के साथ-साथ घटना में प्रयोग की गई स्कूटी भी बरामद हुई है। सीओ बी के मिश्रा ने बताया कि 20 नवंबर को थाना खुर्जा नगर पुलिस एक अभिसूचना के आधार पर मदनपुर गेट पर संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चैकिंग कर रही थी। उसी समय जेवर की तरफ से एक स्कूटी पर संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रूकने का इशारा किया, जिस पर वह नहीं रुका, बल्कि स्कूटी को तेजी से चलाकर चन्डौस रोड की तरफ भागने लगा। बदमाश का शक होने पर पुलिस टीम द्वारा उसका पीछा किया गया। कुछ दूरी पर रेलवे लाइन के पास उसकी स्कूटी अनियंत्रित होकर फिसल गई। खुद को पुलिस से घिरता देख उसने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में उक्त बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार/घायल बदमाश की पहचान शिवकुमार पुत्र प्रकाश निवासी ग्राम छायसा जनपद फरीदाबाद, हरियाणा के रुप में हुई। उसे उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया कि उक्त बदमाश शातिर किस्म का अपराधी है, जिसके द्वारा 17 नवंबर को थाना खुर्जानगर क्षेत्रान्तर्गत एक महिला के साथ टप्पेबाजी की घटना कारित कर 20 लाख रुपये चोरी कर लिए गये थे। घटना के सम्बन्ध में थाना खुर्जा नगर पर मुअसं 1107/24 धारा 318(4), 303(2) बीएनएस पंजीकृत है तथा पुलिस द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु निरंतर प्रयास किये जा रहे थे। सीओ बी के मिश्रा ने बताया कि शिवकुमार से पुलिस ने गहन पूछताछ की, जिस पर शिवकुमार ने पुलिस को बताया कि उस पर हरियाणा आदि के विभिन्न थानों पर 31 मुकदमे दर्ज हैं। अभियुक्त शिवकुमार को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रखर पाण्डेय (पुलिस उपाधीक्षक प्रशिक्षु), राजपाल तोमर (प्रभारी निरीक्षक थाना खुर्जा नगर), वरिष्ठ उपनिरीक्षक परवेज चौधरी, उपनिरीक्षक सुमित मलिक, सतीश चन्द्र, विजय कुमार यादव, हैड कांस्टेबल इनाम सैफी, आशीष कुमार, सितम सिंह, माइकल बैंसला, अशोक, कांस्टेबल परवेश बैंसला व कांस्टेबल ललित कुमार शामिल रहे।

द्वारका उतराखण्डी उत्तरायणी समिति द्वारा घुघुती स्मारिका का विमोचन

उत्तराखंड के लोकनृत्य ने लोगों का किया भरपूर मनोरंजन

पब्लिक एशिया ब्यूरो

नई दिल्ली » द्वारका स्थित दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज के सभागार में सामाजिक, शैक्षिक एव सांस्कृतिक उत्थान के लिए अग्रसर संस्था द्वारका उतराखण्डी उत्तरायणी समिति द्वारा घुघुती समारिका का विमोचन बड़ी धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्जवलित व गणेश वंदना से की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में डीन ऑफ कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी प्रोफेसर बलराम पाणि और प्रोफेसर दयाल सिंह पंवार, रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद सिंह रावत, अध्यक्ष प्रेम सिंह रावत, कोर कमेटी के सभी मेंबर सहित संस्था के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। स्मारिका के विमोचन पर उत्तराखंड के लोक नृत्यों को उपस्थित लोगों भरपूर आनंद उठाया।

द्वारका उतराखण्डी उत्तरायणी समिति अध्यक्ष प्रेम सिंह रावत ने कहा कि भारतीय संस्कृति में देवभूमि उत्तराखंड अपनी संस्कृति एवं अद्भूत सौंदर्य व प्राचीन परंपराओं को सहेजे हुए है। लोक संस्कृति एवं लोकगीतों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की हुइ है। इस समारिका में उत्तराखंड वासियों को अपनी जन्मभूमि एवं अपनी संस्कृति को स्मरण करने को प्रेरित करेगी तथा जनमानस को इसकी जानकारी प्राप्त होने के साथ साथ युवाओं के लिए भी स्मारिका अपनी संस्कृति को पहचानने में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होने के साथ प्रेरण का स्रोत्र भी बनेगी।

उत्तराखंड की अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य की मानिंद इसकी संस्कृति भी बेहद खूबसूरत और विशिष्ट है। यहां के लोक जीवन, लोकगीतों में अपनी संस्कृति का गौरवशाली इतिहास आज भी स्पंदित है। कुछ तो बात है, जो उत्तराखण्ड की संस्कृति को अनूठी और विशिष्ट बनाती है, इसलिए तो यहां का समुदाय अपना विनीत परिचय देते हुए -करीने से संजोए अपने अतीत के गौरवशाली इतिहास को, वर्तमान में अनुभूत जीवन पलों को एक साथ पिरोकर एक खूबसूरत लोकगीत के रूप में अपना परिचय देते हुए कहने लगता है कि - 'हम उत्तराखंडी छा ' तो यह आत्मीयता का आलोक, समस्त अजनबीपन के एहसास के तिमिर को आलोकित कर देता है द्य

विमोचन पर हमने सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि, विषय पर अपने विचार रखें उन्होंने सभी से ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने की प्रतिज्ञा लेने की अपील की। उन्होंने यह भी बताया कि हम लोग उत्तराखंड की लोक संस्कृति के प्रसार प्रचार के लिए द्वारका उपनगरी में कई वर्षों से सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करते रहते है।

भारतीय किसान यूनियन (टीकैत) की मासिक पंचायत हुई

प्रदेश स्तरीय पर 26 को हापुड़ जिला कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा

पुष्पेन्द्र कुमार, पब्लिक एशिया

हापुड़ » बृहस्पतिवार को फ्रीगंज रोड पर स्थित भारतीय किसान यूनियन (टीकैत) के मुख्य जिला कार्यालय पर मासिक पंचायत का आयोजन किया गया जिसका संचालन धौलाना तहसील अध्यक्ष रविन्द्र सिंह और अध्यक्षता रामबीर सिंह द्वारा की गई। मासिक पकनचेत के दौरान किसान और मजदूरों की समस्याए रखी गई। जिला अध्यक्ष दिनेश खेड़ा ने कहा है कि राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत और संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर प्रदेश स्तरीय 26 नंवबर को जिला कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा। इसके साथ साथ ही सिंभावली शुगर मिल पर करीब एक सौ छ करोड़ और वही ब्रजनातपुर शुगर मिल पर करीब 53 करोड़ रुपए किसानों का बकाया गन्ना भुगतान है जिसके लिए भी जल्द रणनीति बनाई जाएगी और खाद व डीएपी की समस्या लगातार चल रही जिसका जल्द ही निस्तारण कराया जाएगा।

क्या कहते है जिला गन्ना अधिकारी : जिला गन्ना अधिकारी सन आफरीन का कहना है कि किसानों के बकाया गन्ना भुगतान संभाली शुगर मिल और वह ब्रजनाथपुर शुगर मिल पर करीब 159 करोड़ रुपए बकाया है जिसमें धीरे धीरे बकाया गन्ना भुगतान चल रहा है और आज भी हमने करीब धौलान सोसायटी के करीब फाइल की तरफ जा रहा है वही हमारा लगातार प्रयास है कि जल्द से जल्द गन्ना भुगततान बढ़ाकर कम्प्लीट किया जाए।

इस मौके पर महिला विंग जिला अध्यक्ष नीलम त्यागी, जिला उपाध्यक्ष पूनम शर्मा, जिला उपाध्यक्ष कल्पना देवी, जिला महासचिव रमा शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सरिता देवी, जिला उपाध्यक्ष शोभा देवी, जिला सचिव राजवीरी देवी, जिला प्रवक्ता कुंवर खुशनूद आदि मौजूद रहे।

मुख्य समाचार

भाजपा के सदस्यता अभियान को तीव्रता देने के लिए प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने जिलेवार पर्यवेक्षक नियुक्त किया

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान को और तीव्रता देने के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने सभी जिलों के पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और कृष्णपाल गुर्जर भी पर्यवेक्षक होंगे। इस बाबत प्रदेश कार्यालय प्रभारी एवं प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया की ओर से पत्र भी जारी किया गया है। भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने बताया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पूर्व मंत्री असीम गोयल को कुरूक्षेत्र, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को करनाल और केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर को फरीदाबाद जिला का पर्यवेक्षक होंगे। उन्होंने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली व रविन्द्र जागलान सोनीपत और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा पंचकूला तथा राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ झज्जर जिला के पर्यवेक्षक होंगे। शमशेर सिंह खरक ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने सांसद कार्तिकेय शर्मा को अंबाला, पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर और मदन चौहान को यमुनानगर तथा अशोक गुर्जर को कैथल जिले का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इसी तरह प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता को पानीपत, जवाहर सैनी को जींद, पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु को रोहतक, सांसद सुभाष बराला को सिरसा, डा. कमल गुप्ता और प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया को हिसार जिला का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी ने बताया कि पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली को फतेहाबाद, सांसद किरण चौधरी को भिवानी, सांसद धर्मबीर सिंह को दादरी, लक्ष्मण यादव को रेवाड़ी, डा. सुधा यादव और महेश चौहान को गुरुग्राम व नसीम अहमद को नूंह, जगदीश नैयर को पलवल जिला का पर्यवेक्षक प्रदेश अध्यक्ष ने नियुक्त किया है।भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी ने कहा कि बीजेपी का सदस्यता अभियान संगठन का पर्व है। 8 अक्टूबर को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सदस्यता ग्रहण कर सदस्यता अभियान की शुरूआत की थी। वेदपाल एडवोकेट को सदस्यता अभियान का प्रदेश संयोजक बनाया गया है। सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए लगातार भाजपा के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को पार्टी से जोड़ रहे हैं।

यातायात नियमो का उल्लघंन करने वाले वाहनो के खिलाफ चलाया जा रहा है विशेष अभियान

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » पुलिस अधीक्षक रोहतक नरेन्द्र बिजारणिया ने शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सख्त कदम उठाए है। पुलिस

अधीक्षक के दिशा निर्देशो अनुसार जिला पुलिस रोहतक द्वारा मोटर वाहन अधिनियमो का उल्लघंन करने वाले वाहनो के चालान किये जा रहे है। यातायात नोडल अफसर एएसपी श्री वाई.वी.आर. शशी शेखर के मार्गदर्शन मे ट्रैफिक नियमो का उल्लघंन करने वालो के विशेष रुप से ब्लैक फिल्म, बुलेट पटाखा व बिना नम्बर प्लेट के दौड रहे वाहनो के खिलाफ अभियान चलाया गया है। एएसपी श्री वाई.वी.आर शशी शेखर ने बताया कि गाडियो पर ब्लैक फिल्म, दोपहिया वाहन बाइक पर बुलेट पटाखा लगाना यातायात नियमों के खिलाफ है। इस संबंध में सभी प्रभारी को आदेश दिये गये थे अगर कोई भी वाहन चालक अपनी गाड़ी पर ब्लैक फिल्म लगाए हुए या बुलेट बाइक पर बुलेट पटाखा लगाये मिलता है तो उसका चालान किया जाए या नियमो के तहत उसे जब्त किया जाये। जिला पुलिस द्वारा पिछले दो माह मे ब्लैक फिल्म लगी 154 वाहनो के चालान किये गये तथा ब्लैक फिल्म को भी हटाया गया। बुलेट बाइक के साइलेंसर को मॉडिफाई कर पटाखा की ध्वनि उत्पन करने वाले चालको पर सख्त कार्यवाही की जा रही है। पटाखा यंत्र लगी बुलेट मोटरसाईकिलो को इम्पाउंड किया गया है व 179 चालान साइलंसर चेंज के किये गये है। इस दौरान सबसे ज्यादा कीमत 44 हजार रुपये का बुलेट मोटरसाइकिल का चालान भी किया गया है। बिना नम्बर प्लेट के 485 व बिना पैटर्न नम्बर प्लेट के 167 वाहनो के चालान किये गये है। 70 फॉर व्हीलर, 188 दोपहिया वाहन जिसमे ज्यादातर बुलेट मोटरसाइकिल है, 13 थ्री व्हीलर को इम्पाउंड किया गया है।

आफताब अहमद ने विधानसभा में नूह समेत समूचे प्रदेश की रहनुमाई की

» ज्वलंत मुद्दों पर तुरंत समाधान की सरकार से मांग की

» जब प्रदेश के लोग टोल देते हैं तो उन्हें परेशानियां क्यों हो रही हैं।

नईम ख़ान, पब्लिक एशिया

चंडीगढ़, » हरियाणा के मेवात क्षेत्र की नूंह विधानसभा सीट से लगातार दूसरी बार चुने गए पूर्व उप नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस विधायक आफताब अहमद ने न केवल नूह हल्के बल्कि पूरे प्रदेश की ज्वलंत समस्याओं को हाल में बीते विधानसभा के शीतकालीन सत्र में उठाते हुए अपनी रहनुमाई साबित की है।

आफताब अहमद ने नूंह बाईपास का काम लंबित रहने से जुड़ी समस्याओं को उठाते हुए कहा कि जन स्वास्थ्य और पी डब्लू डी जैसे कई विभागों की एनओसी वन विभाग लंबित बनाए रखता हैं जिससे मंजूरशुदा काम अटके रहते हैं। उन्होंने कहा मालब, आंकेडा गाँव में पेयजल आपूर्ति भी इसी कारण रुकी हुई है। आफताब अहमद ने मांग रखी कि सरकारी विभागों के कार्य सरकारी विभागों की ही एनओसी के कारण अटके न रहें।

आफताब अहमद ने मेवात में शिक्षकों की जरूरत पर जोर देते हुए कहा 1456 पदों पर शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को तेज़ किया जाए ताकि कुछ शिक्षक मिल सकें। उन्होंने प्राइवेट संस्थाओं को जेबीटी कराने की मंजूरी देने और सरकारी संस्थाओं जैसे गेटी फिरोज़पुर नमक, मोरनी हिल्स को मंजूरी नहीं देने का मामला मजबूती से उठाया। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थाओं को भी जेबीटी कराने की मंजूरी दी जाय। आफताब अहमद ने मेवात मॉडल स्कूल को शिक्षा विभाग को सौंपने से शिक्षा की गुणवत्ता गिरने का मामला उठाया और मांग की कि इन्हें दोबारा एम डी ए को दिया जाए।

अहमद ने स्वास्थ विभाग से जुड़ा मुद्दा उठाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने एक ब्लैक लिस्टेड कंपनी से दवाइयां खरीदी और जो सरकार के स्टॉक में अवधिपार हो गई जिसके कारण प्रदेश को करोड़ों रुपयों का नुकसान हो गया। अहमद ने ठेके पर नियुक्त डाक्टरों को मात्र 14000 रुपए महीना तनख्वाह देने पर आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने शहीद हसन खां मेवाती मेडिकल कॉलेज को रैफरल अस्पताल में तब्दील करने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ये

विडंबना है कि वहां एक्स रे मशीन नहीं चलती, दवाइयां नहीं मिलती, डाक्टरों का अभाव है। उन्होंने इस और संज्ञान लेकर जरूरी सुधार की मांग की। स्वास्थय मंत्री आरती सिंह राव ने अपने जवाब कहा कि सिर्फ एक दवाई के लिए गुजरात सरकार ने कंपनी बैन की थी जवाब में आफताब अहमद ने कहा कि फिर दवाइयां सरकारी स्टोर में अवधिपार कैसे हुई।

आफताब अहमद ने टोल प्लाजाओं पर लंबी कतार लगने, अधिक पैसे लेने के बावजूद सुविधा नहीं देने, एम्बुलेंस आदि के लिए भी विशेष सुविधा नहीं होने का मुद्दा उठाया। अहमद ने कहा कि जब प्रदेश के लोग टोल देते हैं तो उन्हें परेशानियां क्यों हो रही हैं। इस मामले में जरूरी कदम उठाए जाए।

नूंह शहर में जल भराव की समस्या का स्थाई समाधान नहीं होने का मुद्दा उठाते हुए अहमद ने कहा कि सरकारी विभागों की इमारतों के साथ साथ कब्रिस्तानों से पानी निकासी की उचित व्यवस्था की जाए।

अहमद ने सरकारी जगहों पर व्यक्तिगत पोस्टरों को लगाने का मामला भी उठाया और कहा कि इसमें कुछ राजनेता, नेता भी शामिल हैं इसका संज्ञान लेकर क़ानून लाकर इसमें सुधार किया जाय ताकि सफाई के साथ साथ प्रदेश का खजाना भी बढ़ सकें। इसपर मंत्री विपुल गोयल ने आफताब अहमद की बात को स्वीकार करते हुए कहा कि ये सही मुद्दा है जल्द इसका समाधान किया जाएगा और नूंह सहित हरियाणा साफ सुथरा नजर आएगा। उन्होंने नूंह सहित प्रदेश के युवाओं में बढ़ती बेरोजगरी के साथ साथ बढ़ती नशा खोरी का मामला उठाया। उन्होने नशा खोरी के खिलाफ अभियान छेड़ने की मांग की है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में शरीक हुए आफताब अहमद ने कहा कि विधायकों को मिलने वाले 5 करोड़ के विकास कार्य भेदभाव के कारण पूरे नहीं हो पाते जो उचित नहीं है। उन्होंने गुड़गांव, फरीदाबाद, पलवल, नूंह जिले के किसानों की बंजर होती भूमि का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि गुडगांव कैनाल से जहरीला पानी आता है जो जनजीवन को खराब कर रहा है इसमें सुधार के लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की रूरत है।

अहमद ने राष्ट्रीय राजमार्ग 248 ए का काम दस साल में एक इंच भी नहीं करने पर बीजेपी सरकार को घेरते हुए कहा कि बार बार वायदों के बाद भी काम नहीं होना भेदभाव को दर्शाता है। मेवात कैनाल का बार बार उद्घाटन होने के बावजूद कोई काम सरकार ने धरातल पर नहीं किया जिसके लिए विधानसभा के संरक्षण की जरूरत है। उन्होंने यूनानी मेडिकल कॉलेज को दस साल में पूरा नहीं करने पर सख्त आपत्ति जताई। अहमद ने कहा कि अगर विधानसभा में कोई आश्वासन सरकार का कोई मंत्री देता है तो वो पूरा होना चाहिए, ये विधानसभा अध्यक्ष को सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर सरकार हरियाणा एक हरियाणवी एक का नारा देती है तो बिना भेदभाव हर जगह विकास करे फिर चाहे वहां किसी की भी सरकार हो।

कुरुक्षेत्र और कैथल की 38हजार एकड़ भूमि पर निर्भर 68 हजार आबादी को कानूनी स्वामित्व मिला

नायब सैनी सरकार का आभार व्यक्त करने पहुंची कल्याण समिति

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़, » हरियाणा की नायब सैनी सरकार ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में संयुक्त पंजाब के समय से गैर काश्त भूमि को काबिल काश्त बनाकर देश और प्रदेश के अन्न भंडार में अपना योगदान दे रहे किसानो को जमीन का कानूनी स्वामित्व दिया है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र और कैथल जिलों में ऐसी 38हजार एकड़ भूमि पर निर्भर 68 हजार आबादी को नायब सरकार के इस कदम से राहत मिली है। इन किसानों की संघर्ष समिति आबादकार पट्टेदार कल्याण समिति नायब सरकार का आभार व्यक्त करने गुरुवार को चंडीगढ़ पहुंची।

कल्याण समिति के प्रधान हरपाल सिंह चीका ने गुरुवार को यहां मीडिया को इन किसानों के लंबे संघर्ष और प्रदेश की पूर्व मनोहर लाल सरकार और अब नायब सरकार द्वारा दी गई स्थाई राहत की कहानी सुनाई।उन्होंने बताया कि किसानों का यह संघर्ष 1950 और 1955में ही तब शुरू हो गया था जबकि संयुक्त पंजाब की सरकार ने अन्न उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानो को बीस साल की लीज पर जंगल के बीच बंजर भूमि आवंटित की। उन्होंने बताया कि किसानों ने कड़ी मेहनत कर इस जमीन को काबिल काश्त बनाया और अन्न भंडार बढ़ाया।इसके बाद 1966में अलग हरियाणा का गठन हो गया। अलग हरियाणा की हर सरकार ने बीस वर्ष की लीज पूरी होने पर उन्हें बेदखल करने का प्रयास किया गया। इस बीच भूपेंद्र सिंह हुड्डा सरकार ने 99साल के पट्टे देने के लिए अधिसूचना तो जारी की लेकिन पट्टे नहीं मिले।कुरुक्षेत्र जिले के पहवा हल्के के गांव कराह साहिब में तो पानी बिजली भी बंद करवा दी गई। चीका ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने भी एक फैसले में कह दिया था कि सरकार चाहे तो पंचायतों की शामलात जमीन पर आवास बनाकर रहने वालों और काश्त करने वालों को बेदखल किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि इसके बाद समिति ने लगातार संघर्ष किया।पूर्व विधायक इंद्रजीत सिंह,पूर्व सांसद त्रिलोचन सिंह और प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने संघर्ष में साथ दिया।विभिन्न स्तरों पर प्रदर्शन किए गए।आखिर मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व वाली सरकार ने शामलात भूमि पर बनाए गए आवास स्थाई करने की अधिसूचना जारी की और नायब सैनी सरकार ने शामलात भूमि के आवास और काश्त भूमि का कानूनी स्वामित्व के किए विधेयक पारित कराया।समिति इसके लिए नायब सरकार का आभार व्यक्त करती है।

शिवधाम योजना के तहत 50 करोड़ रुपए से 658 गांवों में शमशान घाट व कब्रिस्तानों का होगा पुनरुद्धार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में पॉवरग्रिड और विकास एवं पंचायत विभाग के बीच हुआ एमओयू

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़, » भारत की नवरत्न कंपनियों में से एक पॉवरग्रिड द्वारा सीएसआर स्कीम के अंतर्गत करीब 50 करोड़ रुपए की राशि से हरियाणा के चार जिलों करनाल, पानीपत, रेवाड़ी और कुरुक्षेत्र के 658 गांवों में शिवधाम योजना के तहत शमशान घाट और कब्रिस्तान का पुनरुद्धार करवाया जाएगा। इसके लिए आज गुरुग्राम में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में पॉवरग्रिड और विकास एवं पंचायत विभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएसआर स्कीम के अंतर्गत ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कॉरपोरेट कंपनियां अतुलनीय योगदान दे रही हैं, जो सामाजिक उत्थान की दिशा में सराहनीय कदम है। इस अवसर पर वाणिज्य, उद्योग, वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह, सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा भी उपस्थित थे। एमओयू पर विकास एवं पंचायत विभाग के महानिदेशक डॉ. जे. के. अभीर और पॉवरग्रिड की ओर से महाप्रबंधक संजय कुमार वर्मा ने हस्ताक्षर किए। चेयरमैन आर. के. त्यागी ने बताया कि इन शिवधाम और कब्रिस्तान के पुनरुद्धार के लिए 49 करोड़ 94 लाख 39 हजार रुपए की राशि खर्च की जाएगी। एमओयू के तहत इन सभी 658 शिवधाम की चारदीवारी व पक्का रास्ता बनवाया जाएगा। इनमें शेड लगवाया जाएगा और पेयजल का प्रबंध किया जाएगा।

डॉ. जयकिशन अभीर ने बताया कि इन 658 गांवों की आबादी करीब 40 लाख है। करनाल जिला के 198 गांवों में शिवधामों के पुनर्निर्माण पर 10 करोड़ 97 लाख 80 हजार रुपए, कुरुक्षेत्र जिला में 237 गांवों के शिवधाम पर 18 करोड़ 46 लाख 29 हजार रुपए, पानीपत के 106 गांवों

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में गुरुग्राम में पावर ग्रिड तथा विकास एवं पंचायत विभाग के बीच सीएसआर गतिविधियों के तहत हुए समझौता ज्ञापन का आदान प्रदान करते हुए अधिकारी। (21.11.2024)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी गुरुग्राम में दक्षिण कोरियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए। साथ में हैं उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह और सहकारिता मंत्री श्री अरविन्द कुमार शर्मा। (21.11.2024)

में पांच करोड़ 15 लाख 20 हजार रुपए तथा रेवाड़ी जिला के 117 गांवों में 15 करोड़ 35 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।उल्लेखनीय है कि हरियाणा में नवंबर 2018 में प्रदेश में सीएसआर बोर्ड का गठन किया गया था, जिसे मार्च, 2021 में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट बना दिया गया। प्रदेश में नवंबर, 2018 से मार्च, 2024 तक सामाजिक सहभागिता कार्यक्रम के तहत 750 करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए जा चुके हैं।

फोर्टिस अस्पताल, मोहाली ने माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी के माध्यम से पूरी तरह से कटी हुई उंगली का सफलतापूर्वक रीइम्प्लांटेशन किया

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़,» फोर्टिस अस्पताल, मोहाली ने पूरी तरह से कटी हुई उंगली को फिर से जोड़ने के लिए एक जटिल माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी सफलतापूर्वक की है। यह उन लोगों के लिए आशा की किरण है जो दुर्घटनाओं के कारण ऐसी स्थिति का सामान करते है। यह उपलब्धि दर्दनाक शरीर से कटे हुए अंग के मामलों में समय पर उपचार के महत्व और कटे हुए शरीर के अंगों को सामान्य कार्य करने में माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी की भूमिका को उजागर करती है।

प्लास्टिक और माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी के कंसल्टेंट डॉ. अखिल गर्ग और हाथ सर्जरी के कंसल्टेंट डॉ. विशाल गौतम के नेतृत्व में फोर्टिस मोहाली की टीम ने रीइम्प्लांटेशन सर्जरी की। आज यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. अखिल गर्ग और डॉ. विशाल गौतम ने माइक्रोवैस्कुलर रीइम्प्लांटेशन सर्जरी की जीवन-परिवर्तनकारी क्षमता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक केस स्टडी प्रस्तुत की। रीइम्प्लांटेशन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें रोगी के शरीर के पूरी तरह से कटे हुए हिस्से को फिर से जोड़ा जाता है और उसके रक्त प्रवाह को बहाल किया जाता है। मरीज़ 30 वर्षीय व्यक्ति है, जिसकी घर पर अपनी बाइक की चेन साफ

करते समय बीच वाली उंगली पूरी तरह कट गई थी। तत्काल चिकित्सा सहायता मांगने के बावजूद, ऐसी प्रक्रिया के लिए सुविधाओं और विशेषज्ञों की कमी के कारण शुरू में पास के एक अस्पताल ने उन्हें लौटा दिया। वह चोट लगने के करीब साढ़े तीन घंटे बाद फोर्टिस अस्पताल मोहाली पहुंचा, जहाँ उसकी कटी हुई उंगली बर्फ की थैली में थी।

मामले की जानकारी देते हुए, डॉ. अखिल गर्ग, सलाहकार, प्लास्टिक और माइक्रोवास्कुलर सर्जरी ने कहा, 'माइक्रोस्कोपिक माग्निफिकेशन के तहत, सर्जनों ने सावधानीपूर्वक कटी हुई उंगली की हड्डी, नसों, टेंडन और त्वचा को फिर से जोड़ दिया। माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी के माध्यम से रक्त प्रवाह को बहाल किया गया, जिसमें छोटी रक्त वाहिकाओं की मरम्मत शामिल थी। सर्जरी पांच घंटे तक चली, और मरीज को आसानी से, दर्द रहित स्वास्थ्य लाभ हुआ, चार दिनों के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उनका लगातार फॉलोअप किया जा रहा है और उनकी उंगली धीरे-धीरे काम करना शुरू कर रही है। डॉ. गर्ग ने बताया, 'आमतौर पर उंगलियां, हाथ, कलाई और अग्रभाग अम्प्यूटेशन से प्रभावित होते हैं, जो लगातार मेकैनिकल फोर्सेज के संपर्क में रहते हैं। ज़्यादातर मामलों में, रीइम्प्लांटेशन सबसे अच्छा उपचार विकल्प है, लेकिन समय महत्वपूर्ण है। मरीजों को तुरंत किसी विशेषज्ञ के पास भेजा जाना चाहिए, क्योंकि किसी भी देरी से सफल पुनर्रोपण की संभावना कम हो जाती है।'

उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से मेकैनिकल चोटों के कारण अंग कटना आम बात है, जो सड़क दुर्घटनाओं, औद्योगिक घटनाओं और यहां तक कि घरेलू दुर्घटनाओं जैसी विभिन्न स्थितियों में होता है। ये चोटें सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती हैं, जिनमें मामूली कट से लेकर अंगों का पूरा नुकसान शामिल है। यदि उपचार न किया जाए, तो कटा हुआ अंग हमेशा के लिए खत्म हो जाता है, जिससे व्यक्ति आजीवन दिव्यांग हो जाता है। हालांकि, शीघ्र और उचित उपचार के साथ, कटे हुए शरीर के अंग को फिर से जोड़ा जा सकता है, और माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी के माध्यम से रक्त प्रवाह को बहाल किया जा सकता है, जिससे रोगी सामान्य कार्य करने में सक्षम हो सकता है।'

डॉ. गर्ग ने कटे हुए अंगों के उचित संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए सलाह दी कि, 'कटे हुए अंग को पहले नम कपड़े में लपेटा जाना चाहिए, वाटरप्रूफ पैकेजिंग में रखा जाना चाहिए, और फिर बर्फ या बर्फ के पैक में रखा जाना चाहिए।' उन्होंने इन मामलों में माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'रीइम्प्लांटेशन की सफलता विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है, जिसमें कटा हुआ हिस्सा, चोट की प्रकृति, चोट और सर्जरी के बीच का समय और कटे हुए हिस्से को कैसे संरक्षित किया गया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके लिए एक अनुभवी माइक्रोवैस्कुलर सर्जन और विशेष उपकरणों की आवश्यकता होती है, जो केवल कुछ ही अस्पतालों में उपलब्ध हैं।'

जीवन के पवित्र बंधन में स्त्री और पुरुष दोनों का ही समान स्थान है, जिसमें कोई छोटा या बड़ा नहीं बल्कि दोनों की महत्ता बराबर की होती है : सुदीक्षा महाराज

सादा शादियाँ एवं आध्यात्म का अनुपम दृश्य निरंकारी सामूहिक विवाह

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » वीरवार को संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज कल्याण विभाग की ओर से आज संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा में निरंकारी सामूहिक सादा शादियों का एक ऐसा अनुपम दृश्य प्रदर्शित हुआ जिसमें भारत वर्ष के विभिन्न राज्यों जैसे बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त दूर देशों जिनमें आस्ट्रेलिया, यू.एस.ए. इत्यादि प्रमुख है से शामिल हुए लगभग 96 नव युगल सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज निरंकारी राजपिता की पावन हजूरी में परिणय सूत्र में बंधे तथा अपने मंगलमयी जीवन की कामना हेतु पावन आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर निरंकारी मिशन के अधिकारीगण, वर-वधू के माता-पिता, सगे-सम्बन्धी एवं मिशन के अनेक श्रद्धालु भक्तों की उपस्थिति रहीं। सभी ने इस दिव्य नजारे का भरपूर आनंद प्राप्त किया।

इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आरम्भ पारम्परिक जयमाला एवं निरंकारी शादी के विशेष चिन्ह सांझा-हार द्वारा हुआ। उसके उपरांत भक्तिमय संगीत के साथ मुख्य आकर्षण के रूप में निरंकारी लावों का हिंदी भाषा में प्रथम बार गायन हुआ जिसकी प्रत्येक पंक्ति में नव विवाहित युगलों के सुखमयी गृहस्थ जीवन हेतु अनेक कल्याणकारी शिक्षाएं प्रदत्त थी। नव विवाहित युगलों पर सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज निरंकारी राजपिता एवं वहां उपस्थित सभी जनों द्वारा पुष्प-वर्षा की गई और उनके कल्याणमयी जीवन हेतु भरपूर आशीर्वाद प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह पावन आयोजन अपनी सादगी बिखेरता हुआ जाति, धर्म, वर्ण, भाषा जैसी संकीर्ण विभिन्नताओं से ऊपर उठकर एकत्व का सुदंर स्वरूप प्रदर्शित करता है।

नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज ने फरमाया कि गृहस्थ जीवन के पवित्र बंधन में नर और नारी दोनों का ही समान स्थान होता है जिसमें कोई बड़ा अथवा छोटा नहीं अपितु दोनों की महत्ता बराबर की होती है। यह एक अच्छी सांझेदारी का उदाहरण है। सतगुरु माता ने सांझे हार के प्रतीक का उदाहरण दिया कि जिस प्रकार सांझा हार एकता के भाव को दर्शाता है ठीक उसी प्रकार गृहस्थ जीवन में रहकर सभी रिश्तों को महत्व देते हुए, सबके प्रति आदर भाव अपनाकर अपनी जिम्मेदारियों को निभाना है। गृहस्थ जीवन के सभी कार्यों को करते हुए नित्य सेवा, सुमिरण एवं सत्संग के साथ इस निरंकार का आसरा लेकर सुखद जीवन जीना है। निःसंदेह हर प्रांत से आये हुए नव युगलों द्वारा दो परिवारों के मिलन का एक सुदंर स्वरूप आज यहां प्रदर्शित हुआ। अंत में सतगुरु माता सुदीक्षा ने सभी नव विवाहित जोड़ों के जीवन हेतु शुभ कामना करते हुए उन्हें आनंदमयी जीवन का आशीर्वाद दिया।

जींद में 24 नवंबर को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का अभिनंदन करेगा डीएससी समाज : कृष्ण बेदी

भाजपा गरीबों को लाभ देती है तो कांग्रेस के पेट में मरोड़ होने लगती है : कृष्ण बेदी

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि भाजपा गरीबों को सरकारी योजनाओं का लाभ देती है तो कांग्रेस के पेट में मरोड़ होने लगती है। कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदा से ही गरीब विरोधी, आरक्षण विरोधी पार्टी रही है। उन्होंने कहा कि आरक्षण को लेकर कांग्रेस अभी भी भ्रम फैला रही है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी डीएससी समाज के प्रदेश स्तरीय सम्मेलन का न्यौता देने गुरुवार को रोहतक पहुंचे।

उन्होंने समाज के लोगों को न्यौता दिया और मीडिया के सवालों का जवाब भी दिया। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि 24 नवंबर को जींद के ऐतिहासिक एकलव्य स्टेडियम में डीएससी समाज का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन होगा। इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का मान सम्मान और अभिनंदन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नायब सिंह सैनी देश के ऐसे पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने छाती ठोककर कहा था कि डीएससी समाज के वंचितों व पिछड़े लोगों को उनका हक दिलाने का काम करेंगे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर पहली ही कैबिनेट की बैठक में वादा पूरा किया और डीएससी समाज को उनका हक दिया। उन्होंने कहा कि दृढ़ निश्चयी और वचन के पक्के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का अब डीएससी समाज अभिनंदन और आभार व्यक्त करेगा। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि आरक्षण में वर्गीकरण की हमारी 50 वर्षों से मांग थी। पंजाब में 1973 में वर्गीकरण किया गया था। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भी भजनलाल सरकार ने 1994 में वर्गीकरण का लाभ दिया था, लेकिन भूपेंद्र सिंह हुडा की सरकार ने कोर्ट का सहारा लेकर वर्गीकरण को तोड़ने का काम किया जिससे डीएससी समाज में रोष था। कृष्ण बेदी ने कहा कि डीएससी समाज ने सदन से संसद और सुप्रीम कोर्ट तक संघर्ष किया। 20 साल के संघर्ष के बाद अगस्त 2024 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बैंच ने डीएससी समाज के हक में फैसला दिया। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक कलम से ही हरियाणा में आरक्षण में वर्गीकरण करके वंचितों, शोषितों को लाभ दिलाने का काम किया है। कृष्ण बेदी ने कहा कि 24 नवंबर को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सम्मान में होने वाला डीएससी समाज का सम्मेलन भव्य और ऐतिहासिक होगा। इस सम्मेलन में पूरे प्रदेश के डीएससी समाज के अलावा लाखों लोग भाग लेंगे। एक सवाल के जवाब में कृष्ण बेदी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से ही गरीब, किसान, मजदूरों को उनके हकों से वंचित रखा है। एक अन्य सवाल पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि डीएससी समाज ने भाजपा को वोट दिया, कांग्रेस की हार हुई और डीएससी समाज की जीत हुई। अब कांग्रेस अपनी हार पर विलाप कर रही है। कांग्रेस मतदाताओं के निर्णय का अपमान कर रही है। कांग्रेस के लोग झेप मिटाने के लिए ईवीएम का सहारा ले रहे हैं। सम्मेलन का न्यौता देने पहुंचे कैबिनेट मंत्री के साथ प्रदेश सचिव रेनू डाबला, अमरजीत सोलंकी, पूर्व ओएसडी मुख्यमंत्री डीएससी नेता स्वदेश किराड, जिला महामंत्री सुखबीर चंदेलिया, सुरेश किराड आदि मौजूद रहे।

सिरसा का मेडिकल कॉलेज चिकित्सा के क्षेत्र में होगा मील का पत्थर साबित, मुख्यमंत्री ने किया भूमि पूजन

सिरसा मेडिकल कॉलेज में कैंसर उपचार केंद्र की होगी सुविधा, इसके लिए साथ लगती साढे पांच एकड़ अतिरिक्त भूमि उपलब्ध करवाएगी सरकार : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सिरसा में संत सरसाईनाथ जी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के भूमि पूजन उपरांत जनसमूह को सम्बोधित करते हुए। (21.11.2024)

» हर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग, फिजियोथेरेपी और पैरामेडिकल कॉलेज होगा स्थापित

» प्रधानमंत्री के फिट इंडिया मूवमेंट को सफल बनाने के लिए हरियाणा सरकार संकल्पबद्ध- सीएम

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश को मेडिकल हब बनाने व फिट इंडिया के विजन को साकार करने के लिए हरियाणा ने पहल की है और सरकार ने हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का बीड़ा उठाया है। अब तक प्रदेश में 9 नए मेडिकल कालेज खोले जा चुके हैं। वर्ष 2014 से पहले प्रदेश में केवल 6 ही मेडिकल कॉलेज थे। प्रदेश में अब मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। इसी कड़ी में आज सिरसा के संत सरसाई नाथ जी राजकीय मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की, कि इस मेडिकल कॉलेज में कैंसर के उपचार के लिए अलग विंग भी शुरु की जाएगी। इसके लिए साथ लगती साढ़े पांच एकड़ भूमि मुहैया करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री आज सिरसा में संत सरसाई नाथ जी राजकीय मेडिकल कॉलेज के भूमि पूजन समारोह में उपस्थितजन को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कॉलेज प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम लगाकर पर्यावरण का संदेश भी दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने महान संत सरसाई नाथ जी को नमन करते हुए सिरसा के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत सरसाई नाथ जी गुरु गोरखनाथ जी के शिष्य थे, जिन्होने 13वीं शताब्दी में सिरसा नगर की नींव रखी थी। संत सरसाई नाथ जी एक महान व्यक्ति थे, जिन्होंने तत्कालीन मुगल बादशाह शाहजहां के बेटे दारा शिकोह को जीवनदान दिया था। मुझे विश्वास है कि ऐसे महापुरुष के नाम पर बनने वाले इस मेडिकल कॉलेज में आने वाला हर मरीज निरोगी होकर लौटेगा।

उन्होंने कहा कि 21 एकड़ पर बनने वाले इस मेडिकल कॉलेज की पूरी परियोजना पर लगभग 1,010 करोड़ 37 लाख रुपये खर्च होंगे। यह कालेज दो साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसके अलावा, मेडिकल कॉलेज भिवानी का निर्माण काम लगभग पूरा हो चुका है। कैथल, गुरुग्राम व यमुनानगर में मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं। जिला जींद के हैबतपुर में व जिला महेन्द्रगढ़ के कोरियावास में मेडिकल कॉलेजों के भवनों का निर्माण कार्य लगभग पूरा होने वाला है। इनके अलावा 5 और नये मेडिकल कॉलेज खोलने की प्रक्रिया चल रही है। इतना ही नहीं हर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग, फिजियोथेरेपी और पैरामेडिकल कॉलेज भी स्थापित किए जाएंगे। इसी तरह से छायंसा फरीदाबाद में बंद हुए गोल्ड फील्ड मेडिकल कॉलेज को सरकार ने अपने अधीन लेकर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से शुरू किया है। इसके अलावा कुरुक्षेत्र में श्रीकृष्णा आयुष विश्वविद्यालय खोला गया है। पंचकूला में राष्ट्रीय आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान की स्थापना की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि करनाल के कुटैल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय का निर्माण किया जा रहा है। भगत फूल सिंह राजकीय महिला मेडिकल कॉलेज खानपुर कलां (सोनीपत) के तीसरे चरण का विस्तार कार्य 419 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। जिला झज्जर के बाढ़सा में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान खोला गया है। जिला रेवाड़ी के माजरा में एम्स स्थापित किया जा रहा है, जिसकी आधारशिला गत दिनों प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रखी थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब लोगों के निशुल्क उपचार के लिए प्रधानमंत्री जन आरोग्य आयुष्मान भारत योजना शुरु की है। हरियाणा में इसका विस्तार करते हुए सरकार ने आयुष्मान भारत-चिरायु हरियाणा योजना शुरू की है। अब तक प्रदेश में कुल 1 करोड़ 19 लाख चिरायु कार्ड बनाए जा चुके हैं। इस योजना में प्रदेश में 11 लाख 65 हजार मरीजों के इलाज के लिए 1477 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने घोषणा कि प्रदेश में 1.80 लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवारों को आयुष्मान -चिरायु योजना के तहत अब 10 लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा दी जाएगी।

आज के बच्चे वह बच्चे नहीं रहे जो पहले थे, इसलिए वक़्त के साथ अभिभावकों को भी बदलाव की है जरूरत : राजीव परुथी

लेक्चर में 300 बच्चों में से एक भी बच्चा ऐसा नहीं था जो ध्यान से ना सुन रहा हो। सभी के अंदर जिज्ञासा बहुत भरपूर थी। उन्होंने इसका श्रेय स्कूल की मैनेजमेंट एवं प्रिंसिपल और शिक्षकों को दिया।

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » बीते दिन एस.डी.वी.एम (सिटी) स्कूल के प्रांगण में नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए एक लेक्चर का आयोजन करवाया गया। यह लेक्चर पीसीसी एकेडमी के निदेशक राजीव परुथी ने संबोधित किया। इस मौके पर राजीव परुथी ने स्कूल की मैनेजमेंट एवं प्रिंसिपल शिवानी का तहे दिल से धन्यवाद किया।

पीसीसी एकेडमी के निदेशक राजीव परुथी ने बच्चों को लेक्चर के माध्यम से काफी मुद्दों पर प्रकाश डाला। जैसे अंग्रेजी भाषा के महत्व एवं मोबाइल फोन का ज्यादा इस्तेमाल न करना, जोश जुनून के साथ रहना, अपने टीचर एवं माता-पिता का सम्मान करना, मंच का डर दूर करना, अपने अंदर आत्मविश्वास के साथ टैलेंट पैदा करना, समय की कदर करना, हमेशा जोश एवं जुनून के साथ कार्य करते रहना और अपनी पढ़ाई से प्यार करना जैसे मुद्दों पर जमकर चर्चा की एवं मोटिवेशनल लेक्चर के माध्यम से इन सभी मुद्दों पर प्रकाश डाला।राजीव ने बच्चों को अपनी जनरल नॉलेज हमेशा अपडेट रखने को कहा। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को मोटिवेशन की जरूरत है। हर बच्चे का सपना बड़ा होना चाहिए। माता-पिता को अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए। आज के दौर के साथ चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे वह बच्चे नहीं रहे जो पहले थे। राजीव ने कहा कि यदि माता-पिता अपनी सोच में बदलाव नहीं करेंगे तो बच्चों की विचारधारा उनसे नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि एस.डी.वी.एम (सिटी) स्कूल पानीपत का एकमात्र ऐसा स्कूल है जहां पर डिसिप्लिन नंबर वन है।

राजीव ने जानकारी देते हुए बताया कि यह लेक्चर 300 बच्चों का था। 300 बच्चों में से एक भी बच्चा ऐसा नहीं था जो ध्यान से ना सुन रहा हो। सभी के अंदर जिज्ञासा बहुत भरपूर थी। उन्होंने इसका श्रेय स्कूल की मैनेजमेंट एवं प्रिंसिपल और शिक्षकों को दिया। इस मौके पर प्रिंसिपल शिवानी एवं रितु विज, पलक, अंजलि, नीरू, इशा, शक्ति, राहुल, सुरभि, मोहित, सीमा, विधि, शिवांशी, अंजलि तागरा आदि मुख्य तौर पर मौजूद रहे।

अम्बाला छावनी रेलवे स्टेशन को जल्द मार्डन रेलवे स्टेशन बनाया जाए, अनिल विज

रेलवे कालोनी में सड़कों की मरम्मत, नालियों व गलियों में सफाई तथा स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त किया जाए : अनिल विज

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़/नई दिल्ली/अंबाला » हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज से आज अम्बाला रेल मंडल के डीआरएम मनदीप सिंह भाटिया ने मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान रेलवे से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा हुई।

विज ने अम्बाला छावनी रेलवे स्टेशन एवं रेलवे कालोनी में विभिन्न कार्यों को लेकर चर्चा करते हुए इन्हें जल्द पूरा करने को कहा ताकि आम जनता को इसका जल्द से जल्द लाभ मिल सके। उन्होंने अम्बाला छावनी रेलवे स्टेशन को मार्डन स्टेशन के तौर पर विकसित करने को लेकर डीआरएम मनदीप सिंह भाटिया से चर्चा की तथा जो-जो कार्य आगे होने है उनको जाना। उन्होंने कहा कि छावनी स्टेशन को मार्डन रेलवे स्टेशन बनाया सके इसके लिए रेलवे जल्द कार्य करे ताकि यात्री सुविधाओं में इजाफा हो सके। उन्होंने कहा कि अम्बाला छावनी रेलवे स्टेशन उत्तर भारत का एक बड़ा रेलवे जंक्शन है और यहां पर रेल सुविधाओं को बढ़ाया जा तथा आधुनिक रूप दिया जाए। स्टेशन को लेकर उन्होंने अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रेलवे कालोनी में सड़कों की मरम्मत को पूरा करने पर चर्चा

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने डीआरएम को रेलवे कालोनी में सड़कों की मरम्मत कार्य जल्द प्रारंभ करने को कहा। उन्होंने कहा कई सड़कों व गलियों की हालत ठीक नहीं है जहां मरम्मत की जरुरत है। इसके अलावा, नालियों व गलियों में सफाई कार्य को और बेहतर करने तथा कालोनी में पानी निकासी को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कालोनी में जहां-जहां स्ट्रीट लाइट सही नहीं है उसे भी दुरुस्त किया जाए ताकि रात्रि में लोगों को आने-जाने में परेशानी न झेलनी पड़े।

अम्बाला-सहारनपुर रेल मार्ग पर अंडर ब्रिज रि-डिजाइन किया जाए

ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने अम्बाला-सहारनपुर रेलमार्ग पर शास्त्री कालोनी के पास रेलवे अंडर ब्रिज को रि-डिजाइन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान अंडरब्रिज में पानी निकासी एवं अन्य दिक्कत है जिन्हें ठीक किया जाना जरूरी है, इसलिए यहां नया अंडरब्रिज बनाने के लिए इसके रि-डिजाइन किया जाए। गौरतलब है कि इस अंडरब्रिज से प्रतिदिन हजारों लोग रेलवे कालोनी, दुधला मंडी, गुलाब मंडी, शिवाला मंडी, शाहपुर, शास्त्री कालोनी, बंधु नगर एवं अन्य कालोनियों से हजारों लोग सदर क्षेत्र की तरफ आते-जाते है और छावनी में यह व्यस्त अंडरब्रिज है।

श्रीबाबा मस्तनाथ आयुर्वेदिक कॉलेज में इंडक्शन प्रोग्राम का समापन समारोह संपन्न

आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं है, यह एक जीवन शैली और समाज के प्रति सेवा का माध्यम है » कुलपति डॉ. एच.एल. वर्मा

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » श्रीबाबा मस्तनाथ आयुर्वेदिक कॉलेज में नए सत्र में दाखिल हुए विद्यार्थियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का समापन समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिष्य उपनयन संस्कार का आयोजन किया गया, जो आयुर्वेदिक परंपरा और संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों की आस्था को प्रबल बनाने और उनके शैक्षणिक जीवन में अनुशासन की नींव रखने का प्रतीक है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को आयुर्वेद के भविष्य की संभावनाएं, व्यक्तित्व विकास, प्रेरणात्मक व्याख्यान, संस्कृत भाषा और कंप्यूटर विज्ञान के मूलभूत ज्ञान जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। समारोह के मुख्य अतिथि बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. एच.एल. वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अनुशासन, सेवा, और आयुर्वेदिक परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं है, यह एक जीवन शैली और समाज के प्रति सेवा का माध्यम है। विद्यार्थियों को इसे अपने जीवन में अपनाने और इसके मूल सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार करने का प्रयास करना चाहिए।'डॉ. वर्मा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, 'एक आयुर्वेदिक चिकित्सक का कर्तव्य केवल रोग का उपचार करना नहीं है, बल्कि रोगी को समग्र रूप से स्वस्थ रखना और उसकी जीवनशैली को बेहतर बनाना है। आयुर्वेद एक प्राचीन और समृद्ध विज्ञान है, जो आज वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। यह आप सभी के लिए गर्व और जिम्मेदारी का विषय है कि आप इस परंपरा को आगे बढ़ाएं।'कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. नीरज कुमार खरे ने अनुशासन के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'अनुशासन वह सीढ़ी है, जो व्यक्ति को सफलता की ओर ले जाती है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने अध्ययन और कार्यों में अनुशासन बनाए रखें। साथ ही, समाज सेवा के प्रति समर्पित रहें, क्योंकि एक सच्चा आयुर्वेदिक चिकित्सक केवल अपनी विद्या तक सीमित नहीं होता, बल्कि समाज के कल्याण के लिए भी कार्य करता है।' इस अवसर पर डॉ. अजय दहिया, डॉ.राजकैलाश, डॉ. पूजा और डॉ. निशा सहित अन्य शिक्षकगण भी इस मौके पर उपस्थित रहे।

दुष्कर्म के दर्ज मुकदमे में समझौता कराने के नाम पर 45 लाख रुपए की जबरन वसूली की घटना का खुलासा, आरोपी काबड़ी निवासी नेमपाल गिरफ्तार

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » जिला पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह ने वीरवार को जिला सचिवालय स्थित पुलिस विभाग के सभागार में प्रेसवार्ता कर बताया कि गत दिनों पुलिस अधीक्षक कार्यालय में थाना पुराना औद्योगिक क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने शिकायत देकर बताया था कि उसके भतीजों के खिलाफ 22 अक्तूबर को थाना पुराना औद्योगिक में नाबालिग का अपहर्ण कर सामुहिक दुष्कर्म व जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज हुआ था।

मुकदमा दर्ज होने के 2/3 दिन बाद काबड़ी निवासी नेमपाल अपनी पत्नी के साथ उससे व उसके भाई से मिलकर कहने लगा वह मुकदमें में फैसला करवा देगा। जिसकी एवज में उन्हें पैसे देने पड़ेगे। उन्होंने कहा बच्चे बेकसूर है तो पैसे किस बात के दे। हमारी ईज्जत का हवाला देते हुए आरोपी कहने लगे सोशल मीडिया का जमाना है। आरोपी ने धमकी देते हुए कहा पैसे नही दिए तो तुम्हारें लड़कों को जेल से निकलने नही देंगे और सजा करवाउंगा। डर के मारे उन्होंने पैसे देने की हां भर दी।

आरोपी का पहले भी आपराधिक रिकार्ड रहा

एसपी लोकेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी नेमपाल का पहले भी आपराधिक रिकार्ड होना पाया गया है। आरोपी के खिलाफ अवैध शराब तस्करी, मारपीट, धोखाधड़ी, जानलेवा हमला व अपहर्ण का प्रयास करने मामले के कुल 13 अभियोग दर्ज है। इनमें 12 अभियोग पानीपत के थाना माडल टाउन, थाना पुराना औद्योगिक, थाना शहर में व 1 अभियोग यूपी के जिला शामली में दर्ज है। इनमें अधिकतर मामले न्यायालय में विचारीधीन है।

एसपी ने बताया कि आरोपी नेमपाल 31 अक्तूबर को गांव में एक प्रापर्टी डीलर के ऑफिस में आया और समझौते की एवज में 1 करोड़ रूपए की मांग की। 45 लाख रूपए में बात तय होने पर आरोपी उनसे 45 लाख रूपए ले गया। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार आरोपी नेमपाल 45 लाख रुपए लेने के बाद फिर उनसे 5 लाख रुपए की मांग कर रहा है। आरोपी नेमपाल दिन रात धमकी दे रहा है की जब तक और 5 लाख रूपए नही दोगे वह मुकदमा कैंसिल नहीं करवाएंगा और ना ही कैंसिल होने देगा। पीड़ित ने बताया कि इस पूरे मामले में हमारा पूरा परिवार दशहत में है।

प्रेस वार्ता में एसपी लोकेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर थाना पुराना औद्योगिक में अभियोग दर्ज कर मामले की जांच सीआईए वन पुलिस टीम को सौपी गई थी। सीआईए वन प्रभारी इंस्पेक्टर संदीप की टीम ने जांच कर मामले का पटाक्षेप करते हुए बुधवार देर शाम आरोपी नेमपाल को काबड़ी फ्लाई ओवर पुल के पास से काबू किया। पूछताछ में आरोपी ने मामले में समझौता करवाने के नाम पर जबरन वसूली करने की उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। वसूली गई 45 लाख रूपए की नगदी में से आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 40 लाख रूपए की नगदी बरामद की। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया उसने 5 लाख रूपए अपने उपर चढ़े कर्जे के चुका दिए। एसपी ने बताया कि जबरन वसूली गई नगदी में से आरोपी के कब्जे से बचे 40लाख रुपए बरामद कर वीरवार को पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से आरोपी नेमपाल को न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया।

पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह ने कहा कि जिला में इस प्रकार की वारदातों को किसी भी रूप में सहन नही किया जाएगा। किसी के साथ इस प्रकार से जबरन वसूली की जा रही है तो वह निःसंकोच पुलिस को बताए। आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पब्लिक एशिया
Web:- www.publicasia.in

आगरा में पार्किंग के लिए मनमानी वसूली

बिजनौर से पर्यटकों को लेकर आए ड्राइवर ने की शिकायत, ताजमहल मेट्रो स्टेशन का मामला

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। ताजमहल मेट्रो स्टेशन पर पार्किंग के लिए मनमानी रकम वसूलने का मामला सामने आया है। बिजनौर से पर्यटकों को लेकर आए टेंपो ट्रैवलर ड्राइवर ने शिकायत की है कि उससे पार्किंग शुल्क के नाम 200 रुपए लिए गए। बुधवार को ताजमहल मेट्रो स्टेशन पार्किंग पर बिजनौर से पर्यटकों का ग्रुप घूमने आया। पर्यटकों का ग्रुप टेंपो ट्रैवलर से आया था। ड्राइवर ने टेंपो ट्रैवलर को ताजमहल मेट्रो पार्किंग में खड़ा किया। वहां पार्किंग शुल्क के नाम पर 200 रुपए की पर्ची काटी गई। ड्राइवर किरणपाल का कहना है कि पार्किंग कर्मचारी ने 200 रुपए की पर्ची काटी है। पर्ची दिखाने को कहा गया तो उसने कहा कि पर्ची खत्म हो गई है।

पहले हो चुका है मामला

11 नवंबर को भी ऐसी ही घटना हुई थी। पुरानी मंडी चौराहा पर ताजमहल का मेट्रो स्टेशन है। सोमवार दोपहर चित्तौड़गढ़ से टैक्सी ड्राइवर महेंद्र कुमार आए थे। उनके साथ दो विदेशी पर्यटक थे। उन्होंने ताजमहल मेट्रो स्टेशन की पार्किंग में कार खड़ी की। उन्हें पार्किंग शुल्क की 100 रुपये की रसीद दी गई। महेंद्र कुमार का कहना था कि डेढ़ महीने पहले उनसे 20 रुपये पार्किंग शुल्क के लिए गए थे। उन्होंने भी वीडियो के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। कर्मचारी भी दिखाया, जिसने रसीद दी थी। कर्मचारी का कहना था कि तीन गाड़ियों की टिकट दी। ड्राइवर ने वो

अवैध बालू खनन का विरोध करने पर माफियाओं ने घर में घुसकर बोला जानलेवा हमला, दो घायल

- **दो दर्जन खनन माफियाओं ने घर में घुसकर महिलाओं व बच्चों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा**

पब्लिक एशिया ब्यूरो

पिनाहट। बीती रात को थाना पिनाहट क्षेत्र के अंतर्गत विप्रावली चंबल नदी से बड़े पैमाने पर ट्रैक्टर ट्रॉलियों से अवैद्ध बालू खनन किया जा रहा था। खनन माफिया बालू से भरी ट्रैक्टर ट्रालियों को तेज रफ्तार में दौडाते हुए ले जा रहे थे। खेत पर जा रहा किसान अवैद्ध बालू से भरी ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से बाल बाल बच गया।तेज रफ्तार बालू से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली को दौड़ने का किसान ने विरोध किया।विरोध करने पर दबंग खनन माफिया ट्रैक्टर ट्राली में भरकर किसान के घर पर आ गए और किसान के घर पर लाठी डंडा फावडा से जानलेवा हमला बोल दिया।जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दबंग खनन माफिया अवैध तमंचे से जान से मारने की धमकी देकर भाग गये।जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच है। बुधवार रात्रि को थाना पिनाहट क्षेत्र के अंतर्गत विप्रावली घाट स्थित चंबल नदी से ट्रैक्टर ट्रालियों से बड़े पैमाने पर अवैद्ध बालू खनन किया जा रहा था। खनन माफिया रात्रि के अंधेरे में बालू से भरी ट्रैक्टर ट्राली को निकाल रहे थे। और अवैद्ध बालू से भरी ट्रैक्टर ट्राली को तेज रफ्तार में दौड़ा रहे थे। तेज रफ्तार दौड़ रही बालू से भरी ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से किसान कुंदन सिंह बाल बाल बच गया। किसान ने खनन माफियाओ से बालू से भरी ट्रैक्टर ट्राली को धीमी चलने की बात कही। आरोप है जिस पर दबंग खनन माफियाओ ने गाली गलौज करना शुरू कर दिया।जिस पर किसान ने अवैध बालू खनन कर रहे ट्रैक्टर ट्राली की वीडियो बनाते हुए इसकी शिकायत पुलिस से करने की बात कही। पुलिस से शिकायत और वीडियो बनाने से दबंग खनन माफिया बौखला गये। ट्रैक्टर ट्राली में भरकर किसान के घर पर पहुंच गए।और घर में घुसकर लाठी डंडा,फावड़ा से हमला बोल दिया। महिलाओं व बच्चों को दौड़ा-दौड़ा कर मारना पीटना शुरू कर दिया। जिसमें केशव सिंह व कुंदन सिंह पुत्रगण दाताराम निवासी ग्राम तिकोनिया बिप्रावली गंभीर रूप से घायल हो गए।

आगरा में जनप्रतिनिधियों को दिखाई 'द साबरमती रिपोर्ट'

आगरा (पब्लिक एशिया ब्यूरो)। गुजरात दंगों पर बनी द साबरमती रिपोर्ट' मूवी गुरुवार को आगरा के जनप्रतिनिधियों को दिखाई गई। इसके लिए प्रशासन ने सर्व मल्टीप्लेक्स में विशेष शो आयोजित कराया। मंत्री, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा भजपा नेताओं ने इस मूवी को देखा।सर्व मल्टीप्लेक्स में प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, मेयर हेमलता दिवाकर कुशवाह, जिला पंचायत अध्यक्ष डा. मंजू भदौरिया, विधायक चौधरी बाबूलाल, पुरुषोत्तम खंडेलवाल, डा. धर्मपाल सिंह, छोटेलाल वर्मा, भगवान सिंह कुशवाह, एमएलसी विजय शिवहरे आदि ने फिल्म देखी। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष गिर्राज सिंह कुशवाह, महानगर अध्यक्ष भानु महाजन, कई भाजपा पार्षदों के साथ-साथ जिले के अधिकतर ब्लॉक प्रमुख भी मौजूद थे। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित सरकार के कई मंत्रियों ने इस फिल्म को देखा। आगरा में जिला प्रशासन की ओर से भाजपा सांसद, विधायक तथा अन्य प्रतिनिधियों के लिए शो आयोजित कराया।

- **मंत्री और विधायक के साथ भाजपा नेता पहुंचे**

जिला अस्पताल में मिली कमियां, सीआरएम टीम नाराज

- **16 सदस्यों ने मरीजों से की बात, इलाज और सुविधाएं देखी**

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। आगरा जिला अस्पताल का राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत आवंटित धनराशि और सुविधाओं की समीक्षा के लिए सीआरएम की 16 सदस्यीय टीम ने निरीक्षण किया। यह टीम जनपद के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों, उप केंद्रों, सीएचसी, जिला अस्पताल, महिला अस्पताल और एसएन मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर रही है। टीम में केंद्र के प्रतिनिधियों के साथ-साथ वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ के सदस्य भी शामिल हैं। इस निरीक्षण में कई खामियां पाई गईं। इस पर अधिकारियों ने नाराजगी जताई।

जिला अस्पताल का निरीक्षण करते हुए टीम ने विभिन्न वॉर्डों का निरीक्षण किया। वॉर्डों में भर्ती मरीजों से बातचीत की। मरीजों से सवाल किए कि उन्हें दवाइयां कहां से मिल रही हैं। सफाई दिन में कितनी बार होती है? डॉक्टर्स कितनी बार देखने आते हैं? निरीक्षण के दौरान कई कमियां पाई गईं। इमरजेंसी वॉर्ड और टॉयलेट्स की स्थिति को लेकर टीम ने आपत्तियां जताईं।

डॉ. रचना की अगुवाई में निरीक्षण के दौरान टीम को दवाइयों, ऑक्सीजन सप्लाई और बाहरी चिकित्सकों से परामर्श लेने के मामलों में कमियां मिलीं। टीम ने अपनी रिपोर्ट बना ली है। रिपोर्ट केंद्र को भेजी जाएगी। निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव साथ रहे।

उन्होंने बताया कि सीआरएम की यह टीम यह सुनिश्चित करने के लिए आगरा में सरकार द्वारा दिए गए करोड़ों रुपये की सहायता का सही तरीके से उपयोग हो रहा है या नहीं, और केंद्र द्वारा भेजी गई राशि का कहीं दुरुपयोग तो नहीं हो रहा, इन सभी मामलों का गहराई से निरीक्षण कर रही है।

जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला आयोजित

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। भारत स्काउट गाइड उत्तर प्रदेश जनपद (आगरा) में पूर्व माध्यमिक विद्यालय नगरिया ताजपुर, विकास क्षेत्र फतेहपुर सीकरी में संचालित यूनिट दुर्गा शक्ति गाइड कंपनी की यूनिट लीडर रेनू भारद्वाज ने और उनकी गाइडों के सहयोग से जलवायु परिवर्तन पर एक कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। इस कार्यक्रम में रेनू भारद्वाज ने बताया कि वर्तमान समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की समस्या से जूझ रही है, जिसमें भारत भी अछूता नहीं रह गया है। जलवायु परिवर्तन की मुख्य वजह ग्लोबल वार्मिंग और ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण पर्यावरण में ग्रीन हाउस गैसों जैसे मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड और नाइट्रस ऑक्साइड की मात्रा में वृद्धि है। जलवायु परिवर्तन से बहुत आणि होती है इसलिए हमें प्रकृति से छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। पेड़ों के कटान को रोकना चाहिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। प्रधान अध्यापक हिलेंद्र शर्मा ने भी छात्र-छात्राओं व ग्राम वासियों को कार्यक्रम में बताया कि प्राकृतिक जलवायु परिवर्तनशीलता जलवायु परिवर्तन के साथ समानांतर में होती है यानी ए ठ र ड की वजह से सुखा और बाढ़ जारी रहेगी और जलवायु परिवर्तन के कारण तीव्र हो सकती है। इसलिए भविष्य के लिए योजना बनाते समय इन प्राकृतिक उतार-चढ़ावों को भी ध्यान में रखना चाहिए। अंत में उपस्थित सभी ग्राम वासियों का विद्यालय परिवार की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित किया ।

गाइड पर टूरिस्ट पुलिस ने की कार्रवाई

ताजमहल पर विदेशी पर्यटकों के डांस का बनाया था वीडियो

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। ताजमहल पर विदेशी पर्यटकों द्वारा डांस का वीडियो वायरल होने के बाद सीआईएसएफ ने गाइड के खिलाफ लिखित शिकायत की। टूरिस्ट पुलिस ने लिखित शिकायत के आधार पर गाइड के खिलाफ 151 की कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि विदेशी पर्यटकों को डांस के लिए गाइड से मना करने के बाद भी गाइड ने रोका नहीं था। मंगलवार को एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें ताजमहल पर विदेशी पर्यटकों रॉयल गेट पर डांस कर रहे हैं। ग्रुप के सामने ही एक गाइड भी खड़ा है। बताया जा रहा है कि गाइड ने ही डांस करने के लिए बोला था। उसने इसका वीडियो भी बनाया। इस दौरान एएसआई और सीआईएसएफ के स्टाफ ने दूर से उन्हें ऐसा करने से रोका, लेकिन गाइड ने उनकी नहीं सुनी।

एसीपी ताज सुरक्षा अरीब अहमद ने बताया इस मामले में सीआईएसएफ ने टूरिस्ट गाइड रोहित कुमार के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जिसके आधार पर टूरिस्ट गाइड के खिलाफ 151 की कार्रवाई की गई है। टूरिस्ट गाइड रोहित कुमार को ताजमहल में रील्स न बनाने के नियमों के बारे में जानकारी थी। इसके बाद भी नियमों को तोड़ा गया। पास में ही सीआईएसफ का जवान भी खड़ा हुआ था। उसने टूरिस्ट गाइड को वीडियो बनाने और डांस करने से रोकने को कहा। लेकिन गाइड ने बात को अनसुना कर दिया।

पुलिस कमिश्नरेट आगरा मनायेगा अपना दूसरा स्थापना दिवस

- **पुलिस कमिश्नरेट आगरा में इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुआ बदलाव, आधुनिक हुए थाना और कार्यालय, जनता को मिल रही बेहतर सुविधाएं**

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। भारत के सबसे पुराने एवं विशाल पुलिस बल में से एक उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा जनपद आगरा की कानून एवं व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया जाता है, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आगरा के पुलिस प्रशासन में सुधार करते हुए दिनांक 26.11.2022 को आगरा में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू की गयी। अब दिनांक 26.11.2024 को दूसरा स्थापना दिवस मनाया जा रहा है।

पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने के उपरान्त कमिश्नरेट आगरा में को अनुभवी पुलिस अधिकारीगण का नेतृत्व मिला, इसी क्रम में डॉ. प्रीतीन्दर सिहं (क्ढर) पुलिस कमिश्नरेट आगरा के पुलिस आयुक्त बनें, तदोपरान्त रवीन्दर गौड (क्ढर) कमिश्नरेट आगरा के पुलिस आयुक्त बने।

भवनों का हुआ जीर्णोद्धार, हाइटेक हुई आगरा पुलिस

जीर्णोद्धार के बाद पुलिस कमिश्नरेट आगरा के थाने हाइटेक हो रहे है जो आम जन को बेहतर पुलिस सेवाएं प्रदान कर रहे है। जैसे थाना हरीपर्वत, थाना लोहामण्डी, थाना जगदीशपुरा, थाना सिकन्दरा, थाना खेरागढ़, थाना जगनेर, थाना बसई जगनेर आदि इसकी मिसाल हैं। अधिकांश थानों में अत्याधुनिक कॉन्फ्रेस हॉल, कार्यालय, कंप्यूटर रूम, ई-मालखाना सहित भवनो का नवीनीकरण किया गया है। थाने में हेल्प डेस्क, पार्किंग, उपनिरीक्षकों

के कक्ष सब कुछ बदलकर अब आधुनिक हो गये है। गेस्ट रूम समेत कई फैसिलिटी हैं। और बेहद खूबसूरत गेस्ट रूम बनाये गए हैं। जैसे ही आप इन थानों में जाएंगे, ऐसा लगेगा ही नहीं की आप किसी पुलिस स्टेशन में हैं। आपको महसूस होगा कि आप किसी अच्छे होटल में प्रवेश कर रहे हैं।

साइबर अपराध पर प्रभावी रोकथाम हेतु पुलिस कमिश्नरेट आगरा में साइबर क्राइम सेल का नवीनीकरण कर आधुनिक साइबर क्राइम सेल बनाया गया है।

इस आधुनिक साइबर क्राइम सेल में साइबर अपराध रोकथाम हेतु आधुनिक वर्क स्टेशन, कार्यालय एवं शिकायत लेकर आने वाले लोगों की सुविधा हेतु विजिटर रूम बनाया गया है।

परिवार परामर्श केन्द्र

परिवारों के मध्य होने वाली कहा सुनी एवं छोटी छोटी बातो से एक दूसरे के मध्य आने बाली दरारों को भर रहा आधुनिक सुविधाओं से युक्त वातानुकूलित परिवार परामर्श केन्द्र बनाया गया है, जिसमें कुल आठ कक्ष बनाये गये, जिनमें दंपतियों के निजता का ध्यान रखते हुए कुशल काउंसलर्स द्वारा काउंसलिंग की जाती है एवं काउंसलिंग हेतु आने वाले दंपत्तियों के छोटे छोटे बच्चों की देखभाल हेतु एक क्रेच भी बनाया गया है।

आर्मी पब्लिक स्कूल को समर से समृद्धि की ओर थीम पर आधारित एनसीसी साइक्लोथॉन की मेजबानी मिली

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। आर्मी पब्लिक स्कूल, आगरा को 21 नवंबर 2024 को मिशन संग्राम 1857: समर से समृद्धि की ओर थीम पर आधारित एनसीसी साइक्लोथॉन की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ। यह आयोजन विद्यालय की प्राचार्या, डॉ. रूपाली गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। इस पहल का उद्देश्य 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वीर नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित करना, छात्रों में देशभक्ति की भावना का संचार करना, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस साइक्लोथॉन का नेतृत्व ब्रिगेडियर एन. एस. चाराग, एसएम, कमांडर एनसीसी ग्रुप, आगरा ने किया। इस कार्यक्रम ने युवाओं के मन में साहस, धैर्य और अनुशासन जैसे मूल्य स्थापित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। उप-प्राचार्या, श्रीमती पूनम कोहली के नेतृत्व में विद्यालय ने कैडेट्स का उत्साहपूर्ण स्वागत किया।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, एसडब्ल्यूओ तान्या ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान दिया, जिसने छात्रों को इतिहास से सीखने के लिए प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त, कैडेट्स ने 1857 के विद्रोह पर आधारित एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसने छात्रों पर गहरा प्रभाव दिखाई दिया।

पुलिस जे मोबाइल चोरी करने वाली दो महिलाओं को गिरफ्तार कर जेल भेजा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

शिकोहाबाद। पुलिस ने लोगों के मोबाइल पर हाथ साफ करने वाली दो महिलाओं को छीछामई गांव के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस को महिलाओं के पास से दो मोबाइल बरामद हुए। नितेश पुत्र अखिलेश निवासी नगला पाल थाना बिछमा जिला मैनपुरी के 20 नवम्बर को अज्ञात चोरों ने 2 मोबाइल चोरी कर ले लिए थे। उक्त सम्बंध में पीड़ित ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने तत्काल घटना के खुलासे के लिए टीम का गठन करते हुए मोबाइल को सर्विलांस पर लगाया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मोबाइल चोरी करने वाली दो महिलाएं छीछामई पुल पर बैराज के पास किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़ी है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को महिलाओं के पास से दो चोरी के मोबाइल बरामद हुए। पुलिस ने महिलाओं के नाम सपीका पत्नी ज्वाला सिंह, काडी पत्नी ओमप्रकाश निवासी कडिया थाना बोडा जिला राजगढ मध्य प्रदेश बताया। पुलिस ने दोनों महिलाओं को जेल भेज दिया।

सर्किल रेट प्रकरण को लेकर दूसरे दिन भी रजिस्ट्री कार्य रहा ठप्प

पब्लिक एशिया ब्यूरो

शिकोहाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इंडस्ट्रियल हब बनाने के लिए आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे के सहारे नसीरपुर क्षेत्र में जमीन अधिग्रहित की जा रही है। इंडस्ट्रियल हब बनाने के लिए ग्राम नसीरपुर के किसानों की जमीन अधिग्रहीत की जा रही है। शिकोहाबाद वार के वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद कुमार यादव व उनके परिवार की 50 वीघा बेशकीमती जमीन पुरानी सर्किल रेट से अधिग्रहीत की जा रही है। जबकि पास के गाँवों में सर्किल रेट कई गुना अधिक है। इसी मामले को लेकर आज गुरूवार दूसरे दिन अधिवक्ताओं ने बैनामा की रजिस्ट्री कार्य व राजस्व न्यायालय का बहिष्कार किया। अधिवक्ताओं के आन्दोलन को समाप्त कराने के लिये एसडीएम शिकोहाबाद अंकित कुमार ने वार्ता के लिए वकीलों को बुलाया। वार के अध्यक्ष हरिओम यादव की अध्यक्षता में एसडीएम से वार्ता हुई लेकिन वार्ता असफल रही। अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम को देकर नसीरपुर क्षेत्र में सर्किल रेट बढाने की माँग की गई। अधिवक्ताओं ने जनपद की सभी तहसील वार व जिला सिविल वार व जिला रेवेन्यू वार से समर्थन की माँग की है।इस मौके उम्मेद बाबू महासचिव, अखिलेश, विनय, कुलदीप, गोरव, अनुज, गिर्राज, अशोक यादव, प्रवीण यादव एडवोकेट, के पी सिंह, ब्रजेश चन्द्र, सुभाष चंद्र, राजेश यादव, श्यामबाबू यादव, दिनेश सिंह आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

पब्लिक एशिया
Web:- www.publicasia.in

आतंकी घुसपैठ का मामला : जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में एनआईए ने की ताबड़तोड़ छापेमारी

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार सुबह जम्मू के कई इलाकों में बड़ी छापेमारी की। यह छापे एक नए दर्ज मामले से संबंधित हैं, जिसमें पाकिस्तान से आतंकवादियों की घुसपैठ का आरोप लगाया गया है। पिछले दिनों घाटी में कई आतंकी घटनाएं हुई हैं। जिसके बाद आतंकियों के खिलाफ सुरक्षबालों का एक्शन भी तेज हो चुका है। एनआईए की इस कार्रवाई को आतंकियों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के रुप में देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार एनआईए की इस छापेमारी का मकसद पाकिस्तानी आतंकियों के भारत में घुसने के प्रयासों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाना है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस और अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की मदद से एनआईए के अधिकारी कई स्थानों पर छापेमारी कर रहे हैं। इससे पहले, एनआईए ने 5 अक्टूबर को 5 राज्यों के 22 ठिकानों पर आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग के शक में एक साथ छापेमारी की थी। एनआईए की ओर से यह छापेमारी महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, असम और दिल्ली में छापेमारी की गई थी। यह कार्रवाई आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मामलों को लेकर की गई थी। एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में बारामूला और अन्य क्षेत्रों में भी छापेमारी की थी। बारामूला में मौलवी इकबाल भट के घर पर एनआईए ने सुरक्षा बलों की मदद से तलाशी ली थी।

मणिपुर में हिंसा रोकने आठ कंपनियां पहुंची, संवेदनशील इलाकों में होंगी तैनाती

इंफाल। मणिपुर में हिंसा के बीच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 8 कंपनियां इंफाल पहुंच गई हैं। जिन्हें संवेदनशील और सीमांत इलाकों में तैनात किया जाएगा। एक अधिकारी ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को सीएपीएफ की 11 कंपनियों का एक और जत्था इंफाल पहुंचा। अधिकारी ने कहा कि सीआरपीएफ और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की चार-चार कंपनियां राज्य के संवेदनशील और सीमांत इलाकों में तैनात की जाएंगी। सीआरपीएफ की कंपनियों में से एक महिला बटालियन की है। केंद्र ने घोषणा की है कि मणिपुर में सीएपीएफ की 50 नई कंपनियां तैनात की जाएंगी। राज्य में हिंसा बढ़ गई है और पिछले सप्ताह पहाड़ी जिले जिरीबाम में कांग्रेस और बीजेपी कार्यालयों में तोड़फोड़ भी की गई थी। सुरक्षा बलों ने विगत दिवस मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह के पैतृक निवास पर हमला करने की आंदोलनकारियों की कोशिश को नाकाम कर दिया था। हिंसा तब और भड़क गई जब 11 नवंबर को सुरक्षा बलों और संदिग्ध कुकी-जो उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद जिरीबाम जिले में एक राहत शिविर से मेइती समुदाय की तीन महिलाएं और तीन बच्चे लापता हो गए। इस मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए थे। पिछले कुछ दिनों में इन छह लापता लोगों के शव बरामद किए गए हैं। पिछले साल मई से इम्फाल घाटी स्थित मेइती और आसपास की पहाड़ियों पर बसे कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 220 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

नतीजा कुछ भी आए.... शरद पवार गुट के नेता ने निकाला विजय जुलूस

मुंबई । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे शनिवार को आने हैं। इसके पहले पूरे प्रदेश में प्रत्याशियों की धड़कनें तेज हैं। एग्जिट पोल्स में टाइट फाइट दिखाने से टेंशन और बढ़ गई है। इस बीच शरद पवार की एनसीपी के प्रत्याशी ने नतीजों से पहले ही विजय जुलूस निकाल लिया है। इसके अलावा इलाके में उनकी जीत को लेकर समर्थकों ने पोस्टर भी लगा दिए हैं। यह मामला पुणे की खडकवासला सीट का है। यहां से एनसीपी-एसपी के प्रत्याशी सचिन डोडके ने पहले ही जुलूस निकाल लिया है। डोडके का मुकाबला खडकवासला सीट पर भाजपा के भीमराव तापकिर और मनसे के मयूरेश वंजाले से था। भाजपा के भीमराव पहले से विधायक हैं और भाजपा ने फिर से उन्हें भरोसा जताकर टिकट दिया था। 2019 के चुनाव में भी डोडके मुकाबले में उतरे थे, लेकिन महज 2500 वोटों के अंतर से हार गए थे। इस चुनाव में मनसे ने अपने पूर्व विधायक रमेश वंजाले के बेटे मयूरेश को चुनाव में उतारा था। इससे साफ था कि फाइट टाइट है। फिलहाल साफ नहीं है कि नतीजा क्या रहेगा और 23 तारीख का इंतजार है। फिर भी डोडके इतने आत्मविश्वास में हैं कि पहले ही जुलूस निकाल लिया। उनकी जीत के पोस्टर भी इलाके में लग चुके हैं। रैली निकाली गई, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इससे पहले 2019 में भी सचिन डोडके के समर्थकों ने नतीजों से पहले ही उनकी जीत की बधाई वाले पोस्टर लगा दिए थे। हालांकि नतीजा आया तब वह ढाई हजार वोटों के मामूली अंतर से परास्त हो गए।

दिल्ली में केजरीवाल के शीशमहल के खिलाफ भाजपा ने खोला मोर्चा

कर्नाटक के शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा एक छात्र पर अपना आपा खो बैठे, जब छात्र ने टिप्पणी की कि वह (मंत्री) कन्नड़ ठीक से नहीं बोलता है। यह घटना सरकारी प्री-डिग्री कॉलेज के छात्रों के लिए राज्य की मुफ्त ऑनलाइन एनईईटी और सीईटी कोचिंग के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां एक अनदेखे छात्र ने लाइव बातचीत के दौरान उल्लेख किया कि मंत्री ठीक से कन्नड़ नहीं बोलते हैं। बयान पर भड़कते हुए, कर्नाटक के शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों से यह पता लगाने की मांग की कि वास्तव में किसने ऐसी टिप्पणी की थी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसके बाद राज्य मंत्री को प्रधान सचिव रितेश कुमार को किसी भी कीमत पर मामला नहीं छोड़ने का निर्देश देते हुए भी देखा जा सकता है।

सुप्रिया और नाना पटोले के ओडियों क्लीप एआई जनरेटेड...जांच में वॉयस नोट्स फर्जी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर वोटिंग से ठीक पहले 19 नवंबर की रात 11 बजे के करीब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने आधिकारिक एक्स पर चार ऑडियो क्लिप पोस्ट किए। इन क्लिप की पड़ताल करने पर पता चला कि ये चार में से तीन ऑडियो क्लिप एआई जनरेटेड थे। इसके साथ बीजेपी ने दावा किया कि ये विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं, सुप्रिया सुले (एनसीपी शरद पवार), नाना पटोले (कांग्रेस), आईपीएस अधिकारी अमिताभ गुप्ता और एक ऑडिट फर्म के कर्मचारी गौरव मेहता के बीच हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग हैं।

बीजेपी ने आरोप लगाया कि ये ऑडियो रिकॉर्डिंग विपक्षी नेताओं सुप्रिया सुले और नाना पटोले ने 2018 के क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी मामले से बिटकॉइन का दुरुपयोग कर राज्य में चुनावों के लिए फंड जुटाने के सबूत हैं। इसके अलावा, ऑडियो क्लिप में शामिल अन्य दो व्यक्ति की आवाजों को लेकर बीजेपी का दावा है कि ये अमिताभ गुप्ता, जो कि फिलहाल भारत तिब्बत सीमा पुलिस के महानिरीक्षक हैं और गौरव मेहता की आवाजें हैं। गौरव एक ऑडिट फर्म, सारथी एसोसिएट्स के कर्मचारी हैं।

पुणे के पूर्व पुलिस अधिकारी रवींद्रनाथ पाटिल ने आरोप लगाया कि सुप्रिया, पटोले, आईपीएस गुप्ता (तत्कालीन पुणे पुलिस आयुक्त), ऑडिट फर्म के कर्मचारी मेहता और आईपीएस अधिकारी भाग्यश्री नवटके बिटकॉइन की हेराफेरी में शामिल थे। बताया जाता हैं कि पाटिल ने दावा किया कि उन्हें नामित लोगों के बीच बातचीत के वॉयस नोट भेजे गए थे। इसके बाद बीजेपी ने एक्स पर इन आरोपों से जोड़कर ये चार कथित वॉयस नोट पोस्ट किए।

इस फर्जी रिकॉर्डिंग में, सुप्रिया और नाना पटोले की आवाजें सुनी जा सकती हैं, जो चार क्रिप्टो वॉलेट्स में संग्रहीत बिटकॉइन के बदले में नकद मांग रहे हैं और मामले की कोई जांच नहीं करने का वादा भी कर रहे हैं। जांच पड़ताल के दौरान पाया कि बीजेपी की ओर से पोस्ट किए गए वॉयस नोट्स फर्जी हैं। इन्हें जनरेटिव एआई तकनीक की मदद से बनाया गया है। इस दौरान हमें चार में से तीन ऑडियो क्लिप के एआई जनरेटेड होने के पर्याप्त सबूत मिले। इन वॉयस नोट्स में से एक महज पांच सेकंड का था, जिसके चलते इसका रिजल्ट अनिर्णायक था, जो संभवतः इसकी छोटी आवधि के कारण था।

महाराष्ट्र चुनाव के बीच वायरल ऑडियो से गरमाई सियासत

महाराष्ट्र में बुधवार (20 नवंबर) को वोटिंग संपन्न हो गई। अब 23 नवंबर को वोटों की गिनती होगी, इसके साथ ही नतीजे सामने आएंगे। वर्तमान में, राज्य का नेतृत्व महायुती गठबंधन कर रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, बीजेपी और एनसीपी (अजित पवार गुट) शामिल है। विपक्ष में महाविकास अघाड़ी है, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार गुट) के बीच गठबंधन है।

बार-बार मारने की धमकी ना दे, हम डरते नहीं हैं.... सांसद पप्पू यादव ने ऐसा क्यों कहा

कटिहार । सांसद पप्पू यादव ने कहा कि वे ना पाकिस्तान के, ना मलेशिया के और ना ही नेपाल के क्रिमिनल से डरते हैं। बार-बार मारने की धमकी ना दे, जब मन हो आ जाए, हम आम आदमी की तरह रहते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें जान से मारने की धमकियां लगातार मिल रही हैं। धमकी देने वालों में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आ रहा है। पप्पू ने बताया कि उन्हें फोन कॉल और मोबाइल एसएमएस के जरिए धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि मुझे मरवाना है तब मरवाएं, लेकिन परिवार की बात नहीं करें। उन्होंने कहा कि 27 तारीख से संसद सत्र शुरू हो रहा है पूर्णिया सांसद यादव ने कहा कि धमकियों को लेकर नीतिश सरकार गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके पीछे कौन लोग हैं ये सामने आना चाहिए।

बिना व्यवस्था में बैठे लोगों की सहमति से यह सब होना संभव नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से पप्पू यादव को लगातार धमकियां मिल रही हैं। बताया जा रहा बिश्नोई गैंग के गुर्गे पप्पू यादव को धमकी दे रहे हैं। 18 नवंबर को पप्पू को पाकिस्तान के नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया था। धमकी देकर शख्स ने कहा था कि अगर पप्पू यादव ने लॉरेंस बिश्नोई से माफी नहीं मांगी, तब 24 दिसंबर से पहले जान से मार दिया जाएगा।

आप में सब कुछ ठीक नहीं, आगामी चुनाव में केजरीवाल के सामने होंगी कई चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) नेता और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की स्थिति इस बार चुनौतीपूर्ण हो सकती है। चुनाव के मद्देनजर कुछ बड़े नेताओं ने पार्टी को अलविदा कह दिया है, जिनमें प्रमुख नाम कुमार विश्वास, कपिल मिश्रा और आशुतोष जैसे नेता शामिल हैं। इसके अलावा, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जैसे प्रमुख नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों से केजरीवाल की छवि को नुकसान हो सकता है।

अभी कुछ दिन पहले ही आप पार्टी के वरिष्ठ नेता कैलाश गहलोत और राज कुमार चौहान ने भी पार्टी दी है, जबकि स्वाति मालीवाल के साथ केजरीवाल का विवाद तूल पकड़ सकता है। स्वाति ने केजरीवाल से कई बार सुलह करने के संकेत दिए, लेकिन केजरीवाल ने इसमें हस्तक्षेप किया। इस कारण से पार्टी के अंदर असंतोष बढ़ सकता है। पार्टी में आतिशी को अस्थायी सीएम बनाने का फैसला भी विपक्ष के लिए एक मुद्दा बन सकता है। हालांकि केजरीवाल ने इसे मास्टरस्ट्रोक माना था, लेकिन पार्टी के अंदर ही इसके असर को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

इस चुनावी दौर में केजरीवाल ने सभी 70 सीटों पर अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए खुद को प्रमुख चेहरा बनाने का फैसला किया है। यह रणनीति बीजेपी द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे को प्रमुख बनाकर किए गए प्रयोग जैसा हो सकता है, जो बीजेपी के लिए सफल रहा है, लेकिन आप पार्टी के लिए यह उतना कारगर साबित नहीं हो सकता। इन तमाम आंतरिक और बाहरी चुनौतियों के बीच केजरीवाल के लिए आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करना आसान नहीं दिखता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे

- नई दिल्ली के भारत मंडपम् में 25 से 30 नवंबर के दौरान होगा कार्यक्रम

- कार्यक्रम में भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और फिजी के उप प्रधानमंत्री मनोआ कामिकामिका भी मौजूद रहेंगे

- आईसीए ग्लोबल कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र के बाद 'रोशडेल पायनियर्स अवार्ड्स' प्रदान किए जाएंगे

नई दिल्ली/इन्दौर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे। इसकी घोषणा सहकारी संस्था इफको, भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालयऔर अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई।

वैश्विक सहकारी आंदोलन के लिए प्रमुख निकाय, अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के 130 साल के लंबे इतिहास में पहली बार इफको की पहल परआईसीए महासभा और वैश्विक सहकारी सम्मेलन की मेजबानी भारत द्वारा की जाएगी। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने बताया कि भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 25 नवंबर 2024 को दोपहर 3 बजे अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। वे मुख्य अतिथि के रूप में वैश्विक सहकारी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगे। इस कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025 पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया जाएगा।

इफको लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने बताया कि भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और फिजी के उप प्रधानमंत्री महामहिम मनोआ कामिकामिका भी सम्मानित अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम 25 नवंबर से 30 नवंबर 2024 तक भारत मंडपम, आईटीपीओ, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का विषय होगा 'सहकारिता से सभी की समृद्धि का निर्माण' और उप-विषय होंगे -

* सक्षम नीति और उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र
* सभी के लिए समृद्धि बनाने को उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व का पोषण
* सहकारी पहचान की पुष्टि
*भविष्य को आकार देना =21वीं सदी में सभी के लिए समृद्धि का एहसास करना।

सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने बताया कि इस आयोजन का विषय 'सहकारिता से सभी की समृद्धि का निर्माण' भारत सरकार के नारे 'सहकार से समृद्धि' के अनुरूप है, जिसका सही अर्थ है 'सहकारिता के माध्यम से समृद्धि'। अलग सहकारिता मंत्रालय के गठन और अमित शाह के पहले केंद्रीय सहकारिता मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के साथ भारतीय सहकारी क्षेत्र ने सहकारी आंदोलन के विकास और वृद्धि के लिए 54 बड़ी पहलों को शुरू करके राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में अधिक योगदान प्राप्त करते हुए नई उपलब्धियां हासिल की हैं। चाहे वह पैक्स का कंप्यूटरीकरण हो या उन क्षेत्रों में तीन नई बहुराज्यीय सहकारी समितियों का गठन, जहां सहकारी समितियों की राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति नहीं थी, इन सभी कदमों ने भारत को वैश्विक सहकारी आंदोलन में सबसे आगे रखा है और भारत सबसे तेजी से बढ़ते सहकारी क्षेत्रों में से एक बन गया है। इस कार्यक्रम में रोशडेल पायनियर्स अवार्ड 2025 भी प्रदान किया जाएगा, जो सहकारी समितियों के विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए व्यक्तियों या संगठनों को दिया जाता है।

सहकारी संस्था इफको लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने कहा, इस सम्मेलन का विषय सहकारिता सभी के लिए समृद्धि का निर्माण करती है है। हमारा दीर्घकालिक उद्देश्य एक ऐसा सहकारी आंदोलन बनाना है जो समृद्ध और सुरक्षित हो। विचारों के आकर्षक आदान-प्रदान के लिए अपने घर में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों की मेजबानी करना हमारे लिए सम्मान की बात है।

इफको ने हमेशा भारतीय किसानों के हितों को अपने दिल में रखा है। यही वजह है कि इस सम्मेलन का उपयोग भारतीय गांव की थीम पर स्थापित हाट में भारतीय सहकारी समितियों के उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) दुनिया भर में सहकारी समितियों की आवाज है। यह एक गैर-लाभकारी अंतर्राष्ट्रीय संघ है जिसकी स्थापना वर्ष 1895 में सहकारी सामाजिक उद्यम मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए की गई थी।

बिहार के आश्रय गृह में मौत का मामला, एनएचआरसी ने नीतीश सरकार को जारी किया नोटिस

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बिहार के पटना के पटेल नगर इलाके में एक आश्रय गृह में खाद्य विषाक्तता की घटना की मीडिया रिपोर्टों के जवाब में स्वत:-संज्ञान शुरू किया है। 7-11 नवंबर, 2024 के बीच हुई इस घटना ने मानसिक स्वास्थ्य और बेघर महिलाओं की सुविधा में 13 महिला कैदियों को प्रभावित किया। दुखद रूप से, तीन महिलाओं की जान चली गई, जबकि अन्य में रात का खाना खाने के बाद उल्टी और दस्त जैसे लक्षण विकसित हुए।

प्रभावित लोगों को जल्द ही इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) में स्थानांतरित कर दिया गया। घटना के मद्देनजर बिहार सरकार के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण निदेशालय द्वारा वित्त पोषित आवास अब कथित तौर पर जांच के दायरे में है। एनएचआरसी ने इस मामले से उजागर हुए संभावित मानवाधिकार उल्लंघनों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि, कानूनी संरक्षक के रूप में, शरण अधिकारी अपनी देखभाल के तहत कैदियों के कल्याण के लिए जिम्मेदार हैं। परिषद ने इस घटना को एक गंभीर मामला बताया जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

रिपोर्ट के मद्देनजर एनएचआरसी ने बिहार के मुख्य सचिव को नोटिस भेजकर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने का अनुरोध किया है. ÷रिपोर्ट में पीड़ितों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, प्रभावित व्यक्तियों या उनके परिवारों को मुआवजा प्रदान किया गया है या नहीं और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बिहार सरकार द्वारा उठाए गए उपाय शामिल होने चाहिए।÷ 14 नवंबर, 2024 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आश्रय गृह के निरीक्षण से पता चला कि कैदी अस्वच्छ परिस्थितियों में रह रहे थे। इसके अलावा, सुविधा में भोजन तैयार करने की प्रक्रिया उचित स्वच्छता मानकों को बनाए रखने में अपर्याप्त पाई गई, जिसने भोजन विषाक्तता में योगदान दिया हो सकता है।

उमर अब्दुल्ला ने किया पूंछ का दौरा, कहा- 24 अलग-अलग प्रतिनिधिमंडलों से मैं खुद मिला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने डाक बंगले में पुंछ में विकास परियोजनाओं पर 21 सार्वजनिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव के बाद जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए आज हम पुंछ आए थे। जम्मू में ये पहला जिला है जहां हमने विकास के हवाले से अधिकारियों की बात सुनी है। यहां लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधि भी मौजूद थे। अफसरों से बातचीत हुई, कुछ मुद्दों के लिए वहीं उन्हें जवाबदेह बनाया गया। हमारा फर्ज है कि हम लोगों के साथ तालमेल बनाए रखें। आज लगभग 24 अलग-अलग प्रतिनिधिमंडलों से मैं खुद मिला और यहां जो भी कमियां हैं उसके लिए हिदायत दी गई है।

इससे पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उनके लिए विशेष रूप से रखी गई बड़ी कुर्सी पर बैठने से इनकार कर दिया। अब्दुल्ला ने चट्ठा स्थित शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) के मुख्य परिसर में चार दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि शिखर सम्मेलन एवं किसान मेले' का उद्घाटन किया। मंच पर पहुंचे अब्दुल्ला ने देखा की उनकी कुर्सी बड़ी थी। उन्होंने एसकेयूएएसटी के प्रबंधन से उनके लिए भी मंच पर बैठे अन्य लोगों जैसी कुर्सी रखने का अनुरोध किया। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जम्मू के प्रति चिंता नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने दरबार मूव के महत्व पर भी जोर दिया और उसे एक ऐसी परंपरा बताया जो दोनों क्षेत्रों के बीच एकता और सद्भाव को बढ़ावा देती थी। इसके तहत सरकार श्रीनगर और जम्मू से छह-छह महीने तक काम करती थी।

प्रदूषण का कहर: यूपी, हरियाणा, राजस्थान में सैकड़ों स्कूलों में छुट्टी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्राकृतिक आपदाओं के अलावा अब मानव निर्मित आपदा(प्रदूषण) ने कहर बरपाना शुरु कर दिया है। यूपी, हरियाणा, राजस्थान सहित कई राज्यों में सांस लेना मुश्किल हो गया है। दिल्ली के स्कूल और यूनिवर्सिटी बंद कर दिए गए। यहां पर 23 नवंबर तक ऑनलाइन क्लासेज चलेंगी। इसी तरह यूपी के 6 जिलों में भी वायु प्रदूषण के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली से सटे नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ आदि जिलों के 12वीं तक के स्कूल पहले ही बंद करने के आदेश दिए गए थे। अब वायु प्रदूषण के कारण उत्तर प्रदेश के हापुड़, बुलंदशहर, बागपत आदि जिलों के भी स्कूल बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। यहां भी प्रशासन ने एहतियातन इंटरमीडिएट तक के स्कूल और कॉलेज आगामी आदेश तक बंद रखने को कहा है।

उत्तर प्रदेश के इन जिलों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) काफी बढ़ गया है। गाजियाबाद में एक्यूआई 367, मेरठ का 248, बुलंदशहर का 322, और बागपत का 187 है, जबकि सबसे अधिक एक्यूआई हापुड़ का है। यहां यह इंडेक्स 519 तक पहुंच गया है, जिसके कारण यहां के स्कूलों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद आदि जिलों के स्कूल तो पहले ही बंद रखने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके अलावा भी कई जिलों में स्कूलों को बंद रखने के आदेश हैं। हरियाणा के रेवाड़ी के जिलाधिकारी अभिषेक मीणा ने प्रदूषण के कारण 12वीं तक की कक्षाएं न लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूल 23 नवंबर तक बंद रहेंगे। भिवानी जिले के डीसी महाबीर कौशिक ने 12वीं तक के सरकारी और निजी स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। यहां पर आगामी आदेशों तक स्कूल बंद रहेंगे और ऑनलाइन क्लासेज चलाई जाएंगी। चरखी दादरी जिले के स्कूलों को भी बढ़ते प्रदूषण के कारण 23 नवंबर तक बंद रखने के निर्देश हैं। जिलाधीश मुनीष शर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

राजस्थान में पहली बार प्रदूषण के कारण स्कूल बंद रखा गया है। यहां के खैरथल जिले के स्कूलों को बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। यहां के कलेक्टर किशोर कुमार ने सभी निजी व सरकारी स्कूलों के अवकाश की घोषणा की है। यह आदेश पांचवीं तक के स्कूलों के लिए जारी किया गया है, जो आगामी आदेश तक लागू रहेगा। राजस्थान के भी कई जिलों का एयर क्वालिटी इंडेक्स काफी बढ़ा हुआ है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि राजस्थान के लगभग 25 जिलों का एक्यूआई लेवल मंगलवार को औसतन 200 है।

संक्षिप्त समाचार

सुमित वुड्स लिमिटेडने क्यू2 एफवाय25 में एकीकृत शुद्ध लाभ में 171 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी

मुंबई , एजेसी। सुमित वुड्स लिमिटेड जो उच्च गुणवत्ता वाले आवासीय और सामुदायिक स्थानों के निर्माण में समर्पित है, ने क्यू2 एफवाय25 के लिए अपने अप्रत्यक्ष वित्तीय परिणामों की घोषणा की। सुमित वुड्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री मिताराम जांगिड ने कहा, मुझे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने इस तिमाही के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की है, जो हमारी केंद्रित रणनीति और प्रमुख प्रकल्पों में निरंतर सफलता को दर्शाता है। हमारी आय और लाभ में वृद्धि सुमित अतुल्यम जैसे रणनीतिक प्रकल्पों की सफलता के परिणामस्वरूप हुई है, और प्रभादेवी और दत्तानी ट्रेड सेंटर में हमारे नए प्रकल्पों के आसपास सकारात्मक घटनाक्रमों के कारण हुई है। ये मील के पत्थर यह दर्शाते हैं कि हम लगातार मूल्य सृजन करने और वृद्धि के लिए नए अवसरों को खोलने में सक्षम हैं। प्रमुख प्रकल्पों की समाप्ति और आर्केन्सिएल के लिए ऑक्युपन्सी सर्टिफिकेट और सुमित चग्ह्र परम के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्र जैसे महत्वपूर्ण अनुमोदनों की प्राप्ति यह साबित करती है कि हम समय पर गुणवत्ता वाले प्रकल्प देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रभादेवी और दत्तानी जैसे उच्च-मूल्य पुनर्विकास प्रकल्पों के लिए विकसक के रूप में चयन होना रियल एस्टेट क्षेत्र में हमारी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करता है।

फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड ने वित्तीय परिणामों की घोषणा की

चेन्नई, एजेसी। फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड एक क्रिएटिव विजुअल इफेक्ट्स स्टूडियो, ने एच1 एफवाय 2024-25 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी÷ फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री बेजॉय अर्पुथराज ने कहा, फैंटमएफएक्स में हमने जो उल्लेखनीय प्रगति और वृद्धि हासिल की है, उस पर मुझे अत्यधिक गर्व है। इस छमाही में कंपनी के लिए एक परिवर्तनकारी समय रहा है, जिसमें राजस्व में 92 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 79 करोड़ तक पहुंच गया है– जिसमें से 35 करोड़ एच1 में प्राप्त हुए, जबकि शेष 44 करोड़ की बिलिंग ॥2 में अपेक्षित है। हम एफवाय 23-24 के हमारे प्रदर्शन के अनुरूप सतत परिचालन मार्जिन बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

इंस्पायर फिल्म्स ने एच1 एफवाय25 के परिणामों की घोषणा की

मुंबई , एजेसी। इंस्पायर फिल्म्स लिमिटेड जो कि एक प्रमुख कंटेंट क्रिएशन और प्रोडक्शन कंपनी है, ने एच1 एफवाय25 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। 20-एपिसोड रोमांस ड्रामा के लिए वैश्विक ओटीटी सौदा प्राप्त÷ डिजिटल मनोरंजन में रणनीतिक विस्तार, एक बेस्टसेलिंग उपन्यास की लोकप्रियता का लाभ उठाकर वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने की कोशिश। भारतीय प्रसारण नेटवर्क के साथ प्रमुख वितरण सौदा÷ एक प्रमुख जीईसी पर प्रसारित होने वाली तीन वेब श्रृंखलाएं, विविध शैली की पेशकशों के माध्यम से इंस्पायर फिल्म्स के राजस्व और दर्शकों के आधार को बढ़ाएंगी। फ्रेश मिंट भारत की युवा पीढ़ी को संबंधित कहानियों और विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों पर नए राजस्व अवसरों के साथ लक्षित करता है।

टाटा पावर ने पड़ोसी देश की कंपनी से की डील, क्लीन एनर्जी पर मिलकर करेंगे काम

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा पावर ने भूटान में 5,000 मेगावाट की क्लीन एनर्जी कैपिसिटी के डेवलपमेंट के लिए एक बड़ी डील की है। यह डील भूटान की कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के साथ की गई है। बता दें कि डीजीपीसी, ड्रुक होल्डिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड की सब्सिडयरी है। यह भूटान की एकमात्र बिजली उत्पादन कंपनी है।

टाटा पावर ने कहा कि यह एशिया के क्लीन एनर्जी सेक्टर में दोनों देशों की दो प्रमुख बिजली कंपनियों के बीच सबसे बड़ी साझेदारी है। इस डील के तहत कम-से-कम 5,000 मेगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट विकसित की जाएंगी। इसमें 1,125 मेगावाट क्षमता की डोरजिलुंग जलविद्युत परियोजना सहित 4,500 मेगावाट क्षमता की जलविद्युत परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, टाटा पावर की सब्सिडयरी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड 500 मेगावाट की सोलर प्रोजेक्ट्स (टीपीआरईएल) विकसित करेगी।

टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा- टाटा पावर की ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन के साथ साझेदारी क्षेत्र में पसंदीदा क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट के रूप में हमारी साख को मजबूत करती है। हम मिलकर 5,000 मेगावाट की क्लीन एनर्जी कैपिसिटी सृजित करेंगे। यह पार्टनरशिप भूटान की जलविद्युत क्षमता का उपयोग करने में मदद करेगी और भरोसेमंद तथा 24 घंटे क्लीन एनर्जी आपूर्ति के जरिये दोनों देशों की बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करेगी।

बता दें कि टाटा पावर का 2008 से डीजीपीसी के साथ एक लंबे समय से संबंध रहा है। उस समय दोनों कंपनियां भूटान के जलविद्युत क्षेत्र में पहली सार्वजनिक-निजी भागीदारी के रूप में 126 मेगावाट क्षमता की दगाछू जलविद्युत संयंत्र को सफलतापूर्वक विकसित करने के लिए साथ आई थीं। टाटा पावर के पास 1,200 किलोमीटर लंबी टाला ट्रांसमिशन लाइन परियोजना भी है। कंपनी इसके जरिये भूटान से भारत तक स्वच्छ बिजली पहुंचाती है।

टाटा पावर के शेयर का हाल

बीते कुछ समय से टाटा पावर के शेयर में उतार-चढ़ाव का माहौल है। सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को टाटा पावर के शेयर 0.83 प्रतिशत बढ़कर 408.10 रुपये पर बंद हुए। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 417.80 रुपये पर पहुंच गए। 27 सितंबर 2024 में शेयर की कीमत 494.85 रुपये के स्तर तक पहुंच गई। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है।

''एक घर मकान से कहीं बढ़कर होता है''– 'मिलियन डॉलर लिस्टिंग इंडिया' में अपने सपनों का घर खोज रहीं हैं आस्था गिल

मुंबई , एजेसी। पॉप म्यूजिक की बेहद टैलेंटेड सनसनी आस्था गिल अपने सपनों का घर खरीदने के मिशन पर है। इस मिशन में उन्हें अपने दर्शकों का साथ भी मिल रहा है, क्योंकि उसका चुनाव वह सोनी लिव के शो 'मिलियन डॉलर लिस्टिंग इंडिया' में कर रही हैं। यह सिंगर-सॉन्गराइटर, जोकि अपने चार्ट-टॉपिंग हिट्स के लिये मशहूर है, अब लक्जरी रियल एस्टेट की दुनिया की खोज कर रही हैं। उन्हें अपने सपनों के घर की डील पक्की होने की पूरी उम्मीद है। आस्था ने रोमांचित होकर कहा, ''घर सिर्फ वह चार दीवारें नहीं हैं, जिन पर छत टिकी होती है। घर में यादें बनती हैं और वह प्यार तथा सुख देने वाला एक स्वर्ग होता है। मैं अपने लिये परफेक्ट जगह, यानि सपनों के घर की तलाश में हूँ। और 'मिलियन डॉलर लिस्टिंग इंडिया' ने मेरे पूरे अनुभव को निजी और शानदार एहसास दिया है। मुझे लगा ही नहीं कि मैं किसी शो में हूँ; ऐसा लगा जैसे मैं असल में इन बेहतरीन घरों का दौरा कर रही हूँ। मैं जल्दी से जल्दी अपनी माँ को यह शानदार घर दिखाकर उनकी प्रतिक्रिया देखना चाहती हूँ।''

घरों में सोच-समझकर तैयार की गई हर चीज़ और स्टोरेज के शानदार समाधानों ने आस्था को खासतौर पर आकर्षित किया। उन्होंने रियल्टर नवदीप की भी जमकर तारीफ की, जिनकी विशेषज्ञता और अपनेपन ने आस्था पर गहरा असर डाला। ''शो में निजी तौर पर नवदीप के काम को देखना प्रेरक रहा- मैं पहले से कहीं ज्यादा प्रभावित हूँ!''

भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी प्रतिष्ठित शाखा की शताब्दी विरासत और उत्कृष्टता का जश्न मनाया

मुंबई , एजेसी। भारतीय स्टेट बैंक की समृद्ध विरासत का सम्मान करते हुए, भारत की माननीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण ने एसबीआई की प्रतिष्ठित हॉर्निमैन सर्किल शाखा की शताब्दी के उपलक्ष्य में विशेष रूप से ढाले गए 100 के स्मारक सिक्के का अनावरण किया। सिक्के के लॉन्च के साथ-साथ, उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक के विकास के 5वें संस्करण का भी अनावरण किया, जिसमें 1981 से 1996 के बीच बैंक की यात्रा के परिवर्तनकारी युग का वर्णन किया गया है। इस कार्यक्रम में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, श्री एम. नागराजू सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री, निरमला सीतारमण ने कहा, एसबीआई की उल्लेखनीय यात्रा, जो अपनी प्रतिष्ठित शाखा के शताब्दी समारोह के साथ समाप्त हो रही है, विकास और सेवा की एक असाधारण विरासत को दर्शाती है। 1920 के विलय के समय 100 शाखाओं से लेकर आज 22,640+ शाखाओं तक, वित्त वर्ष 2025 में 500 और जोड़ने की योजना के साथ, एसबीआई अपनी पहुंच का विस्तार करना जारी रखता है। एसबीआई का योगदान आंकड़ों से कहीं आगे जाता है - इसने अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक को अपनाकर और वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करके भारत के बैंकिंग परिदृश्य को बदल दिया है। परंपरा को आधुनिकता से जोड़ने की इसकी यात्रा विरासत शाखाओं के संरक्षण में परिलक्षित होती है, जबकि इसके प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म, जैसे कि योनो, वैश्विक मंच पर भारत की फिनटेक क्षमताओं को प्रदर्शित करते हैं।

25 नवंबर से खुल रहा है पावर कंपनी का यह आईपीओ

अभी से ही 50 प्रीमियम पर पहुंचा शेयर, चेक करें प्राइस बैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। इनिशियल पब्लिक आफरिंग यानी आईपीओ में दांव लगाने वालों के लिए एक और मौका आ रहा है। अगले सप्ताह से एक एसएमई कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए ओपन होगा। यह आईपीओ - अहमदाबाद स्थित राजेश पावर सर्विसेज लिमिटेड का है। कंपनी का यह इश्यू 25 नवंबर को निवेश के लिए खुलेगा और 27 नवंबर को बंद होगा। इसके लिए प्राइस बैंड 335 रुपये तय किया गया है। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर अभी से ही 50 रुपये प्रीमियम पर उपलब्ध हैं। इसका मतलब है कि यह शेयर लिस्टिंग पर 15 प्रतिशत तक का मुनाफा करा सकता है। 1971 की इस कंपनी के पास 160.47 करोड़ रुपये का बुक बिल्ट इश्यू है। ऑफर का फेस वैल्यू प्रति शेयर 10 रुपये है। इश्यू का प्राइस बैंड 320 रुपये से 335 रुपये प्रति शेयर है। सार्वजनिक पेशकश का लॉट आकार 400 शेयरों का है। यह आईपीओ 2,790,000 शेयरों का एक बिल्कुल फ्रेश इश्यू है। यह ताजा इश्यू 93.47 करोड़ रुपये बनता है। आवंटन की संभावित तारीख गुरुवार, 28 नवंबर है। रिफंड की शुरुआत उसी सप्ताह, शुक्रवार, 29 नवंबर को होगी। शेयर शुक्रवार, 29 नवंबर को निवेशकों के डीमैट खातों में जमा किए जाएंगे। 2 दिसंबर को लिस्टिंग होने का अनुमान है। करीबन 53 सालों के इतिहास के साथ राजेश पावर सर्विसेज लिमिटेड राज्य ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियों और निजी उपयोगिताओं, उद्योगों, भूमिगत बिजली ट्रांसमिशन और बुनियादी ढांचे ईपीसी क्षेत्र को परामर्श प्रदान करता है।

फिनो बैंक ने घरेलू बचत को बढ़ावा देने के लिए "गुल्लक" बचत खाते का अनावरण किया

रीवा । बैंकिंग को आसान, सरल और सुविधाजनक बनाने के बाद, फिनो पेमेंट्स बैंक अब ग्राहकों की बचत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। ग्राहकों के लिए अधिक मूल्य बनाने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, फिनो बैंक ने आज ÷गुल्लक÷ नामक एक नया बचत खाता का अनावरण करने की घोषणा की है, जो ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई लाभ प्रदान करता है और उनकी बचत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाया गया है। कोई भी व्यक्ति फिनो बैंक के मध्य प्रदेश राज्य में फैले लगभग 87000 मर्चेंट पॉइंट्स पर जाकर गुल्लक खाता खोल सकता है और इसके लाभों का आनंद ले सकता है। केवल 1000 रुपये के न्यूनतम बैलेंस के साथ, गुल्लक खाताधारक को कोई वार्षिक योजना शुल्क नहीं देना होगा, उन्हें नकद जमा करने पर कोई चार्ज नहीं लगेगा, गैर-मेट्रो स्थानों में 7 मुफ्त एटीएम ट्रांजेक्शन का लाभ मिलेगा और रुपे (ऋह्वश्चड्ड4) डेबिट कार्ड पर विशेष ऑफ़र मिलेंगे। एक रोमांचक सुविधा यह है कि कुछ शर्तें पूरी करने पर न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता भी माफ की जा सकती है।

लिस्टिंग के साथ ही कल इन निवेशकों को होगा 5 गुना तक फायदा!

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रक ऑपरेटरों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस के शेयर 21 नवंबर यानी कल गुरुवार को स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होने के लिए तैयार हैं। कंपनी के इश्यू को तीन दिन में 1.86 गुना सब्सक्राइब किया गया। इस 1,115 करोड़ रुपये के आईपीओ का प्राइस बैंड 259-273 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी के शेयरों की पॉजिटिव लिस्टिंग की उम्मीद है। इसी के साथ शुरुआती निवेशकों को इससे पांच गुना तक का तगड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

क्या है डिटेल

जिंका के शुरुआती निवेशकों में क्विकराउट्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड शामिल है, जिसने 2015 में 52.04 रुपये प्रति शेयर की औसत अधिग्रहण लागत पर निवेश किया था। इसके अलावा अन्य एक्सेल इंडिया (2015 में 62.71 रुपये), सैंड्स कैपिटल (132.09 रुपये), इंटरनेट फंड पीटीई (69.07 रुपये) और पीक ङ्गङ्क (2018 में 308.98 रुपये) ने निवेश किया था

एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, शेयर बिक्री में 4,19,40,018 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं, जबकि बिक्री के लिए 2,25,67,270 शेयरों की पेशकश की गई थी। क्यूआईबी के हिस्से को 2.76 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जबकि रिटेल निवेशकों की कैटेगरी को 1.65 गुना सब्सक्राइब किया गया था। गैर-संस्थागत निवेशकों के कोटा को 24 प्रतिशत सब्सक्राइब किया गया था। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड ने मंगलवार को एंकर निवेशकों से 501 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए थे। 13 से 18 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

ईएसआईसी से जुड़े 20.58 लाख श्रमिक, पहली बार नौकरी पाने वालों में युवाओं की अच्छी संख्या

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों से पता चलता है कि सितंबर में कर्मचारी राज्य बीमा निगम से 20.58 लाख नए श्रमिक जुड़े हैं। इनमें 10.5 लाख युवा हैं, जिनकी उम्र 25 वर्ष से कम है। इस लिहाज से माना जा सकता है कि पहली बार नौकरी पाने वालों में युवाओं की संख्या भी काफी अच्छी रही है। युवाओं की संख्या कुल रजिस्टर्ड हुए श्रमिकों की संख्या का 48.83 प्रतिशत है।

बीते वर्ष की समान अवधि में 18.88 लाख श्रमिक ईएसआईसी में रजिस्टर हुए थे। इस लिहाज से सालाना आधार पर भी 1.70 लाख श्रमिकों की संख्या बढ़ी है। महिलाओं के हिसाब से देखा जाए तो सितंबर में 3.91 लाख महिलाएं ईएसआईसी में रजिस्टर हुई हैं, जिनमें बड़ी संख्या उन युवा महिलाओं की है जिन्होंने पहली बार नौकरी शुरू की है। वहीं, 64 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी ईएसआई योजना के तहत रजिस्ट्रेशन कराया है।

ध्यान रहे कि ऐसे कर्मचारी, जिनका मासिक वेतन 21 हजार रुपये से कम हो वो सभी कर्मचारी ईएसआईसी से जुड़ने के पात्र होते हैं। ईएसआईसी से जुड़ने वाले संगठित क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। साथ ही, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा देखभाल की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

बैटरी, चार्जिंग सेवा पर जीएसटी दर कम हों

इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए बैटरी और चार्जिंग सेवाओं पर जीएसटी कम करने की जरूरत है। उद्योग मंडल फिक्की इलेक्ट्रिक वाहन समिति की चेयरपर्सन सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी ने ईवी पर फिक्की के राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर बिजलीचालित वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री ई-ड्राइव कोष को बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ईवी पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि बैटरी पर 18 प्रतिशत जीएसटी है। इसे घटाकर पांच प्रतिशत किया जाए, ताकि जब उपभोक्ता बैटरी बदले तो यह अधिक किफायती हो।

6 महीने में 565 प्रतिशत चढ़ गया यह शेयर, अब बोनस शेयर बांटने की तैयारी में कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्सटाइल प्रॉडक्ट्स बिजनेस से जुड़ी कंपनी पदम कॉटन यार्न्स अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर का तोहफा देने की तैयारी में है। कंपनी की बोर्ड बैठक 27 नवंबर 2024 को होनी है। इस मीटिंग में ही पदम कॉटन यार्न्स का बोर्ड बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा। बोनस शेयर इश्यू किए जाने से पहले मंगलवार को पदम कॉटन यार्न्स के शेयर बीएसइ में 2 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 213.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने मंगलवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 32.02 रुपये है।

6 महीने में 565 प्रतिशत उछल गए कंपनी के शेयर

पदम कॉटन यार्न्स के शेयर पिछले 6 महीने में 565 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं। टेक्सटाइल प्रॉडक्ट्स बिजनेस से जुड़ी कंपनी पदम कॉटन यार्न्स के शेयर 21 मई 2024 को 32.06 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 19 नवंबर 2024 को 213.30 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 3 महीने में पदम कॉटन यार्न्स के शेयरों में 270 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 19 अगस्त 2024 को 57.73 रुपये पर थे। टेक्सटाइल कंपनी के शेयर 19 नवंबर 2024 को 213 रुपये के ऊपर बंद हुए हैं।

3 साल में कंपनी के शेयरों में 2400 प्रतिशत से अधिक की तेजी

पदम कॉटन यार्न्स के शेयरों में पिछले 3 साल में 2403 पर्सेंट का जबरदस्त उछाल आया है। कंपनी के शेयर 18 नवंबर 2021 को 8.52 रुपये पर थे। पदम कॉटन यार्न्स के शेयर 19 नवंबर 2024 को 213.30 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 2 साल में पदम कॉटन यार्न्स के शेयरों में 1573 पर्सेंट की तेजी आई है। कंपनी के शेयर 17 नवंबर 2022 को 12.75 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 19 नवंबर 2024 को 213 रुपये के ऊपर बंद हुए हैं। पिछले 4 साल में पदम कॉटन यार्न्स के शेयरों में 3750 पर्सेंट का उछाल आया है। कंपनी का मार्केट कैप 100 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

अब एसएमई आईपीओ पर दांव लगाना होगा मुश्किल, सेबी ने बनाया तगड़ा प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप एसएमई आईपीओ पर दांव लगाते हैं तो ये खबर आपके लिए किसी झटके से कम नहीं है। दरअसल, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंगलवार को स्ब्ब्ध आईपीओ के लिए न्यूनतम एप्लीकेशन साइज को मौजूदा 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 लाख रुपये तक करने का प्रस्ताव दिया है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि केवल पर्याप्त जोखिम लेने तथा निवेश की क्षमता वाले निवेशक ही आवेदन कर सकें।

सेबी ने क्या कहा

सेबी की ओर से जारी प्रस्ताव में कहा गया- यह देखा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में एसएमई आईपीओ में रिटेल निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है। एसएमई आईपीओ में रिस्क ज्यादा होता है और शेयरों की लिस्टिंग के बाद सेंटिमेंट बदलने पर निवेशक फंस जाते हैं। ऐसे में छोटे रिटेल निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए एप्लीकेशन का साइज बढ़ाने का प्रस्ताव है।

बाजार नियामक सेबी ने एसएमई आईपीओ में गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए अलॉटमेंट पद्धति में बदलाव का भी प्रस्ताव दिया है। सेबी ने एसएमई आईपीओ में ऑफर फॉर सेल को इश्यू साइज के 20 प्रतिशत तक सीमित करने का भी प्रस्ताव दिया है। सेबी ने कहा कि एसएमई एक्सचेंज की स्थापना का उद्देश्य जरूरतमंद छोटे और मध्यम उद्यमों को उनके विकास के लिए फंड उपलब्ध कराना था। सेबी ने कहा- यह देखा गया है कि प्रस्तावित आईपीओ के प्रमोटर ने अपनी हिस्सेदारी कम कर दी है जो एसएमई प्लेटफॉर्म बनाने का उद्देश्य नहीं था। सेबी ने 20 करोड़ रुपये से अधिक के इश्यू के लिए फंड इस्तेमाल की कड़ी निगरानी का भी प्रस्ताव दिया। नियामक ने यह भी प्रस्ताव दिया कि मर्चेंट बैंकरों को दी जाने वाली फीस का खुलासा एसएमई आईपीओ के प्रॉस्पेक्टस में किया जाना चाहिए।

आईपीओ आंकड़े बताते हैं कि एसएमई आईपीओ में दो ऑफर फॉर सेल एसएमई आईपीओ थे। इसका मतलब है कि ऑफर फॉर सेल में पूरी तरह से प्रमोटर्स अपनी हिस्सेदारी बेचकर पैसे जुटाते हैं। वहीं, कुल 52 आईपीओ में से 30 में ऑफर फॉर सेल का हिस्सा कुल साइज का 20 प्रतिशत से अधिक था।

विश्व बैंक की शाखा आईडीए की मदद के लिए 4 अरब डॉलर देगा अमेरिका, बाइडन ने एक्स पर दी यह जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने विश्व बैंक के अंतरराष्ट्रीय विकास संघ की मदद करने के लिए अगले 3 वर्षों में 4 अरब अमरीकी डालर देने एलान किया है।

एक्स पर एक पोस्ट में, बाइडन ने कहा, इस सप्ताह मैं विश्व बैंक के अध्यक्ष बंगा के साथ यह घोषणा करने में शामिल हुआ कि संयुक्त राज्य अमेरिका आईडीए की जरूरतों को फिर से पूरा करने के लिए 3 वर्षों में चार अरब अमेरिकी डॉलर देने का वचन देगा। आईडीए विश्व बैंक की वह शाखा है, जो कमजोर देशों की मदद करती है। हम दूसरों से अनुरोध करते हैं कि वे अपनी प्रतिज्ञाओं को आगे बढ़ाने में हमारा साथ दें।

अंतरराष्ट्रीय विकास संघ विश्व बैंक का हिस्सा है जो कम आय वाले देशों की मदद करता है। 1960 में स्थापित, आईडीए विश्व बैंक की मूल ऋण शाखा, अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (का पूरक है। आईडीए की वेबसाइट पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, इसके अनुदान और कम ब्याज वाले ऋण देशों को अपने भविष्य में निवेश करने और जीवन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं जिससे अधिक समृद्ध समाज का निर्माण होता है।

आईडीए दुनिया के 78 कम आय वाले देशों के लिए सहायता के सबसे बड़े स्त्रोतों में एक है और इन देशों में बुनियादी सामाजिक सेवाओं के लिए निधि का सबसे बड़ा स्त्रोत है। आईडीए रियायती शर्तों पर जरूरतमंद देशों को पैसा उधार देता है।

पब्लिक एशिया
Web:- www.publicasia.in

संक्षिप्त समाचार

हमारे नेता कतर छोड़ नहीं गए तुर्की, इजरायल के दावे पूरी तरह से अफवाह- हमास

गाजा, एजेंसी। हमास ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें दावा किया गया था कि उसके कुछ नेता कतर से तुर्की चले गए हैं। एक आधिकारिक बयान में, हमास के सूत्रों ने सोमवार को कहा कि इजरायली मीडिया द्वारा फैलाए गए दावे पूरी तरह से अफवाहें हैं जिन्हें इजरायल समय-समय पर बढ़ावा देने का प्रयास करता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, रविवार को इजरायली मीडिया ने खबर दी कि विदेश में स्थित हमास के कई नेता हाल ही में कतर से तुर्की चले गए हैं। इससे पहले सोमवार को तुर्की के विदेश मंत्रालय ने इजरायली मीडिया की रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा कि हमास के राजनीतिक ब्यूरो के तुर्की में स्थानांतरित होने के दावे सच्चाई को नहीं दर्शाते हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा में तत्काल युद्धविराम लागू करने और मध्य पूर्व में परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र बनाने की अपील की। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, यूएन चीफ ने यह बात परमाणु हथियारों और अन्य सामूहिक विनाश के हथियारों से मुक्त मध्य पूर्व क्षेत्र की स्थापना- विषय पर सम्मेलन के पांचवें सत्र में एक वीडियो संदेश में कही। गुटेरेस ने कहा कि इस तरह के क्षेत्र का विचार दशकों पुराना है, लेकिन क्षेत्रीय संघर्षों और तनावों के चरम पर पहुंचने के साथ, यह लक्ष्य दिन-प्रतिदिन और अधिक जरूरी होता जा रहा है। यूएन महासचिव ने कहा कि एक साल से अधिक समय से गाजा एक विनाशकारी दौर से गुजर रहा है। यह संकट पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में लेने की चेतावनी दे रहा है। इस बीच हम सभी लेबनान में बढ़ते तनाव से चिंतित हैं। 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इसके साथ ही इजरायली सेना 23 सितंबर से लेबनान पर एयर स्ट्राइक कर रही है। उसने सीमा पार एक सीमित जमीनी अभियान भी चलाया है, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर हिजबुल्लाह को कमजोर करना है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई की पूर्व सीईओ बनेंगी अमेरिका की शिक्षा मंत्री, डोनाल्ड ट्रंप का ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप लगातार विभागों का बंटवारा कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शिक्षा विभाग का जिम्मा लोकप्रिय डब्ल्यूडब्ल्यूई यानी वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट की सीईओ और पेशेवर कुश्ती खिलाड़ी लिंडा मैकमोहन को सौंपा है। इससे पहले वह अरबपति एलन मस्क समेत कई बड़े नामों को सरकार का काम सौंप चुके हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने मैकमोहन को शिक्षा विभाग का मंत्री नामित किया है। हालांकि, इससे पहले भी वह ट्रंप सरकार का हिस्सा रह चुकी हैं। मैकमोहन ने 2017 से 2019 तक ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान लघु व्यवसाय प्रशासन का नेतृत्व किया था। वह कनेक्टिकट में अमेरिकी सीनेट के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के रूप में दो बार चुनाव लड़ीं लेकिन असफल रहीं। मैकमोहन ने 2009 से एक साल तक 'कनेक्टिकट बोर्ड ऑफ एजुकेशन' में काम किया और कनेक्टिकट में 'सेक्रेड हार्ट यूनिवर्सिटी' के 'बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज' में कई साल बिताए। शिक्षा जगत में उन्हें अपेक्षाकृत अज्ञात माना जाता है, हालांकि उन्होंने 'चार्टर स्कूलों' और 'स्कूल चॉइस' के लिए समर्थन व्यक्त किया है। अमेरिका में 'चार्टर स्कूल' सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्कूल होते हैं जो अपने स्थानीय जिले से स्वतंत्र रूप से संचालित होते हैं। 'स्कूल चॉइस' शिक्षा के विकल्पों को दर्शाता है जिसके तहत छात्रों और परिवारों को सार्वजनिक स्कूलों के विकल्प चुनने की अनुमति मिलती है। मैकमोहन ने अमेरिकी सीनेट के चुनाव के लिए 2009 में डब्ल्यूडब्ल्यूई को अलविदा कह दिया था। उन्हें ट्रंप के लिए बड़ा डोनेशन देने वालों में गिना जाता है।

तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडराया, यूरोपीय देशों ने भोजन, पानी जमा करने को कहा

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे ने आपातकालीन पुस्तिकाएं भी जारी कीं जिसमें लोगों को संपूर्ण युद्ध सहित किसी आपातकालीन स्थिति में एक सप्ताह तक प्रबंधन करने की सलाह दी गई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध को खतरनाक रूप से बढ़ाते हुए, यूक्रेनी बलों ने मंगलवार देर रात रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में छह अमेरिकी निर्मित लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। इसे मॉस्को द्वारा एक बड़े उकसावे के रूप में देखा जाएगा और एक जोरदार जवाबी कार्रवाई की संभावना है। कई नाटो देश अपने नागरिकों से युद्ध के लिए तैयार रहने को कह रहे हैं। परमाणु युद्ध का खौफनाक ख़तरा पहले से कहीं ज़्यादा नज़दीक नज़र आ रहा है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस सीमा को कम कर दिया जब रूस परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकता था। यह तब हुआ जब यूक्रेन ने रूस के अंदर लक्ष्यों पर लंबी दूरी की छह अमेरिकी मिसाइलें दागीं। नाटो देशों ने युद्ध की आशंका गहराने की आशंका को भांपते हुए अपने नागरिकों को पर्चे जारी किए, जिसमें उन्हें युद्ध की तैयारी करने की सलाह दी गई।

ब्रिटेन में हजारों किसानों ने ट्रैक्टरों सहित संसद के बाहर किया प्रदर्शन

लंदन, एजेंसी। हजारों ब्रिटिश किसानों ने मंगलवार को संसद के बाहर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने एक नए कर नियम के खिलाफ आवाज उठाई। उनका कहना है कि यह नियम पारिवारिक खेती को बर्बाद कर देगा। किसान बैनर, टॉय ट्रैक्टर और नारों के साथ सड़कों पर उतरे। सरकार के फैसले से गुस्साए किसानों का कहना है कि अगर उनकी बात नहीं सुनी गई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। सरकार ने हाल ही में बजट में एक पुराने कर छूट नियम को समाप्त करने का फैसला किया है। यह नियम कृषि भूमि को इनहेरिटेंस टैक्स से छूट देता था। अप्रैल 2026 से, 10 लाख पाउंड (लगभग 13 करोड़ रूपए) से अधिक मूल्य वाली कृषि भूमि पर मालिक की मृत्यु के बाद इसे अगली पीढ़ी को देने पर 20 प्रतिशत टैक्स लगेगा। किसानों का कहना है कि यह नियम उनके लिए अंतिम झटका साबित होगा। प्रदर्शन के सह-आयोजक ओल्ली हैरिसन ने कहा, हर कोई नाराज है। हम सड़कों को जाम करने और फ्रांस के किसानों जैसे विरोध की तैयारी में हैं। किसानों ने डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ ट्रैक्टरों पर द फाइनल स्ट्रॉ और नो फार्मर्स, नो फूड जैसे नारों के पोस्टर लगे हुए थे। बच्चों ने छोटे ट्रैक्टरों के साथ संसद स्क्वायर के आसपास मार्च निकाला। मशहूर टीवी होस्ट और किसान जेरेमी क्लार्कसन भी इस रैली में शामिल हुए। 1,800 किसानों को नेशनल फार्मर्स यूनियन (एनएफयू) ने संसद के अंदर जाकर सांसदों से बात करने का मौका दिया। एनएफयू के अध्यक्ष टॉम ब्रैडशॉ ने कहा, यह नीति ब्रिटेन की खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल रही है। किसानों का कहना है कि ब्रेक्सिट, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक अस्थिरता के कारण उनकी आर्थिक स्थिति पहले से ही खराब है। अब यह नया कर नियम उनके लिए असहनीय है। किसानों की औसत आय पहले से ही कम हो गई है। उदाहरण के लिए, मवेशी पालने वाले किसानों की औसत आय केवल 17,000 पाउंड (21 लाख रूपए) है। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की सरकार का कहना है कि 75 प्रतिशत किसानों पर यह कर लागू नहीं होगा। इसके अलावा, कई छूट के कारण किसान दंपति अपनी संपत्ति का 30 लाख पाउंड (39 करोड़ रूपए) तक टैक्स-मुक्त हस्तांतरण कर सकते हैं। पर्यावरण मंत्री स्टीव रीड ने कहा, यह कर उन अमीर लोगों से वसूला जाएगा जिन्होंने निवेश के लिए कृषि भूमि खरीदी है। इससे युवा किसानों के लिए जमीन खरीदना महंगा हो गया है। किसानों का कहना है कि कृषि भूमि का कागजी मूल्य अधिक हो सकता है, लेकिन उनकी वास्तविक आय बहुत कम होती है। अगर यह नियम वापस नहीं लिया गया।

रूस के भीतर लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल के विरोध में स्लोवाकिया, पीएम फिको ने की अमेरिकी फैसले की आलोचना

ब्राटिस्लावा, एजेंसी। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने सोमवार को यूक्रेन द्वारा रूस के खिलाफ लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों के इस्तेमाल करने का विरोध किया है। यह जानकारी स्लोवाकिया गणराज्य की समाचार एजेंसी (टीएएसआर) ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने अमेरिकी मीडिया के हवाले से बताया कि यूक्रेन संकट पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी प्रशासनिक नीति में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत बाइडेन ने कीव को रूस के अंदर हमला करने के लिए अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। एसोसिएटेड प्रेस, द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वाशिंगटन पोस्ट सहित अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने दो अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इस हरी झंडी से यूक्रेनी सेना को अमेरिका निर्मित एटीएसीएमएस मिसाइलों को पहली बार उपयोग करने की अनुमति मिल जाएगी। टीएएसआर की रिपोर्ट के अनुसार, फिको ने देश के विदेश मंत्री जुराज ब्लानर और रक्षा मंत्री रॉबर्ट कालिनाक को इस कदम का समर्थन न करने का निर्देश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी कार्यालय ने फिको के हवाले से कहा, यह तनाव में अभूतपूर्व वृद्धि है। बता दें कि सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस पर हमला करने के लिए लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों का इस्तेमाल करने की हरी झंडी दे दी। अमेरिकी मीडिया की खबरों के मुताबिक उत्तर कोरिया की ओर से युद्ध में मास्को की मदद के लिए हजारों सैनिकों की कथित तैनाती के जवाब में यूएस प्रेसिडेंट ने यह फैसला लिया है। सोल और वाशिंगटन दोनों ने इस बात का दावा कर रहे हैं कि रूस के पश्चिमी सीमावर्ती कुर्स्क क्षेत्र में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की लंबे समय से यह मांग करते आए हैं कि रूस के अंदर लक्ष्यों को भेदने के लिए कीव को आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। एटीएसीएमएस 300 किमी (186 मील) तक जा सकती हैं।

रूस ने भारत-चीन संबंधों के लिए समर्थन दोहराया, कहा- हर संभव तरीके से योगदान करने के लिए तैयार

मास्को, एजेंसी। पेसकोव ने पुष्टि की कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की योजना बनाई जा रही है, फिलहाल तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पेसकोव ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जल्द ही हम उनकी यात्रा की सटीक तारीखों पर काम करेंगे। बेशक, प्रधान मंत्री मोदी की दो रूस यात्राओं के बाद, अब हमारे पास राष्ट्रपति की भारत यात्रा है, इसलिए हम इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह यात्रा 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद पुतिन की पहली भारत यात्रा होगी। रूसी राष्ट्रपति के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए मास्को की प्रतिबद्धता दोहराई। पेसकोव ने कहा कि हम दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए तैयार हैं। एएनआई से बात करते हुए, पेसकोव ने रूस के तटस्थ रुख पर जोर दिया और रूस के कज़ान में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हालिया द्विपक्षीय बैठक के दौरान एक मेजबान के रूप में अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला। हमें खुशी है कि दोनों नेताओं को कज़ान में अपनी द्विपक्षीय बैठक करने का अवसर मिला। यह दुनिया में हर किसी के लिए वास्तव में अच्छी खबर थी। लेकिन फिर, यह भारत और चीन की एक द्विपक्षीय पहल थी।

पूर्व कनाडाई पीएम हार्पर ने ट्रूडो सरकार को फटकारा, कहा- खालिस्तानियों और जिहादियों को बढ़ावा देना बंद करो

टोरंटो, एजेंसी। पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने कनाडा की ट्रूडो सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि वह खालिस्तानियों और जिहादियों जैसे विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करे। हार्पर, जो 2006 से 2015 तक कनाडा के प्रधानमंत्री रहे, ने कनाडा की आव्रजन और विदेशी नीतियों की तीखी आलोचना की। हार्पर ने यह टिप्पणी अब्राहम ग्लोबल पीस इनिशिएटिव (एजीपीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की। इस दौरान उन्होंने एजीपीआई के संस्थापक और सीईओ एवी बैनलो के साथ चर्चा की। बैनलो ने नेशनल पोस्ट में प्रकाशित अपने लेख में हार्पर के बयान को उद्धृत करते हुए लिखा कि हार्पर ने कहा, हमें जिहादियों, यहूदी विरोधियों, खालिस्तानियों, तमिल टाइगर्स और अन्य विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करना होगा। हमें अपनी आव्रजन प्रणाली पर सख्त सवाल उठाने की जरूरत है कि हम लोगों को कैसे चुनते हैं।

हार्पर का यह बयान ऐसे समय आया है जब कनाडा और भारत के संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल में दोनों देशों के रिश्ते मजबूत थे, लेकिन वर्तमान में दोनों के बीच तनाव बढ़ गया है। तनाव तब बढ़ा जब कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों पर आरोप लगाए। भारत ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया और ट्रूडो से सबूत मांगे, जो उन्होंने अभी तक पेश नहीं किए

हैं। हार्पर ने खालिस्तानी मुद्दे को कनाडा की नीतियों का हिस्सा बनाने पर सवाल उठाया और कहा कि आव्रजन नीति में सुधार की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यहां विभाजनकारी विचारधाराओं को बढ़ावा न मिले। हम अपने समाज में पुराने नफरतों को नहीं ला सकते। इसे रोकने के लिए हमें कदम उठाने होंगे। वर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी समर्थकों के बारे में कहा कि वे पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत समर्थक हिंदू भी पूरे हिंदू समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। हालांकि, ट्रूडो को खालिस्तानी समूहों के प्रति नरम रुख रखने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। हार्पर ने कनाडा की आव्रजन नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह नीति उन लोगों को शामिल कर रही है जो विभाजनकारी और हिंसक विचारधारा रखते हैं। उन्होंने एजीपीआई कार्यक्रम में यह भी कहा कि कनाडा को अपनी नीतियों को संतुलित करना होगा ताकि बहुसंस्कृतिवाद के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने पीएम नरेंद्र मोदी से कहा, भारत के जी-20 अनुभव से बहुत कुछ सीखा

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इंसियो लूला दा सिल्वा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि ब्राजील ने दो दिवसीय जी-20 रियो शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारत के अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। राष्ट्रपति लूला ने पीएम मोदी की दूसरे और अंतिम दिन की बैठक के शुरुआत में म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट में द्विपक्षीय बैठक में उनका स्वागत किया।

बैठक के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया और पिछले वर्ष जी-20 के आयोजन के लिए उन्हें बधाई दी। लूला ने कहा कि ब्राजील ने रियो शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारतीय अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। बैठक के दौरान, राष्ट्रपति लूला ने 2025 में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की यात्रा

करने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को अगले साल राष्ट्रपति लूला और प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने में खुशी होगी और वह 2025 में ब्राजील की राजकीय यात्रा की दिशा में काम करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति लूला के साथ बातचीत की। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान ब्राजील द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों के लिए उनकी सराहना की। हमने अपने देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का मूल्यांकन किया और ऊर्जा, जैव ईंधन, रक्षा, कृषि आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। पीएम मोदी ने जी-20 के कार्य को जारी रखने और समूह के एजेंडे के मुद्दों पर प्रगति के लिए ब्राजील की अध्यक्षता की प्रशंसा की। दोनों नेताओं ने जैव ईंधन, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में सहयोग पर भी चर्चा की। रियो शिखर सम्मेलन पिछले वर्ष के जी-20 नई दिल्ली शिखर सम्मेलन की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाता है, जहां विशेष रूप से उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई थी। बैठक में ब्राजील के मंत्री माउरो विएरा (विदेश मामले), फर्नांडो हद्दाद (वित्त), एलेक्जेंडर सिल्वेरा (खान और ऊर्जा), लुसियाना सैंटोस (विज्ञान और प्रौद्योगिकी), साथ ही विकास, उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के कार्यकारी सचिव मार्सिओ एलियास रोजा ने भी भाग लिया।

पोलियो के खिलाफ पाकिस्तान की लंबी लड़ाई का अंत नहीं, सक्रिय मामले 50 तक पहुंचे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पोलियो को जड़ से मिटाने के लिए पाकिस्तान का संघर्ष जारी है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान प्रांतों से नए मामले सामने आने के बाद मंगलवार को देश में सक्रिय पोलियो मामलों की कुल संख्या 50 तक पहुंच गई। अब तक बलूचिस्तान से कम से कम 24 मामले, सिंध से 13, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) से 11, पंजाब और इस्लामाबाद से एक-एक मामले सामने आए हैं। मंगलवार को एक बच्ची में वाइल्ड पोलियोवायरस (डब्ल्यूपीवी1) पाया गया, जो केपी के टैंक जिले से पोलियो वायरस का दूसरा मामला है।

पाकिस्तान के कुछ क्षेत्रों में पोलियो टीकाकरण अभियान का विरोध भी हो रहा है और यहां तक ??कि स्वास्थ्य कर्मियों पर भी हमला हुआ है जिसमें लोगों की जान भी गई। टारगेटेड अटैक के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखने के कारण, पोलियो टीकाकरण अभियान को सुचारू रूप से चलाना लगभग असंभव हो गया है, जिससे बच्चों के संक्रमित होने की संभावना बढ़ गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के विभिन्न भागों में पोलियो के मामलों में उत्साहजनक गिरावट देखी गई है। हालांकि उसने चेतावनी दी है कि नवीनतम मामलों का पता चलना एक खतरनाक और चिंताजनक संकेत है। यह दर्शाता है कि कई जिलों में बच्चे अभी भी जोखिम में हैं। पाकिस्तान और पड़ोसी अफगानिस्तान, दुनिया के दो ऐसे देश हैं जहां पोलियो अभी भी स्थानिक है। अतीत में, पाकिस्तान ने सालाना 300 मिलियन से अधिक ओरल वैक्सीन लगाए हैं। लेकिन यह बीमारी देश में अभी भी व्याप्त है।

कई विश्लेषकों ने पोलियो वायरस के प्रसार को संभालने में पाकिस्तान सरकार की निरंतर नाकामी पर सवाल उठाए हैं। पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान के प्रति विरोध तब बढ़ा जब अमेरिकी जासूसी एजेंसी सीआईए ने देश में अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन का पता लगाने के लिए एक फर्जी हेपेटाइटिस टीकाकरण अभियान चलाया।

दुनिया के सबसे वॉन्टेड आतंकवादियों में से एक, बिन लादेन को 2011 में केपी के एबटाबाद में यूएस नेवी सील के ऑपरेशन में मार दिया गया। कई धार्मिक नेताओं का यह भी मानना ??है कि पोलियो टीकाकरण की बूंदों में सूअर का मांस और शराब के अंश होते हैं, जो इस्लाम में निषिद्ध है।

पाकिस्तान की अदालत ने दंगों को लेकर पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी पर तय किए आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालत ने पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और 20 अन्य लोगों के खिलाफ नौ मई 2023 के दंगों के संबंध में आरोप तय कर दिए हैं। अदालत के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उपाध्यक्ष कुरैशी ने सोमवार को कोट लखपत जेल में सुनवाई के दौरान तय किए गए आरोपों को बेबुनियाद करार दिया और इन्हें राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि ये मामले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ नेतृत्व को दबाने के लिए गढ़े गए हैं।

जिन वरिष्ठ नेताओं पर आरोप तय किए गए हैं उनमें पीटीआई की पंजाब इकाई के अध्यक्ष यास्मीन रशीद, सीनेटर एजाज चौधरी, पंजाब के पूर्व राज्यपाल उमर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्री मियां महमूदुर राशिद, पूर्व सांसद आलिया हमजा, रूबीना जमील तथा सोशल मीडिया कार्यकर्ता सनम जावेद शामिल हैं। सुनवाई की अध्यक्षता आतंकवाद रोधी अदालत के न्यायाधीश मंज़र अली खान ने की। एक विशेष अभियोजक ने आरोप पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें थाने पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को आग लगाने और कानून प्रवर्तन कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार जैसे आरोप शामिल थे। अदालत के अधिकारी के मुताबिक, सभी आरोपियों ने आरोपों से इनकार किया और खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के पास अपने दावों को पुष्ट करने के लिए सबूतों का अभाव है। अदालत ने अभियोजन पक्ष को 25

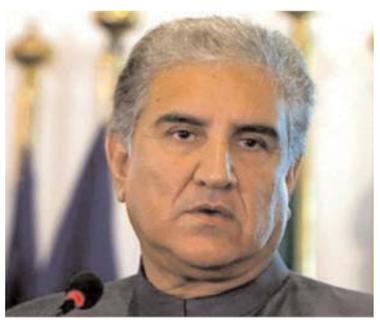

नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई के दौरान अपने गवाह पेश करने का निर्देश दिया।

नौ मई 2023 को खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिन्ना हाउस (लाहौर कोर कमांडर हाउस), मियांवाली एयरबेस और फैसलाबाद में आईएसआई भवन समेत एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की। रावलपिंडी में सेना मुख्यालय पर भी पहली बार भीड़ ने हमला किया। पत्रकारों से बात करते हुए कुरैशी ने खान के प्रति अपनी निष्ठा जतायी। खान अगस्त 2023 से 200 से अधिक मामलों को लेकर जेल में बंद हैं। कुरैशी ने इन मामलों को बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित बताया और कहा कि इन्हें पीटीआई नेतृत्व को दबाने और उन्हें अवैध रूप से जेल में रखने के लिए गढ़े गए हैं। कुरैशी ने पीटीआई कार्यकर्ताओं और समर्थकों से 24 नवंबर को इस्लामाबाद में प्रस्तावित विरोध मार्च में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह रैली राजनीतिक कैदियों की आजादी, स्वतंत्र न्यायपालिका की बहाली और इमरान खान की रिहाई के लिए है।

ईरान में जेल में बंद नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी की सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ीं : तेहरान, एजेंसी। ईरान में जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी एक जटिल सर्जरी से गुजरीं, जिसके तहत उनके दाएं पैर की एक हड्डी का कुछ हिस्सा कैंसर की आशंका के चलते हटा दिया गया। हालांकि, अधिकार समूहों के मुताबिक, नरगिस को सर्जरी के महज दो दिन बाद वापस जेल भेज दिया गया, जिससे उनकी सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) को भेजे गए 40 से अधिक अधिकार समूहों के हस्ताक्षर वाले एक पत्र में नरगिस को उन आरोपों में सुनाई गई जेल की सजा से तत्काल चिकित्सकीय फर्लो पर रिहा करने का आग्रह किया गया है।

कृष 4 से वापसी करेंगे ऋतिक रोशन

फिल्म निर्देशक राकेश रोशन ने अपने निर्माता के किरदार पर ध्यान केंद्रित किया है। हाल ही में उन्होंने घोषणा की है कि वे निर्देशन से रिटायरमेंट ले रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वे कृष 4 को प्रोड्यूस करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने प्रोडक्शन हाउस से अपने बेटे की फिल्म बनाने वाले हैं।

क्रिश 4 लेकर आ रहे हैं राकेश रोशन

राकेश रोशन ने कहा कि उन्हें नहीं लगता है कि वे कभी निर्देशन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही कृष 4 को लेकर घोषणा करेंगे। बता दें कि राकेश रोशन ने ऋतिक रोशन की फिल्म बैंग बैंग, वॉर और फाइटर को भी प्रोड्यूस किया है। उन्होंने कहा, कृष जल्द ही वापस आ रहा है।

क्रिश के पिछले पार्ट को भी पसंद करते हैं प्रशंसक

राकेश रोशन ने 2003 में साइंस-फिक्शन फिल्म कोई मिल गया के साथ इस फ्रेंचाइजी की शुरुआत की थी। उन्होंने 2006 में कृष के साथ इसे सुपरहीरो सीरीज में विस्तारित किया, इसके बाद 2013 में कृष 3 बनाई। ऋतिक रोशन ने पूरी सीरीज में रोहित और उनके बेटे कृष्णा, जिन्हें कृष के नाम से भी जाना जाता है, दोनों की भूमिका निभाई।

फाइटर बने ऋतिक रोशन

वर्कफ्रंट की बात करें तो ऋतिक रोशन को उनकी हालिया फिल्म फाइटर में देखा जा चुका है। इस फिल्म में उन्हें अनिल कपूर, दीपिका पादुकोण के साथ स्क्रीन साझा करते हुए देखा गया था। पिछले साल हुई कृष 4 की घोषणा के बाद से यह लगातार चर्चा में बनी हुई है। सिनेमप्रेमी इसके बारे में हर चीज जानने के लिए काफी उत्सुक हैं और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार भी कर रहे हैं। ऐसे में यह खबर उनके लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

यो यो हनी सिंह के म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगी नोरा फतेही

ग्लोबल सेंसेशन नोरा फतेही ने एक बार फिर अपने नवीनतम सहयोग से सुर्खियां बटोरी हैं। इस बार प्रतिष्ठित रैपर यो यो हनी सिंह के साथ, नोरा उनके आगामी संगीत वीडियो पायल में उनके बहुप्रतीक्षित एल्बम ग्लोरी से अभिनय करेंगी। सोशल मीडिया पर नोरा ने म्यूजिक वीडियो का टीज़र पोस्ट किया और इसे कैप्शन दिया, यह अगली बड़ी चीज़ का समय है। एल्बम ग्लोरी से पायल का आधिकारिक संगीत वीडियो जिसे यो यो हनी सिंघ द्वारा गाया है एवं फीचर नोरा फतेही है और इसे पाराडोक्स पर कल जारी किया गया। इससे पहले, हनी सिंह ने सोशल मीडिया पर पर्दे के पीछे की एक रील साझा की थी, जिसमें खुलासा किया था कि उन्होंने संगीत वीडियो को -3 डिग्री सेल्सियस तापमान में फिल्माया है। नोरा के समर्पण की प्रशंसा करते हुए उन्होंने उन्हें महान और बहुत मेहनती बताया। नोरा हर नए प्रोजेक्ट के साथ अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित करना जारी रख रही हैं, एक अभिनेत्री, डांसर और गायिका के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं, जिससे एक ग्लोबल स्टार के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत होती है। अब, जैसा कि टीज़र में देखा गया है, नोरा के शानदार डांस मूव्स दृश्यों को खूबसूरत बना रहे हैं, संगीत वीडियो उत्साह बढ़ाने के लिए तैयार है, जो प्रशंसकों के लिए एक शानदार उपहार होने का वादा करता है। 46 मिलियन से अधिक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के साथ नोरा ने खुद को एक अंतरराष्ट्रीय सनसनी के रूप में मजबूती से स्थापित कर लिया है। वह वर्तमान में अपनी पहली तेलुगु फिल्म मटका की शानदार प्रतिक्रिया का आनंद ले रही हैं, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा है। हाल ही में, उन्होंने पेरिस फैशन वीक 2024 में भी ब्रांड के सिग्नेचर डिजाइनों में लुई वुइटन शो में शानदार प्रदर्शन करते हुए तहलका मचा दिया। अपनी उल्लेखनीय श्रृंखला को जोड़ते हुए, नोरा अंतर्राष्ट्रीय कलाकार जेसन डेरुलो के साथ एक और संगीत वीडियो की रिलीज़ के लिए भी तैयारी कर रही है।

क्या अहसास चन्ना और तारुक रैना डेट कर रहे हैं?

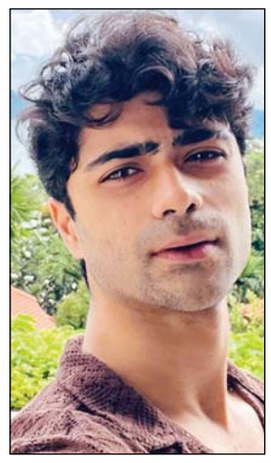

के एक्टर अहसास चन्ना और तारुक रैना, एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के दो बेहतरीन स्टार्स हैं, जिनके बारे में अफवाह है कि वे एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में, अहसास चन्ना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने को-स्टार तारुक रैना के साथ एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की, जिसके कैप्शन में एक ऑरेंज हार्ट बना हुआ है। आप को बता दें मिसमैच्ड के तीसरे सीजन में साथ नज़र आएंगे , लेकिन अहसास चन्ना और तारुक रैना के प्रशंसक खुद को उनकी तारीफ करने से नहीं रोक पाए। जैसे ही अहसास ने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की, उनके प्रशंसक तुरंत ही कमेंट सेक्शन में अपनी विचार शेयर करना शुरू कर दिया । एक कमेंट में लिखा था, सबसे प्यारे, जबकि दूसरे में लिखा था, करो ना ऑफिशियल प्लीज। एक और कमेंट में लिखा था, आप दोनों साथ में कमाल के लग रहे हैं। जहाँ कई यूज़र्स ने दोनों की तारीफ़ की, वहीं कई ने दिल और बुरी नज़र वाले इमोजी बनाए। अहसास चन्ना और तारुक रैना ने खुद को डिजिटल स्पेस में इस्टेब्लिश कर लिया है, और उनके बहुत सारे प्रशंसक हैं। उनकी डेटिंग की अफ़वाहें पब्लिक फिगर के रूप में उनके आकर्षण को और बढ़ाती हैं। जहाँ अहसास ने टेलीविज़न और डिजिटल डोमेन में खुद के लिए जगह बनाई है, वहीं तारुक कई वेब शो का हिस्सा रहे हैं। इस बीच, मिसमैच्ड में उनके सहयोग की लोगों के बीच बहुत चर्चा हुई, जिससे वे सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली ऑन-स्क्रीन जोड़ी बन गए। अब, अहसास और तारुक मिसमैच्ड के तीसरे सीज़न के साथ लोगों को खुश करने के लिए तैयार हैं। प्राजक्ता कोली और रोहित सराफ अभिनीत मिसमैच्ड 3 जल्द ही स्ट्रीम होने वाली है।

पांचवीं बार निर्देशन की कमान संभालेंगे अजय देवगन

अजय देवगन और अक्षय कुमार की हालिया रिलीज फिल्म सिंघम अगेन सिनेमाघरों मे लगी हुई है। रोहित शेट्टी निर्देशित इस फिल्म में अजय ने बाजीराव सिंघम और अक्षय ने वीर सूर्यवंशी की भूमिका निभाई है। कॉप ड्रामा फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन चिंताजनक है। यह अब तक अपना बजट भी नहीं निकाल सकी है। वहीं, अजय और अक्षय एक नई फिल्म पर काम करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इस बार वे सह-कलाकार के रूप में काम नहीं करेंगे। ट्विस्ट यह है कि अजय इस फिल्म का निर्देशन करेंगे जिसमें अक्षय मुख्य भूमिका में होंगे। एक हालिया मीडिया इवेंट में अजय देवगन ने अक्षय कुमार के साथ अपनी अगली फिल्म की घोषणा की। जब अभिनेता से उनके अगले सहयोग के बारे में पूछा गया, तो अजय ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसकी हम बाद में घोषणा करने वाले थे लेकिन मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन मंच है। हम पहले से ही एक साथ एक फिल्म पर चर्चा कर रहे हैं, जिसका मैं निर्देशन कर रहा हूं और अक्षय इसमें मुख्य कलाकार हैं।

अक्षय कुमार को निर्देशित करेंगे अजय

अधिक जानकारी के लिए पूछे जाने पर अजय ने कहा कि अभी ज्यादा कुछ बताना जल्दबाजी होगी। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वे इस बारे में जल्द ही बात करेंगे। अजय देवगन निर्देशित इस फिल्म के बारे में अधिक जानना दिलचस्प होगा, जिसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। सिंघम अगेन से पहले अजय देवगन और अक्षय कुमार ने सूर्यवंशी, सुहाग और खाकी जैसी फिल्में कीं।

अजय देवगन के निर्देशन में बनीं फिल्में

एक निर्देशक के रूप में यह अजय देवगन की पांचवीं फिल्म होगी। अजय ने बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत साल 2008 की फिल्म आई यू मी और हम से की। इसमें अभिनेता अपनी रियल लाइफ पत्नी काजोल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आए। इसके बाद उन्होंने साल 2016 में शिवाय फिल्म का निर्देशन किया, जो एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म है। इस मूवी में भी अजय मुख्य किरदार में दिखाई दिए। 2012 में उन्होंने रनवे 34 के निर्देशक की कमान संभाली। इस फिल्म में अजय और अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में नजर आए। अजय की बतौर निर्देशक आखिरी फिल्म साल 2023 की भोला रही, जिसमें उन्हें तब्बू के साथ देखा गया।

सुष्मिता सेन इरादों को अमल में लाने में रखती हैं विश्वास

अभिनेत्री सुष्मिता सेन, जिन्हें आखिरी बार स्ट्रीमिंग क्राइम-थ्रिलर सीरीज आर्या सीजन 3 में देखा गया था, इरादों को अमल में लाने में विश्वास रखती हैं। अभिनेत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, एक इंच आगे बढ़ने एक मील के सपने देखने से बेहतर है। उन्होंने कैप्शन में एक नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने सपनों को भी शक्तिशाली बताया लेकिन उन्होंने सपनों को क्रियान्वित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, यह आश्चर्यजनक है कि किसी भी चीज को हासिल करने की यात्रा कितनी सरल हो सकती है। इरादा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है लेकिन बिना गति के यह एक बेकार उपकरण है। इंच दर इंच हम मील तय करते हैं। इससे पहले अभिनेत्री अपने दांत के दर्द का इलाज कराने के लिए एक दंत चिकित्सक के पास गई थी। जब वह दंत चिकित्सक के क्लिनिक के बाहर क्लिक की गई, क्लिनिक के बाहर खड़े पैपराजी से बातचीत की, तो यह स्पष्ट था कि उन्हें स्थानीय एनेस्थीसिया की भारी खुराक दी गई थी, क्योंकि उसकी बोली लड़खड़ा रही थी। दर्द में होने के बावजूद, अभिनेत्री ने अपनी खास गर्मजोशी और करुणा के साथ पैपराजी का अभिवादन किया। काम के मोर्चे पर सुष्मिता को आखिरी बार अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित सीरीज आर्या में देखा गया था, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उन्हें स्ट्रीमिंग बायोग्राफिकल ड्रामा ताली- बजाऊंगी नहीं, बजाऊंगी में भी देखा गया था, जिसमें उन्होंने ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत की भूमिका निभाई थी। रवि जाधव द्वारा निर्देशित यह सीरीज मुंबई की ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत के जीवन और संघर्ष के महत्वपूर्ण क्षणों को कवर करती है।

मालिक की शूटिंग पूरी, फिल्म के लिए राजकुमार राव ने किए शारीरिक बदलाव

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव के पास कतार में कई फिल्में हैं। उन्होंने स्त्री 2 की सफलता का जश्न मनाने के बाद विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में अभिनय किया। हालांकि, इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इस बीच अब राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म मालिक की तैयारियों में जुटे हुए हैं। अब इस फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं। अभिनेता राजकुमार राव ने अपनी आगामी फिल्म मालिक की शूटिंग पूरी कर ली है। पुलकित द्वारा निर्देशित यह फिल्म राव की पहली पूर्ण एक्शन फिल्म होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक्शन डायरेक्टर विक्रम दहिया की देखरेख में राजकुमार ने अपनी फिट बॉडी बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। फिल्म का निर्माण अगस्त के अंत में लखनऊ में शुरू हुआ और इसके बाद पूरे उत्तर प्रदेश में तीन महीने तक इसका निर्माण चला। मालिक की प्रोडक्शन टीम ने लखनऊ, वाराणसी और उन्नाव में शूटिंग की। उन्होंने ब्रह्मावर्त घाट पर भव्य दिवाली उत्सव का दृश्य फिल्माया, जहां हजारों दीये जलाए गए। कानपुर में फिल्म की शूटिंग का आखिरी चरण मुख्य किरदार की शादी के दृश्य के साथ पूरा हुआ। यहीं पर तीन दिन पहले मालिक की शूटिंग खत्म हुई थी।

फिल्म में राजकुमार राव का किरदार

मालिक में राजकुमार राव दो अलग-अलग लुक में नजर आएंगे- एक क्लीन-शेव्ड और दूसरा रफ-टफ, दाढ़ी वाला। उनका किरदार धीरे-धीरे एक बदमाश से गैंगस्टर में बदल जाता है। अभिनेता ने कुछ एक्शन दृश्यों की शूटिंग की है, जिनमें हथियारों के साथ-साथ हाथापाई भी शामिल है। बंगाली सुपरस्टार प्रसेनजीत चटर्जी फिल्म में राव के गुरु की भूमिका निभा रहे हैं। मालिक में राव के साथ मानुषी छिल्लर भी हैं। 2017 में ऐतिहासिक ड्रामा बोस-डेड/अलाइव की सफलता के बाद निर्देशक पुलकित के साथ अभिनेता की यह दूसरी परियोजना है। हालांकि, उनकी पिछली परियोजना एक अलग शैली की थी, लेकिन मालिक एक बड़े पैमाने की कहानी और फिल्म होने का दावा कर रही है और एक अभिनेता के रूप में राजकुमार राव की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करेगी।

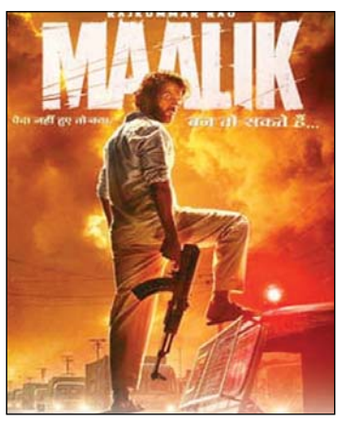

मैं बॉलीवुड की तरह नशे का एड नहीं करता

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में तेलंगाना सरकार से कानूनी नोटिस मिलने के बाद सुर्खियां बटोरीं । नोटिस में उन्हें हैदराबाद में अपने आगामी कॉन्सर्ट के दौरान शराब , ड्रग्स या हिंसा को बढ़ावा देने वाले गाने नहीं बजाने की चेतावनी दी गई थी। अब सिंगर ने इस नोटिस पर मजाकिया अंदाज में अपनी प्रतिक्रिया दी है। गुजरात के अहमदाबाद में अपने संगीत कार्यक्रम के दौरान दिलजीत दोसांझ ने अपने कॉन्सर्ट के आसपास के कानूनी मुद्दे को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि उन्हें उस दिन कोई नोटिस नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने अपने दर्शकों को आश्वासन दिया कि शराबबंदी कानूनों का सम्मान करते हुए, वह प्रदर्शन के दौरान शराब से संबंधित गाने नहीं गाएंगे। दिलजीत ने चल रहे विवाद को यह स्पष्ट करके भी संबोधित किया कि बॉलीवुड में शराब के बारे में कई गाने हैं, लेकिन उनके कुछ ही ट्रैक इसका संदर्भ देते हैं। उन्होंने बॉलीवुड हस्तियों पर भी कटाक्ष किया और बताया कि वह शराब का समर्थन या विज्ञापन नहीं करते हैं।

पब्लिक एशिया
Web:- www.publicasia.in

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छी शुरुआत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय टीम शुक्रवार को यहां बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ अच्छी शुरुआत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तान कर रहे जसप्रीत बुमराह का लक्ष्य हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को मिली करार हार को भुलाकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना रहेगा। पिछले कुछ समय में टीम के अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है उससे भी टीम पर दबाव रहेगा। इस मैचम में नियमित कप्तान रोहित शर्मा भी नहीं खेल रहे है। रोहित हाल ही में दूसरी बार पिता बने हैं, ऐसे में वह अपने परिवार के साथ है। इन हालातों में पारी की शुरुआत कर रहे यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल को अच्छी शुरुआत करनी होगी।

इस सीरीज में विराट , आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन अहम रहेगा क्योंकि ये अपने कैरियर के अंतिम दौर पर हैं। ऐसे में पांच मैचों की सीरीजउनके भावी करियर की दशा और दिशा तय करेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम का पदर्शन तय करेगा कि वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचती है कि नहीं। भारतीय टीम को इसके लिए ऑस्ट्रेलिया को हर हालत में 4-0 से हराना होगा। वहीं भारतीय टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि टीम की क्षमता पर जब भी सवाल उठे हैं, इसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाया है। बुमराह ने कहा, 'जब आप जीतते हैं तो शून्य से शुरूआत करते हैं लेकिन जब हारते हैं, तब भी तो ऐसा ही होता है। न्यूजीलैंड सीरीज से हमने सबक लिया है लेकिन यहां हालात अलग हैं और यहां हमारे परिणाम अलग रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया की टीम इस सीरीज में जीतकर पिछले एक दशक से इस सीरीज को नहीं जीत पाने के सूखे को समाप्त करना चाहेगी। पहले मैच में भारतीय टीम में नियमित कप्तान रोहित के अलावा , शुभमन गिल भी नहीं होंगे। इसका लाभ भी मेजबान टीम भी उठाना चाहेगी। यहां की पिच उछाल भरी होगी जिसपर मेजबान टीम के गेंदबाजा हावी होने का प्रयास करेंगे।

भारतीय टीम की ओर विराट कोहली, के अलावा ऋषभ पंत और केएल राहुल , यशस्वी

जायसवाल जैसे बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर अंकुश लगाना होगा। यह ऐसी सीरीज होगी जिसमें गेंदबाजों का पलड़ा भारी होगा और बुमराह भारत की कमान भी संभालेंगे। मोहम्मद सिराज और आकाश दीप तेज गेंदबाजी में उनका साथ दे सकते हैं लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा भी चयन के दावेदार हैं। टीम संयोजन चाहे जो हो, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज किसी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहेंगे। टीम की बल्लेबाजी स्टीव स्मिथ , मार्नस लाबुशेन जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी। इसके अलावा ट्रेविस हेड भी भारत की परेशानी बढ़ा सकते हैं उनका औसत करीब 28 रहा है। उस्मान ख्वाजा को छोडकर कोई आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। विकेटकीपर एलेक्स कारी और कप्तान पैट कमिंस ने कभी कभार ही अच्छी पारियां खेली है। पहले टेस्ट के लिए पिच में नमी और उछाल को देखते हुए भारतीय टीम ऑलरांडर रविंद्र जडेजा की जगह अनुभवी आर अश्विन को उतार सकती है। वहीं युवा ऑलराउंडर नीतिश रेड्डी और बल्लेबाज ध्रुव जुरेलको मौका मिल सकता है। ये दोनो ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं।

टीम

भारत : जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, केएल राहुल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

ऑस्ट्रेलिया : पैट कमिंस (कप्तान), नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी, मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड

एडीलेड टेस्ट में रोहित की वापसी से भारतीय खेमे में व्यवधान की संभावना : पोंटिंग

पर्थ (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मेजबान टीम की 3 . 1 से जीत की अपनी भविष्यवाणी को दोहराते हुए कहा कि एडीलेड टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा की भारतीय टीम में वापसी से व्यवधान की संभावना है। रोहित पिता बनने के कारण पहले टेस्ट से बाहर है जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कप्तानी करेंगे। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा ,'' मेरा मानना है कि उनके अभियान में और व्यवधान की संभावना है जब रोहित शर्मा दूसरे टेस्ट से लौटेगा। मैं अभी भी कहता हूं कि आस्ट्रेलिया 3 . 1 से जीतेगा।''

उन्होंने कहा ,'' मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ को रन बनाने होंगे। आस्ट्रेलिया की गेंदबाजी बहुत अच्छी है लिहाजा मैं अपनी भविष्यवाणी पर कायम हूं।'' दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से शुरू होगा जो दिन रात का मैच होगा। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में आस्ट्रेलिया के लिये सर्वाधिक रन बना चुके पोंटिंग का मानना है कि न्यूजीलैंड से घरेलू श्रृंखला में मिली हार के बावजूद भारतीय टीम काफी संतुलित है। उन्होंने कहा ,'' भारत को पता है कि पर्थ टेस्ट में उसकी टीम क्या होगी। उसे पता था कि रोहित इस टेस्ट में नहीं खेलेगा। यह भी पता था कि बुमराह कप्तान होगा। उन्हें पता था कि किन कमियों को पूरा करना है। टीम संतुलित लग रही है।''

भारत ने आस्ट्रेलिया को पिछली चार टेस्ट श्रृंखलाओं में हराया है। पिछली बार 2020 . 21 श्रृंखला में एडीलेड टेस्ट में भारत के 36 रन पर आउट होने के बाद उन्होंने सुनील गावस्कर से बातचीत में आस्ट्रेलिया की 2 . 1 से जीत का कयास लगाया था जो गलत साबित हुआ। भारत ने मेलबर्न और ब्रिसबेन टेस्ट जीतकर शानदार वापसी की और श्रृंखला अपने नाम की। उस समय कप्तान रहे विराट कोहली एडीलेड टेस्ट के बाद अपनी बेटी के जन्म के कारण लौट आये थे। पोंटिंग ने उम्मीद जताई कि इस बार उनका कयास सही साबित होगा। उन्होंने कहा ,'' पिछली बार सनी (गावस्कर) सही साबित हुआ था लेकिन मुझे उम्मीद है कि इस बार रवि (शास्त्री) सही साबित नहीं होगा। मैं अभी भी कहूंगा कि आस्ट्रेलिया 3 . 1 से जीतेगा।

पुजारा के भारतीय टीम में नहीं होने से खुश हैं हेजलवुड

पर्थ (एजेंसी)। यहां शुक्रवार से शुरु हो रहे पहले टेस्ट मैच की तैयारी में लगे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि इस बार भारतीय टीम में अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के नहीं होने से उन्हें खुशी मिली है। हेजलवुड के अनुसार पुजारा विकेट पर जम जाते हैं और उन्हें गेंदबाजी करना बेहद कठिन होता है। पुजारा ने साल 2018-19 में चार टेस्ट की सात पारियों में तीन शतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 2020-21 की श्रृंखला में 928 गेंदें खेली जो श्रृंखला में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक थी और इस बार भी उन्होंने जीत में आगे बढ़कर अपनी भूमिका निभाई थी। हेजलवुड ने पहले टेस्ट से पूर्व कहा, 'मुझे खुशी है कि पुजारा इस बार टीम में नहीं है। वह ऐसे बल्लेबाज हैं जिनको आप हमेशा आउट करना चाहेंगे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने हालांकि कहा कि पुजरा के नहीं होने के बाद भी भारतीय टीम के पास काफी प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में हमेशा युवा और नए खिलाड़ी आते रहते हैं। उन पर अच्छे प्रदर्शन का इतना दबाव होता है इसलिए भारतीय एकादश में जो भी होगा, वह काफी बेहतर ही होगा। पिछली बार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने ब्रिसबेन में चौथे और आखिरी टेस्ट में नाबाद 89 रन बनाए थे। हेजलवुड ने कहा कि पंत के जैसे आक्रामक बल्लेबाज के लिए लचीलापन अपनाना होगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे बल्लेबाज के सामने आपको हमेशा एक से दो योजनाएं होनी चाहिये। वहीं शुभमन गिल अंगूठे की चोट के कारण पहला मैच नहीं खेलेंगे जिसकी वजह से भारत को तीसरे नंबर पर नया बल्लेबाज उतारना होगा।

ब्रेंडन मैकुलम के वर्ल्ड रिकॉर्ड पर यशस्वी जायसवाल की नजरें, कर सकते हैं ये कारनामा

पर्थ (एजेंसी)। शुक्रवार यानी 22 नवंबर का दिन भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहद अहम है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज इसी दिन से होगा जहां पर्थ में दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट खेला जाएगा। वहीं भारत के नियमित कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों की वजह से मौजूद नहीं होंगे, जबकि जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभालेंगे। इस दौरे पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर भी सबकी नजरें रहेंगी, जोकि रोहित शर्मा के जोड़ीदार भी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में यशस्वी जायसवाल का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। उन्होंने अन्य बल्लेबाजों की तुलना में रन तो बनाए लेकिन उसे बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में उनके पास एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरूआत की। उन्होंने

14 टेस्ट में 1407 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन शतक लगाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाए। हालांकि, उसके बाद उनके बल्लेबाज से ज्यादा रन नहीं निकले हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होने वाली है और उनके करियर को भी नई उड़ान दे सकता है। यशस्वी जायसवाल मैच के दौरान बड़े शॉट खेलने के लिए जाने जाते हैं और जब तक क्रीज पर रहते हैं छक्के और चौके लगाने से नहीं चूकते। उन्होंने इस साल 32 छक्के लगाए हैं। अगर वह पर्थ टेस्ट में दो और छक्के लगाते हैं तो वह ब्रेंडन मैकुलम के एक कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक छक्के लगाने के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। मैकुलमन ने 2014 में 33 छक्के लगाए हैं। यशस्वी जायसवाल 2024 में जो रूट के बाद एक हजार टेस्ट रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। रूट ने 1338 रन बनाए हैं, जबकि जायसवाल के नाम 1119 रन है। अगर वह 219 रन और बना लेते हैं तो वह इस साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की बेहतरीन शुरुआत की। उन्होंने 14 टेस्ट में 1407 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन शतक लगाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाए। हालांकि, उसके बाद उनके बल्लेबाज से ज्यादा रन नहीं निकले हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होने वाली है और उनके करियर को भी नई उड़ान दे सकता है।

मेसी अगले साल आ सकते हैं भारत

तिरुवनंतपुरम। भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। अर्जेंटीना के स्टार स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी अगले साल भारत में खेलने आ सकते हैं मेसी के भारत में भी काफी प्रशंसक हैं। ऐसे में भारतीय प्रशंसकों के पास अवसर

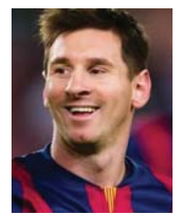

होगा कि वह मेसी को देख सकें। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने कहा कि मेसी सहित अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम अगले साल एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए भारत आयेगी। खेल मंत्री ने कहा कि इस मैच की मेजबानी के लिए राज्य पूरी तैयारी करेगा। उन्होंने केरल की क्षमता पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि मैच राज्य सरकार की पूरी निगरानी में आयोजित किया जाएगा। मेसी ने अंतिम बार 2011 में भारत में खेला था उस समय अर्जेंटीना ने वेनेजुएला के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। यह मैच गोल रहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ था. हाल ही में मेजर लीग सॉकर की टीम इंटर मियामी में मेसी के शामिल होने से उत्तरी अमेरिका में उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई है, जिससे भारत में भी उनके प्रशंसक आकर्षित हुए हैं, जो अक्सर उनके मैच देखने के लिए देर रात तक जागते रहते हैं।

शमी को आईपीएल में इसलिए नहीं मिलेगी अधिक कीमत : मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इस बार आईपीएल 2025 के लिए होने वाले नीलामी में अधिक कीमत नहीं मिल पायेगी। मांजरेकर के अनुसार सभी फ्रेंचाइजी उनकी फिटनेस को लेकर चिंतित होगी क्योंकि वह साल तक चोट के कारण प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहे हैं। हालांकि शमी की घरेलू क्रिकेट में वापसी एक महत्वपूर्ण कदम है। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान वह शानदार फॉर्म में थे। वह 7 मैचों में 10.70 की औसत से 24 विकेट लेकर टूर्नामेंट के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में समाप्त हुए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में आया, जहां उन्होंने 57 रन देकर 7 विकेट लिए। मांजरेकर ने कहा कि निश्चित रूप से कई टीमों की उनमें रुचि होगी। लेकिन अगर आप शमी की हाल की चोट को देखेंगे तो आप पाएंगे कि उन्हें उबरने के लिए काफी समय लगा है। हर टीम को सीजन के दौरान संभावित ब्रेकडाउन के बारे में हमेशा चिंता रहेगी। यदि कोई फ्रेंचाइजी भारी निवेश करती है और फिर उसे बीच में ही खो देती है तो उसके विकल्प सीमित हो जाते हैं। इस चिंता के कारण उनकी कीमत में गिरावट हो सकती है। गौरतलब है कि आईपीएल 2023 में शमी ने 17 पारियों में 8.04 की इकॉनमी रेट से 28 विकेट लिए थे और पर्पल कैप जीती थी।

बिहार सरकार ने भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए इनाम घोषित किये

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने भारतीय महिला हॉकी टीम को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 का खिताब जीतने पर बधाई देते हुए कहा है कि टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 10-10 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। भारतीय टीम ने बुधवार को यहां के राजगीर स्टेडियम में हुए फाइनल में चीन को 1-0 से हराकर खिताब जीता है। इस जीत के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने टीम को बधाई देते हुए इनाम घोषित किया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, राजगीर के राज्य खेल अकादमी एवं बिहार खेल विश्वविद्यालय-सह-राज्य खेल परिसर में आयोजित एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी में भारत की जीत पर बधाई

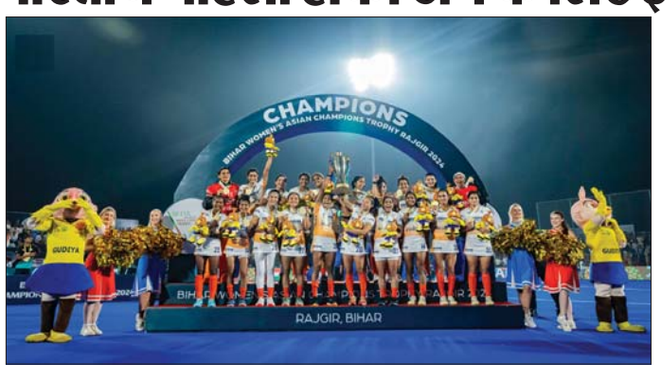

एवं शुभकामनाएं। बिहार में पहली बार आयोजित एशियाई महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी में भारत ने फाइनल मुकाबले में चीन पर 1-0 से जीत दर्ज कर इतिहास रचा है जो सभी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि यह जीत भारतीय टीम की कड़ी मेहनत, ऊर्जा और धैर्य के साथ ही दृढ़ संकल्प को दिखाती है। उन्होंने भारतीय महिला हॉकी टीम को भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं भी दीं।

साथ ही उन्होंने लिखा, राज्य सरकार विजेता टीम के सभी सदस्यों एवं टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह को 10-10 लाख रुपये नकद राशि से पुरस्कृत करेगी। टीम के सहयोगी स्टाफ को भी पांच-पांच लाख रुपये की नकद राशि दी जाएगी। इसके अलावा बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी टीम को बधाई और शुभकामना देते हुए खिलाड़ियों और कोच को पुरस्कृत करने की घोषणा पर मुख्यमंत्री का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों का मनोबल काफी बढ़ेगा।

कनाडा को हराकर जर्मनी डेविस कप टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंची

मैलागा। जर्मनी की डेविस कप टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। जर्मनी ने क्वार्टर फाइनल में कनाडा को हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ और डैनियल अल्टमायर ने अपने-अपने मैच जीतकर कनाडा को 2-0 से हराया। इसके साथ ही जर्मनी की टीम डेविस कप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी। जर्मनी के अल्टमायर ने इस मैच में गैब्रियल डायलो को सीधे सेटों में 7-6(5) 6-4 से हराया। वहीं इससे पहले एक अन्य मैच में स्ट्रफ ने डेनिस शापोवालोव पर 4-6 7-5 7-6(5) से जीत दर्ज की। स्ट्रफ ने कहा, आज मुझे लगता है कि हम जीत के अधिकारी थे। मैं जीत से उत्साहित हूं हालांकि विरोधी खिलाड़ी डेनिस भी काफी अच्छे से खेल रहे थे, उन्होंने पूरे मैच में जबरदसत सर्विस की जिससे हमारे लिए वापसी करना मुश्किल हुआ। टाईब्रेक में भी, उन्होंने कुछ विनर्स लगाए। कुल मिलाकर यह बहुत करीबी मुकाबला रहा था। अब सेमीफाइनल में जर्मनी का मुकाबला नीदरलैंड से होगा। नीदरलैंड ने इससे पहले एक अन्य मैच में रफल नडाल पर जीत के साथ ही स्पेन को हराया था। स्ट्रफ ने कहा कि हमारे लिए क्वार्टर फाइनल से सेमीफाइनल में जाना एक बड़ा कदम है। हम जीतना चाहते हैं और अब फाइनल में जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, नीदरलैंड ने भी अब तक शानदार मुकाबला खेला है। हमें सेमीफाइनल में हमें कड़े मुकाबले की उम्मीद है। हम जानते हैं कि जर्मन और डच के बीच थोड़ी प्रतिद्वंद्विता है और डच लोगों के पास काफी प्रशंसक हैं, इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। इससे पहले, शुरुआती मैच में, पहले सेट के दौरान दोनों खिलाड़ी आशंकित दिखे। अल्टमायर ने टाईब्रेक में 5-0 की बढ़त को जाने दिया और फिर 7-5 से जीत हासिल की। ??दूसरा सेट बेहतर रहा और यह तभी संभव हुआ जब जर्मन खिलाड़ी ने 15-40 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दसवें गेम में कनाडाई खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी और मैच जीत लिया।

कोहली पर ऑस्ट्रेलिया में खेलने का दबाव भारत की तुलना में कम होगा: मार्क वॉ

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मार्क वॉ ने कहा कि विराट कोहली पर ऑस्ट्रेलिया में खेलने का दबाव भारत की तुलना में कम होगा, क्योंकि दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियां पसंद हैं और उनका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है।

कोहली खराब फॉर्म के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। उन्होंने अपनी दस हालिया टेस्ट पारियों में 20.62 की औसत से रन बनाए, जो ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में उनके 54.08 के औसत और उनके कुल करियर औसत 47.83 से काफी कम है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में अपने कुछ ऐतिहासिक शतक लगाने और 2018/19 में भारत को यहां 2-1 से सीरीज जिताने के बाद, 22 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में शुरू होने वाली आगामी पांच मैचों की सीरीज में उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है। वॉ ने फॉक्स क्रिकेट से कहा, ÷ऑस्ट्रेलिया में उनका रिकॉर्ड शानदार है, उन्हें परिस्थितियां पसंद हैं। मुझे लगता है कि वह स्पिन की तुलना में तेज गेंदबाजी के बेहतर खिलाड़ी हैं। हालांकि, उनके मानकों के अनुसार, उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उनका औसत काफी गिर गया है, '।

'शायद पर्थ उनके लिए एक अच्छी शुरुआत होगी, क्योंकि उन्होंने (2018 में) एक बहुत ही मुश्किल पिच पर शानदार शतक बनाया था। जब आपके पास कुछ खास मैदानों पर अच्छी यादें होती हैं तो यह हमेशा अच्छा होता है।' उन्होंने कहा, 'भारत की तुलना में ऑस्ट्रेलिया में होने पर उन पर कम दबाव होगा। भारत में अपनी घरेलू धरती पर खेलना बहुत ही रोमांचक होता है। यह सीरीज उनके लिए नई शुरुआत होगी।' दिसंबर 2014 के बाद पहली बार कोहली आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 20 से बाहर हो गए हैं, लेकिन आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी उन्हें अपने संघर्षरत टेस्ट करियर को फिर से पटरी पर लाने का मौका देगी। वॉ ने आगे कहा, ÷ऑस्ट्रेलियाई लोग अभी भी उन्हें एक बड़ा विकेट मानते हैं।वे जानते हैं कि वह क्या करने में सक्षम हैं और ऑस्ट्रेलिया में उनका रिकॉर्ड बहुत अच्छा है और उन्हें बड़े मंच से प्यार है।

वॉ ने कहा, 'भारत ने हमें पिछली चार सीरीज में हराया है, इसलिए मुझे लगता है कि इससे कोहली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आएगा। वह रन बनाने के लिए पर्याप्त अच्छे और तकनीकी रूप से अच्छे हैं या नहीं, यह एक अलग कहानी है।' पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली को भी भरोसा है कि कोहली इस गर्मी में ऑस्ट्रेलिया में फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और मेजबान टीम के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। 'उनकी मानसिकता ऑस्ट्रेलियाई है, कभी हार न मानने वाला रवैया। उन्हें किसी लड़ाई में उलझने से कोई गुरेज नहीं है। हाल ही में उनके फॉर्म को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन मैं इससे चिंतित नहीं हूं। मैं जानता हूं कि कोहली के पास काफी अनुभव है।'

मैक्सवेल हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण बीबीएल के शुरुआती मुकाबलों से बाहर रहेंगे

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) के शुरुआती मैचों से बाहर हो गये हैं। मैक्सवेल के स्कैन में उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में ग्रेड टू टियर का पता चला है। मैक्सवेल को पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी। इसके बाद से ही वह दर्द से परेशान थे। इस चोट के कारण फरवरी 2025 में श्रीलंका में होने वाली दो मैचों की सीरीज से पहले टेस्ट टीम में वापसी की उनकी संभावनाओं को भी झटका लगा है। उन्होंने अंतिम बार 2017 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। इसके अलावा, अब वह बीबीएल सत्र की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड मैच भी नहीं खेल पायेंगे। क्रिकेट विक्टोरिया ने कहा है कि चोट के कारण मैक्सवेल कम से कम चार सप्ताह तक मैदान से बाहर रहेंगे। बिग बैश लीग का सत्र अगले माह 15 दिसंबर से शुरू होगा जिसमें मेलबर्न स्टार्स का सामना पर्थ स्कॉर्चर्स से होगा। मैक्सवेल ने इस साल की शुरुआत में अपनी टेस्ट वापसी के बारे में आशा व्यक्त की थी जिसमें भी अब बाधा आई है।

भारतीय टीम न्यूजीलैंड से घरेलू सीरीज में हार का 'कोई बोझ नहीं उठा रही है' : बुमराह

पर्थ (एजेंसी)। कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि भारतीय टीम पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेगी और पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार का कोई बोझ नहीं उठा रही है।

भारत ऑस्ट्रेलिया का सामना करने की तैयारी कर रहा है, लेकिन न्यूजीलैंड सीरीज में हाल ही में मिली हार ने जटिलताएं बढ़ा दी हैं। टीम को कीवी टीम के हाथों 3-0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा, जिसमें वानखेड़े स्टेडियम में 25 रन से हार भी शामिल है। यह 2000 के बाद से घरेलू टेस्ट सीरीज में भारत की पहली क्लीन स्वीप हार और तीन या उससे अधिक मैचों की सीरीज में उनकी पहली हार थी। भारत पांच मैचों की सीरीज में एक स्पष्ट उद्देश्य के साथ उतरेगा- चार मैच जीतना और लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना।

बुमराह ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'जब आप जीतते हैं, तो आप शून्य से शुरुआत करते हैं, लेकिन जब आप हारते हैं, तो भी आप शून्य से शुरुआत करते हैं। हम भारत से कोई बोझ नहीं उठा रहे हैं। हां, हमने न्यूजीलैंड सीरीज से कुछ सीखा है, लेकिन वहां परिस्थितियां अलग थीं और यहां हमारे नतीजे अलग रहे हैं।' नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में टीम की अगुआई करने वाले बुमराह ने आगे कहा, ÷हमने अपनी प्लेइंग इलेवन को अंतिम रूप दे दिया है और आपको कल सुबह मैच शुरू होने से पहले पता चल जाएगा।

भारतीय तेज गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलिया में अपने ऐतिहासिक प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुए टीम की तैयारियों पर भी भरोसा जताया। पर्थ की पिच, जो अपनी उछाल और गति के लिए जानी जाती है, गेंदबाजों के अनुकूल होने की उम्मीद है, जो श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में एक दिलचस्प मोड़ लाएगी। पहला टेस्ट 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगा। एडिलेड 6 दिसंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा, इसके बाद 14 दिसंबर को ब्रिसबेन होगा। बॉक्सिंग डे टेस्ट 26 दिसंबर को मेलबर्न में होगा और पांचवां अंतिम टेस्ट 3 जनवरी, 2025 को सिडनी में शुरू होगा।

यह पहली बार होगा जब भारत और ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में मिली हार के बाद आगामी सीरीज भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की उम्मीदों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत का अंक प्रतिशत वर्तमान में 58.33

प्रतिशत है और वह तालिका में शीर्ष पर चल रही ऑस्ट्रेलिया से पीछे है। लगातार तीसरे डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की अपनी संभावनाओं को मजबूत करने के लिए, भारत को पांच में से कम से कम चार टेस्ट जीतने होंगे।

मुख्य समाचार

विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों तथा मुफ्त कानूनी सहायता की दी गई जानकारी

पठानकोट (अलोक कुमार) » जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी के चेयरमैन कम डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जितेंद्र पाल सिंह खुरमी के निर्देशानुसार सचिव कम सीजीएम रुपिंदर सिंह के हुक्म की पालना करते हुए सरकारी हाई स्कूल गांदरा लहाड़ी में मुख्य अध्यापिका पूनम की अध्यक्षता मे विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की पालना तथा मुफ्त कानूनी सहायता संबंधी सेमिनार आयोजित किया गया जिसमें विशेष रूप में एएसआई प्रदीप कुमार एएसआई जॉन कुमार तथा पीएलबी विनोद कुमार उपस्थित हुए, ट्रैफिक नियमों की जानकारी देते हुए एएसआई प्रदीप कुमार तथा जॉन कुमार नहीं बताया कि नाबालिक बच्चों को दो पहिया वाहन तथा चार पहिया वाहन नहीं चलना चाहिए इन नियमों की पालन न करने पर ₹25000 जुर्माना तथा 3 साल की कैद हो सकती है उन्होंने बताया कि सड़क में हमेशा बाई तरफ चलना चाहिए, दो पहिया बाहन चलते समय हेलमेट पहनना चाहिए, ड्रिंक पीकर कभी भी ड्राइव नहीं करनी चाहिए तथा ड्राइव करते समय फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, उन्होंने बताया कि 16 साल के बच्चे का भी लर्निंग लाइसेंस बनता है लेकिन 50 सीसी तक की इलेक्ट्रॉनिक टू व्हीलर ही चला सकता है, बड़ी व्हीकल चलाने के लिए उसको 18 साल का होना बहुत जरूरी है उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों की पालन नहीं करने वाले लोग दुर्घटनाग्रस्त होकर अपनी जान गवा बैठते हैं या अपंग हो जाते हैं इसलिए सभी को चाहिए कि सड़क पर चलते समय ट्रैफिक नियमों की पालना करें, जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी के पीएलवी विनोद कुमार ने बताया कि जिला कानूनी सेवाएं अथॉरिटी द्वारा हर विद्यार्थी को मुफ्त कानूनी सहायता दी जाती है उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी को मुफ्त में वकील दिया जाता है तथा कागज पत्र का खर्च भी अथॉरिटी ही करती है उन्होंने बच्चों को गुड टच तथा बेड टच की जानकारी भी दी, उन्होंने बताया कि टोल फ्री नंबर 15100 पर फोन करके भी मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त की जा सकती है

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई चकबंदी विभाग की समीक्षा

चकबंदी अधिकारी को दिए निर्देश, गांव में की जा रही चकबंदी का बनाएं मैप : डीएम

पब्लिक एशिया ब्यूरो

हापुड़ » कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती प्रेरणा शर्मा की अध्यक्षता में चकबंदी विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में चकबन्दी विभाग में कार्यरत बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी / चकबन्दी अधिकारी / सहायक चकबन्दी अधिकारीगण उपस्थित रहे है। जनपद हापुड में कुल 21 ग्राम चकबन्दी प्रक्रियाधीन है, जिसमें से जनपद हापुड में 13 ग्राम तहसील- गढ़मुक्तेश्वर के नवप्रसारित तथा इसके अतिरिक्त 01 ग्राम पूर्व से चकबन्दी प्रक्रियाओं में प्रचलित है तथा तहसील हापुड के 06 ग्राम तथा तहसील-धौलाना का 01 ग्राम चकबन्दी प्रक्रियाओं में प्रचलित है। उक्त ग्रामों में जिलाधिकारी / जिला उप संचालक चकबन्दी महोदया हापुड द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 की चकबन्दी निदेशालय स्तर से जारी कार्य योजना के अनुरूप कार्य प्रगति बढाने तथा चकबन्दी न्यायालयों में 03 वर्षो से अधिक पुराने वादों वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किये जाने के लिए व शासन / चकबन्दी निदेशालय / जिला स्तर पर प्राप्त परिवाद/आई0जी0आर0एस0 के गुणवत्ता पूर्ण ससमय निस्तारण के निर्देश भी दिये गये है।

विभागाध्यक्ष बैठक में उपस्थिति करें सुनिश्चित- : पंचायत मंत्री पंवार

जनता की शिकायतों का सही निपटारा करें अधिकारी

सुकरमपाल पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खनन मंत्री व भू-गर्भ मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विभागाध्यक्ष जिला लोक सम्पर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक में उपस्थिति सुनिश्चित करें तथा जनता की शिकायतों का सही ढंग से निपटारा करें। विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार स्थानीय जिला विकास भवन के सभागार में जिला लोक सम्पर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक के एजेंडे में 13 शिकायतें शामिल थी, जिनमें से सुनवाई के दौरान आठ शिकायतों का मौके पर निपटारा कर दिया गया तथा अन्य पांच शिकायतों के संदर्भ में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने स्थानीय ओमेक्स सिटी निवासी यशवीर की शिकायत की सुनवाई करते हुए नगर निगम के आयुक्त, रोहतक के उपमंडलाधीश, तहसीलदार, जिला नगर योजनाकार एवं नगर निगम की कार्यकारी अभियंता की समिति गठित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।खनन एवं भू-गर्भ मंत्री कृष्णलाल पंवार ने स्थानीय शास्त्री नगर निवासी जयपाल सिंह की शिकायत की सुनवाई करते हुए जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पेयजल पाईपलाइन का कार्य जल्दी पूर्ण करवाएं और सर्वेक्षण कर आवश्यकतानुसार पाईपलाइन भी डाली जाए। उन्होंने बलियाणा निवासी अंकित कुमार की फ्लैट से संबंधित शिकायत की सुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक को मामले की जांच करवाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित वन अधिकारी तथा जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक को नोटिस जारी करने को कहा। उन्होंने स्थानीय तेज कालोनी निवासी मंजू की बकाया मुआवजा राशि से संबंधित शिकायत की सुनवाई करते हुए कहा कि उपायुक्त धीरेंद्र खड़ाटा इस मामले को स्वयं देखेंगे तथा उपायुक्त द्वारा रिकवरी की स्वीकृति प्रदान की गई है।

सोलर पैनल से सशक्त हो रहे यूपी के किसान, यूपी बना ऊर्जा का मजबूत केंद्रः सीएम योगी

वर्ल्ड बैंक और गेट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'उत्तर प्रदेश - पार्टनरशिप कॉन्क्लेव' में सीएम योगी ने लिया हिस्सा

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी गुरुवार को होटल ताज, लखनऊ में वर्ल्ड बैंक तथा गेट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश - पार्टनरशिप कॉन्क्लेव में सम्मिलित होते हुए

» वर्ल्ड बैंक और गेट्स फाउंडेशन के साथ यूपी के विकास की नई पहल
» यूपी में लगभग एक लाख किसानों को सोलर पैनल उपलब्ध कराए गए- मुख्यमंत्री

पब्लिक एशिया ब्यूरो

लखनऊ » मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश में आयोजित 'पार्टनरशिप कॉन्क्लेव' में प्रदेश के सतत विकास और कृषि क्षेत्र में सुधार की दिशा में प्रौद्योगिकी, सरकारी योजनाओं और निजी क्षेत्र की भागीदारी को आवश्यक बताया। वर्ल्ड बैंक और गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

सीएम योगी ने प्रदेश की चुनौतियों और उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में किसानों और कृषि क्षेत्र को नई तकनीकों और संसाधनों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार की उन उपलब्धियों को साझा किया जिनसे पिछले कुछ वर्षों में बड़े बदलाव आए हैं। सीएम योगी ने कहा कि सोलर पैनल से आज प्रदेश के किसान सशक्त हो रहे हैं, प्रदेश ऊर्जा का मजबूत केंद्र बनकर उभरा है।

इंसेफेलाइटिस से मुक्ति एक प्रेरणादायक सफलता है- सीएम : सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में कभी 'मौत का कारण' मानी जाने वाली इंसेफेलाइटिस बीमारी के उन्मूलन को प्रदेश की एक बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि 2017 से पहले हर साल इस बीमारी से 1500 से 2000 बच्चों की मौत होती थी, लेकिन राज्य सरकार ने WHO, गेट्स फाउंडेशन, यूनिसेफ और अन्य संस्थाओं के सहयोग से मात्र तीन वर्षों में इस समस्या को पूरी तरह समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि यह शासन, तकनीक और जनसहभागिता का परिणाम है कि आज यूपी में इंसेफेलाइटिस से कोई मौत नहीं होती।

कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और नवाचार की आवश्यकता- सीएम योगी : मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास देश की सबसे उपजाऊ भूमि और जल संसाधन हैं, जो कृषि क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में 89 कृषि विज्ञान केंद्र और 6 कृषि विश्वविद्यालय कार्यरत हैं, जो किसानों को प्रोत्साहित करने और उन्हें नई तकनीकों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक लगभग 1 लाख किसानों को सोलर पैनल उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे सिंचाई और बिजली की समस्याओं को हल करने में मदद मिली है। राज्य सरकार ने किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

टेक्नोलॉजी से किसान को जोड़ने पर सीएम योगी का जोर : सीएम योगी ने कहा कि जब तक किसान नई तकनीकों को अपनाएंगे नहीं, तब तक कृषि क्षेत्र में अपेक्षित वृद्धि नहीं होगी। टेक्नोलॉजी को किसानों तक पहुंचाने के लिए जागरूकता अभियान और एक्सटेंशन प्रोग्राम जरूरी हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से किसानों को प्रायोगिक रूप से दिखाया जाए कि नई तकनीकों से खेती में कैसे बदलाव लाया जा सकता है।

सरकारी योजनाओं के साथ-साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी भी जरूरी- मुख्यमंत्री : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकारी योजनाओं के साथ-साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी भी जरूरी है। साझेदारी से ही कृषि उत्पादकता को 3-4 गुना तक बढ़ाया जा सकता है। निजी क्षेत्र को इस दिशा में प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वे राज्य के विकास में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराना, जल संसाधनों का सही उपयोग करना और कृषि से जुड़े स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सही योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन से कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन लाया जा सकता है।

साझा दृष्टिकोण से सतत विकास के मिलेगी गति- योगी

मुख्यमंत्री ने गेट्स फाउंडेशन, वर्ल्ड बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में उनके अनुभव और सहयोग से बदलाव की गति तेज हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह साझेदारी विकास का आधार है और इससे उत्तर प्रदेश के किसानों और जनता को बेहतर भविष्य मिल सकेगा। पार्टनरशिप कॉन्क्लेव के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कृषि और अन्य क्षेत्रों में तकनीक, जागरूकता और नवाचार को बढ़ावा देने की अपील की। कॉन्क्लेव में कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, अनिल राजभर, राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, मुख्य सचिव मनोज सिंह समेत संबंधित विभागों के अधिकारी और गणमान्य मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में 71वें राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के समापन समारोह में की शिरकत

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी गुरुग्राम में आयोजित 71वां सहकारिता सप्ताह 2024 राज्य स्तरीय समारोह में उपस्थित जन को सम्बोधित करते हुए। (21.11.2024)

मुख्यमंत्री ने विकसित भारत-विकसित हरियाणा के विजन को साकार करने के लिए सहकारिता समितियों से सक्रिय रूप से जुड़ने का किया आह्वान

पब्लिक एशिया ब्यूरो

नई दिल्ली » हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में सहकारिता आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए लोगों से विकसित भारत-विकसित हरियाणा के विजन को साकार करने में सहकारी समितियों से सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री आज गुरुग्राम में 71वें राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के समापन समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि नारायणगढ़ में जल्द ही एक नई अत्याधुनिक सहकारी चीनी मिल स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, कुरुक्षेत्र में एक आधुनिक सूरजमुखी तेल पेराई मिल स्थापित की जाएगी और रेवाड़ी में देश की सबसे बड़ी सहकारी सरसों तेल मिल स्थापित की जाएगी। विकसित भारत-विकसित हरियाणा के संकल्प को पूरा करने में सहकारी संस्थाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने व्यापक सुझाव दिए, जिनमें स्थानीय उत्पादों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुंच, किसानों को लाभान्वित करने के लिए फसल भंडारण, प्रसंस्करण और विपणन की सुविधाएं स्थापित करना, महिला स्वयं सहायता समूहों का कौशल विकास और वित्तीय साक्षरता देना शामिल है। उन्होंने युवाओं के लिए कौशल विकास एवं उद्यमिता कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के साथ-साथ परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए डिजिटल भुगतान प्रणाली और ई-गवर्नेंस प्रथाओं को अपनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत काम करने का भी आग्रह किया। ये पहलें न केवल सहकारिता आंदोलन से जुड़े लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण में योगदान देंगी बल्कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत और समृद्ध हरियाणा के विजन में भी सहायक होंगी।

भारत विकास परिषद सृष्टि शाखा पिलखुवा के तत्वाधान में संस्कृति सप्ताह का भव्य आयोजन आरम्भ हुआ

पब्लिक एशिया ब्यूरो

हापुड़। संस्कृति सप्ताह के प्रथम दिवस पर मिल्टन स्कूल चंडी रोड में 100 बच्चों को स्कूल बैग , बुक्स व स्टेशनरी आदि का वितरण किया गया। शाखा के सभी पदाधिकारी शाखा संरक्षक अशोक गोयल वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार, शाखा मार्गदर्शक बीना गोयल, शाखा अध्यक्ष शशि गुप्ता, शाखा सचिव अलका अग्रवाल, शाखा कोषाध्यक्ष श्वेता गोयल, शाखा महिला संयोजिका हिमानी बंसल, शाखा सदस्य वर्षा सिंघल, मोनिका सिंघल, स्कूल की प्रधानाचार्य सुधा गुप्ता प्रबंधक मूलचंद गुप्ता जी और अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। सुधा गुप्ता जी और मूलचंद गुप्ता जी ने सृष्टि शाखा परिवार की भूरी भूरी प्रशंसा की। शाखा संरक्षक अशोक गोयल जी ने बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए कविता सुनाकर सभी को भाव विभोर कर दिया उन्होने अपने काव्यपाठ में बच्चों को भगवान का रूप बताया। शाखा मार्गदर्शक बीना गोयल जी ने कार्यक्रम का सुंदर संचालन संचालन से सभी को आनंदित किया। शाखा के अन्य पदाधिकारीयों ने बच्चों के उत्साह को देखते हुए बच्चों को उनके जीवन शैली को जीने के बहुत से ऐसे तरीके बताएं जो बच्चों को योग्य बनाएंगे । शाखा के सभी उपस्थित सदस्यों व पदाधिकारियों ने लगभग 100बच्चों को गिफ्ट देकर प्रोत्साहित किया ।सभी बच्चों के चेहरे की मुस्कान देखते बन रही थी।कार्यक्रम में नगर के अनेक गणमान्य भी उपस्थित रहे। उसके बाद सभी ने जलपान कर कार्यक्रम को विराम दिया।

देश विदेश से आएंगे अनुयाई

24 को वृन्दावन में मनाई जाएगी ब्रह्मलीन संत गीतानंद महाराज की 20वीं पुण्यतिथि

पब्लिक एशिया ब्यूरो

मथुरा। राष्ट्रसंत तपोमूर्ति ब्रह्मलीन गीतानंद महाराज की 20 वीं पुण्यतिथि वृंदावन के गीता आश्रम में 24 नवम्बर (रविवार) को मनाई जाएगी, जिसमें देश-विदेश से उनके अनुयाई बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

मुमुक्षु मंडल व गीता आश्रम वृन्दावन के प्रमुख एवं महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी अवशेषानन्द महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रसंत ब्रम्हलीन तपोमूर्ति गीतानंदजी महाराज की 20 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर गीता आश्रम वृंदावन में एक वृहद कार्यक्रम 24 नवम्बर (रविवार) को आयोजित होगा, जिसमें देश के जाने माने संत, भगवताचार्य, विद्वान, हाईकोर्ट के जस्टिस, अधिकारी, समाजसेवी, शिक्षाविद भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर भगवत सेवा में लीन साधुओं को जहां ऊनी वस्त्रों एवं कंबल आदि का वितरण किया जाएगा वहीं साधनविहीन लोगों को भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी एवं ब्रज क्षेत्र का विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रविवार को सुबह 10 बजे से 11.30 तक श्रद्धांजलि सभा तथा पूर्वाह्न 11.30 बजे से भंडारा आयोजित किया जायेगा।

डॉ. स्वामी अवशेषानंद महाराज ने बताया कि ब्रम्हलीन संत गीतानन्द महाराज ने अपने जीवन की अंतिम के आखिरी समय तक जनहित कार्यों से समाज के प्रत्येक वर्ग की मदद करने का प्रयास किया था। उत्तर भारत के वे ऐसे महान संत थे जो घट-घट में भगवान के दर्शन करते थे तथा जिनका कार्य क्षेत्र उनके द्वारा देश के विभिन्न भागों में स्थापित किये गए आश्रमों के साथ साथ आश्रम के बाहर भी था। उनकी आराधना का मूल मंत्र था ''प्रमु तुम हरौ जनन की पीर''।

वे ऐसे महान संत थे जिन्हे गीता न केवल कंठस्थ थी बल्कि गीता को उन्होंने अपने जीवन में उतारा था। गाय में 33 करोड़ देवताओं का वास होता है इसलिए उन्होंने गोशालाओं की स्थापना की तो शिक्षा के लिए संस्कृत पाठशाला, चिकित्सा के लिए समय-समय पर विभिन्न प्रकार के शिविरों का आयोजन, संतों के लिए अन्न क्षेत्र, वृद्धों के लिए वृद्धाश्रम की स्थापना, हरिजन बच्चों के लिए हरिजन छात्रावास, प्राकृतिक आपदा में पुनर्वास एवं राहत कार्य इस महान संत के त्यागमय जीवन की कहानी के पन्ने बोलते हैं। वृन्दावन की पावन धरती पर चैतन्य महाप्रभु,

बल्लभाचार्य, रूप गोस्वामी, जीव गोस्वामी, गोपाल भट्ट, जैसे संतों ने यदि धर्म की ध्वजा फहराई और श्यामाश्याम की लीलाओं के गूढ़ रहस्य को समाज के कोने कोने तक पहुंचाया तो बीसवीं शती में देवरहा बाबा, श्रीपाद बाबा, आनन्दमयी मां,स्वामी अखण्डानन्द, स्वामी वामदेव, नीम करौली बाबा, जैसे संतों ने सनातन धर्म पर आए संकट से समाज को निकालकर एक दिशा दी। स्वामी गीतानन्द महराज ने इससे अलग हटकर गीता के रहस्य को मानवजीवन में उतारने के मूलमंत्र को इस प्रकार प्रस्तुत किया कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के मुंह से सहज ही निकल पड़ा था कि यदि अन्य संत इसी भावना को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करें तो भारत अपने पुराने गौरव को प्राप्त कर सकता है। कारगिल युद्ध के बाद प्रधानमंत्री रक्षा कोष में जमा करने के लिए जब इस संत ने 11 लाख रूपये की थैली पूर्व प्रधानमंत्री स्वय अटल बिहारी वाजपेयी को सौंपी तो वाजपेयी अभिभूत होकर उक्त प्रतिक्रिया व्यक्त कर गए पर अहंकार से कोसों दूर इस महान संत ने यह कहकर वाजपेयी को और आश्चर्यचकित कर दिया था कि इसमें उनका कुछ भी योगदान नही है। उन्होंने तो वही काम किया है जो एक पोस्टमैन करता है। यह धनराशि उनके शिष्यों की है जिसे उन्होंने प्रधानमंत्री रक्षा कोष को दिया है। उनका सिद्धान्त था कि दान इस प्रकार दिया जाना चाहिए कि दाहिने हांथ से दिये गए दान का पता बांए हाथ को भी न चल सके।

स्वामी गीतानन्द महाराज दीपक की तरह थे जिन्होंने न केवल अपने शिष्यों को बल्कि सम्पूर्णमानवता को अंधकार से निकालकर समाजसेवा का ऐसा सन्मार्ग दिखाया जो वास्तविक मोक्ष का साधन है। उनका कहना था कि भगवत गीता मानव जीवन के जीने का विज्ञान है। गीता के रहस्य एवं चमत्कार को मानव अपने जीवन में उतारकर ही उसकी महत्ता और उपयोगिता का अनुभव कर सकता है। गीता मानव को जन्म से लेकर मृत्यु तक हर परिस्थिति से मुकाबला करने और उसमें दी गई अच्छाइयों को उतारने की शिक्षा देती है। स्वामी गीतानन्द महराज ने गीता पर प्रवचनों के माध्यम से समाज को बताया कि मनुष्य अपने कार्य एवं साधना से मानव की सेवा किस प्रकार कर सकता है।

उन्होंने वृन्दावन की पावन भूमि से गीता के संदेश की ऐसी अमृत वर्षा की थी कि आज के प्रतियोगितापूर्ण समय में इसका रसास्वादन करने के लिए महाराजश्री के पास जो भी आया उसके मन को ऐसी शांति मिली कि उसके लिए वृन्दावन का अनूपयति गीता आश्रम ही तीर्थ बन गया। कहा जाता है कि संत भगवत शक्ति का एक स्वरूप होता है। जैसे जल का सहज स्वभाव हर व्यक्ति को शीतलता देकर उसकी तृष्णा को बुझाना होता है उसी प्रकार संतों का स्वभाव दुःखी और संतृप्त जीवों पर करूणा कर उन्हें कल्याणकारी मार्ग की ओर अग्रसर करने का होता है। ब्रम्हलीन संत गीतानन्द महाराज इन्ही विशेषताओं के कारण अपने शिष्यों के प्रेरणा के श्रोत बन गए।